Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 27 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-239

राहुल के दलित, आदिवासी और ओबीसी प्रेम की घृणित असलियत

कांग्रेस के वहशी चेहरे पर मक्कारी का नकाब!

राहुल गांधी आजकल बात-बात में जातिगत जनगणना की मांग करते हैं। बार-बार कहते हैं कि 90 प्रतिशत जनसंख्या को व्यवस्था से बाहर रखा गया है। कहते हैं कि दलितों और जनजातीय समाज का मोदी सरकार में उत्पीड़न हो रहा है। कभी ये पूछते हैं कि केंद्रीय सचिवों में कितने ओबीसी हैं, तो कभी इसी आड़ में मन में छिपी मुस्लिमों वाली बात भी निकल आती है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी का असली चरित्र कुछ और है। लिहाजा, यह जानना जरूरी है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ कांग्रेस पार्टी का असलियत में व्यवहार कैसा रहा है। सबसे पहले बात करते हैं कांग्रेस के ओबीसी प्रेम की, इसके लिए हम चलते हैं मध्य प्रदेश के छतरपुर। छतरपुर में हाल ही में दंगे भड़क गए था। उसका बहाना बनाया गया महाराष्ट्र में महंत रामगिरी महाराज के बयान को। महंत रामगिरी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर नाराजगी और दुख जताया तो कट्टरपंथी मुसलमानों को यह भी रास नहीं आया। बस, महंत के खिलाफ ईश-निंदा का आरोप लगा कर उनके खिलाफ सिर तन से जुदा करने का फरमान जारी हो गया। इतने पर मन नहीं भरा तो पहले महाराष्ट्र के नासिक और छत्रपति संभाजी नगर में दंगे कराए गए, बाद में मध्य प्रदेश में भी मौलाना इरफ़ान चिश्ती ने विरोध प्रदर्शन और हिंसा के लिए मुसलमानों को उकसाया।

इसमें मुख्य रोल रहा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष हाजी शहजाद अली का,

शुभ-लाभ सरोकार

जिसके नेतृत्व में इस्लामी भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी की और जम कर हिंसा की। प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही है, ऐसे में दंगाई नेता के आलीशान घर पर बुलडोजर चला। हाजी शहजाद अली के बारे में पता चला कि कभी ठेला लगा कर पुराने कपड़े बेचता था, आज अरबपति बना बैठा है। उसके भाई पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह खुद की शरिया अदालत लगाता था। हाजी शहजाद अली ने 20 करोड़ रुपए की जो हवेली बनाई, वह कुशवाहा परिवार की जमीन हड़प कर बनाई गई थी। जिला प्रशासन के पास इसकी जांच भी लंबित है। आरोप है कि उसने डर और अपना रुतबा दिखा कर यह जमीन हड़प ली थी। शहजाद के दुबई कनेक्शन की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश में कोइरी वर्ग में आने वाले काछी, कुशवाहा, शाक्य और मौर्य ओबीसी वर्ग में आते हैं। कांग्रेस के एक मुस्लिम नेता ने ओबीसी समाज की जमीन हड़प हवेली खड़ी कर ली और कहीं कोई चर्चा नहीं? विरोध करने के बजाय कांग्रेस नेताओं ने उस कट्टर असामाजिक नेता का समर्थन किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाजी शहजाद अली का अवैध घर ध्वस्त किए जाने को अमानवीय और ▶10पर

पवित्र स्थल को ऐसे बना दिया कब्रिस्तान

झारखंड के जामताड़ा जिले में आदिवासियों के पवित्र स्थल पर मुसलमानों ने अपना कब्रिस्तान घोषित कर दिया। आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्ता लोभ में अपने आदिवासी समुदाय का साथ देने के बजाय अतिक्रमणकारी कट्टरपंथी मुसलमानों का साथ दिया। आदिवासियों की वह जगह पुरातन पतित नाम से जानी जाती है। जनजातीय लोगों की यह धार्मिक जमीन है, जहां उनके धार्मिक अनुष्ठान वगैरह होते रहे हैं। यह प्रशासन और सरकार भी जानती है। लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोगों इसे अपना कब्रिस्तान घोषित कर दिया। जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र में आने वाले पावन पतित नाम की जगह पर मुसलमानों ने शनिवार 24 अगस्त को इसी क्षेत्र के शहरपुर पंचायत में रहने वाले गांव पीठुआडीह के रहमतुल्लाह की ▶10पर

अब अगली बारी, लद्दाख में चुनाव की तैयारी

लद्दाख में 5 नए जिले बनाने की घोषणा

- लोगों के करीब आएंगी सरकारी सेवाएं, लाभ और अवसर: पीएम
- विधानसभा चुनाव कराने और पूर्ण राज्य बनाने के भावी संकेत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार ने पांच नए जिलों का गठन करने का ऐलान किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत सरकार के इस निर्णय की घोषणा करते हुए बताया कि लद्दाख में जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग मिला कर पांच नए जिलों का गठन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख के लोगों को बधाई देते हुए कहा है कि लद्दाख में पांच नए जिलों के निर्माण से गवर्नेंस को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग पर अब ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इससे सेवाओं, योजनाओं का लाभ और अवसरों को लद्दाख के लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। लद्दाख में इस समय दो जिले लेह और करगिल हैं। पांच नए जिलों के साथ ही लद्दाख में अब सात जिले हो जाएंगे। लेह में छह सब डिवीजन हैं, जबकि करगिल में चार डिवीजन हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार ने पांच नए जिले बनाने की घोषणा जम्मू कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के अहम वक्त पर की है। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की लगातार मांगें हो रही हैं। लद्दाख के लोग भी राज्य का दर्जा प्राप्त होने के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। ▶10पर

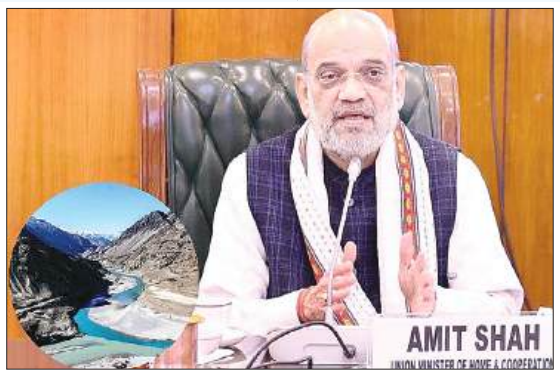

जिलों के गठन की अहम घोषणा के हैं अहम मायने

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

लद्दाख में पांच नए जिले जास्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग बनाए जाने की अहम घोषणा के अहम मायने हैं। 2019 में जम्मू-कश्मीर से अलग होकर गठित लद्दाख में पहले से करगिल और लेह दो ही जिले थे। नए पांच जिलों समेत कुल सात जिले होने के बाद लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और वहां भी विधानसभा चुनाव करा कर बाकायदा लोकतांत्रिक सरकार बनाने की कार्रवाई हो सकती है। इसका अंदाजा लग रहा है। ▶10पर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024

44 भाजपा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होते ही वापस

विरोध के बाद सोलह उम्मीदवारों के नाम घोषित

बाकी उम्मीदवारों की सूची बाद में जारी करेगी भाजपा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने पहली लिस्ट जारी कर दी थी। लेकिन कुछ देर बाद ही पार्टी ने इसे वापस ले लिया। अब भाजपा ने फिर से नई लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 16 उम्मीदवारों के नाम हैं। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए भाजपा ने 16 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पाम्पोर से सैयद शौकत गयूर अंद्राबी, अनंतनाग से सैयद वजाहत, ▶10पर

40 स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी और सीएम योगी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने 40 स्टार कैंपेनर की सूची सोमवार को जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे।

सूची में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। ▶10पर

यूपीएस लागू करने वाला पहला राज्य बना महाराष्ट्र

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली एनडीए सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू कर दी है। महाराष्ट्र, केंद्र की मोदी सरकार के बाद इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। महाराष्ट्र के राज्य कर्मचारी अब अपनी सेवानिवृत्ति के लिए यूपीएस चुन सकेंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने ऐलान किया कि वह यूपीएस लागू कर रही है। रविवार को ही इसे महाराष्ट्र कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई। अब महाराष्ट्र सरकार के लिए काम करने वाले राज्य कर्मचारी यूपीएस या फिर न्यू पेंशन स्कीम, दोनों में से एक का चुनाव कर सकेंगे। न्यू पेंशन स्कीम को 2004 में सरकारी कर्मचारियों के लिए लाया गया था। ▶10पर

कोलकाता में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला

मेडिकल छात्रा पर टीएमसी में आने का दबाव

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता रेप केस का मामला अभी भी नहीं सुलझा है, बावजूद इसके ममता सरकार पर लगातार एक के बाद एक आरोप लग रहे हैं। इसी क्रम में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी पर संगीन आरोप लगे हैं।

बात नहीं मानी तो परीक्षा में फेल करने की धमकी

कोलकाता के दूसरे मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा ने गंभीर आरोप लगाया है कि उस पर टीएमसी ज्वाइन करने के लिए धमकाया जा रहा है।

मेडिकल छात्रा ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि उसे धमकाया गया है कि अगर वो टीएमसी ज्वाइन नहीं करती है तो वे उसे हॉस्टल में नहीं रहने देंगे। ▶10पर

महिला अपराधों के जरिए जमीन हड़पने की साजिश: सरमा

बांग्लादेशी घुसपैठियों में एक भी हिंदू नहीं

गुवाहाटी, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेश कांड के बाद वहां भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ में एक भी हिंदू शामिल नहीं है। सारी घुसपैठ बांग्लादेशी मुसलमान कर रहे हैं। यह घुसपैठ सुनियोजित तरीके से कराई जा रही है।

सीएम सरमा ने यह भी कहा कि बांग्लादेश मुसलमान भारत में घुस कर महिलाओं के खिलाफ अपराध करते हैं, इसके पीछे उनका इरादा जमीनें हड़पने का रहता है। सरमा ने कहा, हालांकि पिछले तीन वर्ष में राज्य में अपराधों की संख्या घटी है, लेकिन हाल की घटनाओं के पीछे का असली इरादा बहुत बड़ा है। अपराधी बलात्कार जैसे अपराधों के जरिए हमारी धरती और हमारी सभ्यता को टार्गेट करने की कोशिशें की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाएं जमीन हड़पने और असमिया लोगों की पहचान को खतरे में डालने के बड़े इरादे से की जा रही है। साथ ही इन अपराधों के पीछे राजनीतिक संरक्षण होने की बात कही। सीएम ने दावा किया है कि फाइनेंशियल पावर असमिया लोगों के हाथ से निकलती जा रही है। मुख्यमंत्री सरमा ने साल 1979 से 6 साल तक चले आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा, असम में इस तरह का घटनाक्रम पिछले 30-35 साल से चल रहा था। इसी कारण असम में आंदोलन हुआ था। हमने अभी कट्टरपंथियों की पहचान की है, लेकिन 1975 में ही असमिया समाज को आगाह किया गया गया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के अपराधों के जरिए असम के मूल लोगों की जमीनों को हड़पने की कोशिशें की जा रही हैं। ▶10पर

नौकरी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में बड़ा खुलासा

9 साल में 1084 शिकायतें 92 कर्मचारी बर्खास्त

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

नौकरी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किए जाने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। केंद्र सरकार के समक्ष इस मामले में 9 साल में 1084 शिकायतें मिलीं। इन शिकायतों की जांच के बाद 92 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत यह हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। नौ साल तक चली एक आधिकारिक जांच में फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर सरकारी नौकरियां हासिल करने की 1,084 शिकायतों का पता चला है। इसके साथ ही कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन मामलों में 92 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। ये आंकड़े इस साल पूजा खेडकर के हाई-प्रोफाइल मामले को देखते हुए महत्वपूर्ण हैं, जो कथित तौर पर सिविल सेवाओं में सीट ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 23°

सोरेन सरकार के गलत हलफनामे पर बिफरा हाईकोर्ट

सरकार बताए कैसे कम हुई जनजातीय जनसंख्या?

झारखंड सरकार ने कहा, बांग्लादेशियों की घुसपैठ नहीं हुई

सरकार के तथ्यहीन शपथ पत्र पर झारखंड हाईकोर्ट नाराज

रांची, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में झारखंड सरकार पर प्रश्न उठाए हैं। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि जब बांग्लादेशी घुसपैठ से इन्कार किया जा रहा है तो भला जनजातीय जनसंख्या कैसे घट गई। हाईकोर्ट ने संथाल परगना में जनजातीय समाज (एसटी) की जनसंख्या घटने को लेकर प्रश्न पूछे हैं।

झारखंड हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर दायर की गई एक याचिका की सुनवाई में सरकार से ये सवाल पूछे हैं। झारखंड हाईकोर्ट के समक्ष झारखंड सरकार की तरफ से संथाल परगना के सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों ने हलफनामा दाखिल कर कहा है कि झारखंड में बांग्लादेशियों की घुसपैठ हुई ही नहीं है। इन तथ्यहीन हलफनामों पर झारखंड हाईकोर्ट गंभीर रूप से नाराज है। यह हलफनामे गोड्डा, देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और दुमका जिलों के प्रशासन की तरफ से दाखिल किए गए।

हाईकोर्ट ने संबंधित जिलों के डीसी की ओर से दायर हलफनामे का अध्ययन करने के बाद कहा कि जब बांग्लादेशी प्रवासियों की कोई घुसपैठ नहीं हुई तो इन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या कम होने का क्या कारण है? हलफनामों में इस महत्वपूर्ण पक्ष पर कुछ नहीं कहा गया। हाईकोर्ट ने सवाल किया कि संथाल परगना क्षेत्र में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 1951 में 44.67 प्रतिशत थी जो वर्ष 2011 में घट कर 28.11 प्रतिशत तक आ गई। इसे दिनांक 8 अगस्त 2024 के आदेश में नोट भी किया गया। लेकिन हैरानी की बात है कि हलफनामे में इन क्षेत्रों में आदिवासियों की जनसंख्या में कमी के बारे में कोई प्रासंगिक आंकड़े प्रस्तुत नहीं करके उस बिंदु पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बड़ा हमला, लोगों को बसों से उतार गोलियों से भूना, 23 की मौत

क्वेटा, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के मुसाखाइल जिले के रारांशम इलाके में सोमवार सुबह दर्जनभर से ज्यादा सशस्त्र संदिग्ध आतंकवादियों ने 23 लोगों को बसों और ट्रकों से उतार-उतारकर गोलियों से भून दिया। हमलावरों ने इन सभी लोगों को वाहनों से नीचे उतारा। फिर उनके नाम-पते पूछे। इसके बाद सभी को गोली मार दी। सूत्रों के अनुसार स्थानीय पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है।

मुसाखाइल के सहायक आयुक्त नजीब काकर ने कहा है कि हथियारबंद लोगों ने जिले के रारांशम इलाके में अंतर-प्रांतीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और कई बसों से यात्रियों को उतार लिया। तीन मृतक बलूचिस्तान और बाकी पंजाब प्रांत के रहने वाले हैं। एसी कक्कड़ ने कहा है कि हथियारबंद लोगों ने 10 वाहनों में भी आग लगा दी। उन्होंने बताया कि पुलिस और लेवी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शवों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। यह हमला किसने किया, अभी तक यह साफ नहीं हो सका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल इस तरह का यह दूसरा हमला है। अप्रैल में बलूचिस्तान के नोशकी शहर के पास नौ यात्रियों को एक बस से उतार दिया गया। बंदूकधारियों ने उनके आईडी कार्ड देखने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या पूरी मानवता की हत्या है। प्रधानमंत्री ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को घटना की तुरंत जांच करने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कहा है, इस घटना के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

गुटेरेस ने हिजबुल्लाह और इज़राइल से की तनाव कम करने की अपील

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और हिजबुल्लाह से कहा है कि क्षेत्र में तत्काल तनाव कम करे नहीं तो सुरक्षा और स्थिरता का खतरा पैदा हो सकता है। उनके एक प्रवक्ता ने ये जानकारी दी है। रविवार को दोनों पक्षों में फिर से टकराव बढ़ गया, जब इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए और हिजबुल्लाह ने भी रॉकेट हमलों से जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि ब्लू लाइन के पार गोलीबारी में वृद्धि से महासचिव बहुत चिंतित हैं। इन कार्रवाइयों ने लेबनान और इजरायल दोनों को खतरे में डाल दिया है, साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को भी खतरा है। ब्लू लाइन एक सीमा रेखा है जो इजरायल और लेबनान को अलग करती है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के साथ 895 भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं, जो यहां गश्त करते हैं। महासचिव ने तत्काल तनाव कम करने तथा सभी पक्षों से दुश्मनी समाप्त करने तथा सुरक्षा परिषद के संकल्प 1701 को पूरी तरह से लागू करने का आह्वान किया है। यूनिफिल तथा लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक कार्यालय (यूएनएससीओएल) ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रस्तावों को लागू करना आगे बढ़ने का एकमात्र स्थायी तरीका है। दोनों यूएन संगठनों ने कहा कि ब्लू लाइन पर चिंताजनक घटनाक्रमों के मद्देनजर, यूएनएससीओएल तथा यूनिफिल सभी से संघर्ष विराम करने तथा आगे और अधिक आक्रामक कार्रवाई से बचने का आह्वान करते हैं। उनके बयान में कहा गया है कि हम तनाव कम करने के लिए अपने संपर्क जारी रखेंगे। यूनिफिल के साथ तैनात भारतीय शांति सैनिक इजरायल तथा हिजबुल्लाह के बीच टकराव में फंस गए हैं। हिजबुल्लाह एक शिया मुस्लिम पार्टी है, जिसके पास अपनी खुद की मजबूत मिलिशिया है, और यह दक्षिणी लेबनान में स्थित है।

बांग्लादेश में बारिश और बाढ़ ने बरपाया कहर, 50 लाख लोग हुए प्रभावित

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद भड़की हिंसा में सैकड़ो लोगों ने जान गंवा दी है। अब यहां बाढ़ और बारिश का कहर बरप रहा है। अब तक बाढ़ की वजह से 20 लोग जान गवा चुके हैं। वहीं, 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के पानी के कारण लोगों को भोजन, स्वच्छ पानी, दवा और सूखे कपड़ों की तत्काल आवश्यकता है, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में जहां सड़कें अवरुद्ध होने के कारण बचाव और राहत कार्य बाधित हो रहे हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि लगातार मानसूनी बारिश और नदियों के उफान के कारण बांग्लादेश में आई बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है और 5.12 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी ने कई लोगों को अलग-थलग कर दिया है और उन्हें भोजन, स्वच्छ पानी, दवा और सूखे कपड़ों की तत्काल आवश्यकता है, खासकर दूरदराज के इलाकों में जहां अवरुद्ध सड़कों ने बचाव और राहत प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है।

ताकतवर दुश्मन एवं विरोधियों को टारगेट करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा चीन

बीजिंग। स्थानीय युद्ध जीतने के अपने दशकों पुराने सिद्धांत से हटकर चीनी सेना अब ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों के खिलाफ युद्ध जीतने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। चीन के शीर्ष रक्षा अधिकारी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब चीन, अमेरिका सहित कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि नई यात्रा में, हमें ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों को हराने के लिए क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने सेना को देश की संप्रभुता और विकास हितों की रक्षा के लिए अपनी रणनीतिक क्षमता में सुधार के निर्देश दिए हैं। माओत्से तुंग युग के बाद देश का पुनर्निर्माण करने वाले शीर्ष नेता और आधुनिक चीन के वास्तुकार के रूप में जाने जाने वाले डेंग जियाओपिंग की 120वीं जयंती के मौके पर चिनपिंग ने न केवल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और देश के लिए उनके योगदान की तारीफ की, बल्कि आधुनिक सेना तैयार करने के उनके दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि डेंग ने चीनी सेना पीएलए को एक मजबूत, आधुनिक और सुसंगठित बल बनाने और कम लेकिन बेहतर सैनिक रखने की जरुरत को रेखांकित किया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध जारी, जान-माल का भारी नुकसान

यूक्रेन ने रूस की सबसे ऊंची इमारत पर दागा ड्रोन, रूस ने भी दिया मुंहतोड़ जवाब

लोगों को वर्ल्ड ट्रेड टावर की आई याद

मास्को/कीव, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग दिन-महीना और साल गुजरने के साथ-साथ और आक्रामक होती जा रही है। यूक्रेन ने सोमवार को रूस के सारातोव शहर की सबसे ऊंची इमारत (वोल्गा स्काई) को ड्रोन से निशाना बनाकर दुनिया को 9/11 की याद के भयावह मंजर की याद दिला दी। वोल्गा स्काई 38 मंजिला इमारत है। दूसरी तरफ रूस ने भी यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर कीव की नींद उड़ा दी है।

सारोतोव शहर के गवर्नर रोमन बसुरगिन ने टेलीग्राम मैसेंजर ऐप पर जानकारी दी कि इस ड्रोन हमले में एक महिला घायल हो गई है। वोल्गा स्काई पर हमले का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें ड्रोन वोल्गा स्काई से टकराता दिख रहा है। गनीमत यह रही कि वोल्गा स्काई इमारत को आग नहीं लगी। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने सारातोव क्षेत्र में दुश्मन के नौ ड्रोन नष्ट कर दिए। इस हमले के बाद सारोतोव शहर के एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि कुछ घंटे बाद प्रतिबंध हटा दिया गया।

रूस पर हमले से एक दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि उनकी सेना रूस के कुर्स्क क्षेत्र में तीन किलोमीटर तक आगे बढ़ गई है।

रूस की दो और बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। इस बयान के बाद रूस ने रात को उत्तरी और पूर्वी यूक्रेन को निशाना बनाकर कई मिसाइलें और ड्रोन दागे। कहा जा रहा है कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। इससे उलट रूस के सीमावर्ती क्षेत्र बेलगोरोद में यूक्रेन की गोलाबारी में पांच लोगों की मौत हो गई।

'द कीव इंडिपेंडेंट' की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने समूचे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। कीव में तेज धमाके सुने गए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि सोमवार को बड़े पैमाने पर रूसी हवाई हमले के बाद कीव के कुछ हिस्सों में बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा उत्पादक डीटीईके ने कहा कि वह हमलों के बाद आपातकालीन बिजली कटौती शुरू कर रही है।

रूस और यूक्रेन युद्ध दो साल से अधिक समय से जारी है। यह जंग दूर-दूर तक थमती नजर नहीं आ रही। रूस ने एक बार फिर हमले तेज कर दिए हैं। सोमवार तड़के कीव और यूक्रेन के अन्य शहरों में विस्फोट सुने गए। खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव के अनुसार, वहां भी विस्फोट हुए। यूक्रेन की सेना ने कहा है कि हमले आधी रात के आसपास शुरू हुए, जो सुबह तक जारी रहे।

नदी में गिरी बस को आठ घंटे की मशक्कत के बाद निकाला

काठमांडू, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

दुर्घटना में घायल हुए 16 में से 7 लोगों को सोमवार को ही विमान से भेजा मुंबई

मार्स्यांगदी नदी में गिरी भारतीय नंबर वाली बस को आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार निकल लिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त बस को नदी से निकलने के लिए सुबह से ही मुगलिन-अम्बुखैरेनी सड़क खंड को बंद रखा गया था। वैसे तो इस सड़क खंड को पहले सोमवार सुबह साढ़े तीन घंटे के लिए बंद किया गया था, लेकिन इसे आठ घंटे के बाद बस निकलने के बाद ही खोला जा सका।

जिला पुलिस कार्यालय तनहुं के प्रवक्ता दीपक कुमार राय ने बताया कि शुरू में लगा कि तीन चार घंटे में बस को निकाल लिया जाएगा। लेकिन बाद में दो क्रेन का इस्तेमाल कर बस को निकलने में सफलता मिली। स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा कल ही सूचना प्रकाशित कर चार घंटे तक सड़क बंद रहने की जानकारी दी गई थी। लेकिन आठ घंटे तक सड़क बंद रहने से दोनों तरफ काफी लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। निर्धारित समय से अधिक समय तक सड़क बंद करने से यात्री फंसे रहे। हालांकि प्रशासन के तरफ से दोनों तरफ इमरजेंसी के लिए एंबुलेंस खड़ी की गई थी।

उल्लेखनीय है क 23 अगस्त को पोखरा से भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर भारतीय नंबर की एक बस काठमांडू आ रही थी, जो अंबुखैरेनी में मार्स्यांगदी नदी में गिरी गई। इस दुर्घटना में 27 लोगों की मौत हो गई। शवों को भारत ले जाया गया और घायलों का इलाज काठमांडू में किया जा रहा है। 16 घायलों को काठमांडू के मेडिकल कालेज में उपचार किया जा रहा था जिनमें से 7 को ही 4 बजे विमान से मुंबई भेजा गया।

पुख्ता निर्णय नहीं लेने की वजह

शक्तिशाली देश अमेरिका से भी सीधी दुश्मनी नहीं चाहता ईरान

तेहरान, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

इजरायल-हमास के बीच जबसे हिजबुल्लाह ने एंट्री मारी है तबसे मिडिल ईस्ट में और टेंशन बढ़ गया है। रविवार को हिजबुल्लाह ने इजरायल पर ताबड़तोड़ अटैक किया। इससे पहले भी कई बार हिजबुल्लाह इजरायल पर हमला कर चुका है। लेकिन सवाल है कि आखिर ईरान इस जंग में सीधे तौर पर क्यों नहीं शामिल हो रहा है। क्या उसे किसी बात का डर है या फिर वह रूस की तरह युद्ध का इल्जाम अपने सिर पर नहीं लेना चाहते हैं।

बता दें कि पूरी दुनिया हिजबुल्लाह को आतंकी संगठन मानता है। ईरान हिजबुल्लाह से हमला कराकर दुनिया को यह जताना चाहता है कि वह यह हमला खुद नहीं कर रहा है हिजबुल्लाह से करवा रहा है। वहीं ईरान अमेरिका से भी सीधी दुश्मनी नहीं चाहता है। क्योंकि अमेरिका शुरू से ही हमास युद्ध में इजरायल के साथ खड़ा है। ऐसे में ईरान के पास अपने आप को बचाने और खुद को मिडिल ईस्ट में स्थापित रखने के लिए हिजबुल्लाह से हमला करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। ऐसे में ईरान हिजबुल्लाह का सहारा लेकर इजरायल पर हमला बोल रहा है।रूस-यूक्रेन जंग में रूस ने सीधा यूक्रेन पर हमला कर दिया। इसके बाद पूरी दुनिया ने इस जंग की जिम्मेदारी रूस के राष्ट्रपति पुतिन पर थोप दी। इसके साथ ही अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए। हालांकि ईरान और यूरोपीय देशों के बीच पहले से ही तनाव है। लेकिन सीधे जंग की तोहमत से ईरान अभी तक बचा हुआ है। साथ ही अन्य देशों से सीधी दुश्मनी से भी बचा हुआ है।

थाईलैंड में होने वाला बिम्स्टेक शिखर सम्मेलन फिलहाल स्थगित, बाद में तय होगी नई तारीख

थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने संबंधित सभी देशों को पत्र लिखकर फिलहाल शिखर सम्मेलन को आयोजित करने में असमर्थता जताई

काठमांडू, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

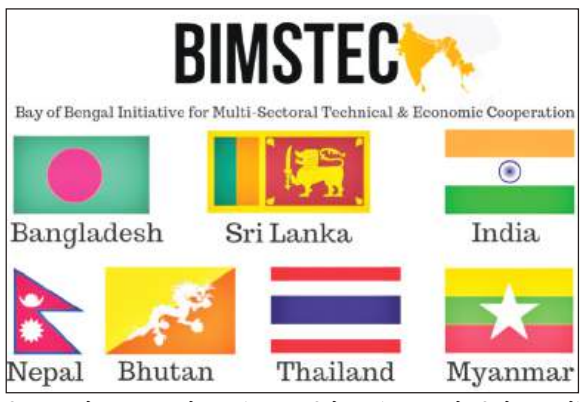

थाईलैंड में नए राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच 18-19 अगस्त को बैंकॉक में होने वाला छठा बिम्सटेक शिखर सम्मेलन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने संबंधित देशों को पत्र लिखकर फिलहाल शिखर सम्मेलन को आयोजित करने में असमर्थता जताई है। पत्र में कहा गया है कि बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों के कारण बिमस्टेक शिखर सम्मेलन का आयोजन संभव नहीं है। नई तारीख का ऐलान सभी सदस्य देशों के साथ परामर्श के बाद किया जाएगा।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि शिखर सम्मेलन के स्थगित होने की आधिकारिक जानकारी मिल गई है। विदेश मंत्रालय को मिले पत्र में बिम्स्टेक शिखर बैठक की नई तारीख का ऐलान भी सदस्य देशों से चर्चा के बाद तय किए जाने की बात उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने नैतिक उल्लंघन के मामले में प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को बर्खास्त कर दिया था। इसी के साथ ही बिम्स्टेक सम्मेलन को लेकर संशय बरकरार था। उसके बाद 32 वर्षीया पेटोंगटार्न शिनवात्रा प्रधानमंत्री बनी। वह पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने पत्र में कहा कि नई सरकार के गठन के साथ आवश्यक संसदीय और कानूनी प्रक्रियाओं के कारण बिम्सटेक शिखर सम्मेलन समय पर आयोजित नहीं किया जा सकता है। हालांकि, नेपाल सरकार ने सम्मेलन में भाग लेने की तैयारी कर ली थी लेकिन अब इसे रोक दिया गया है।

बिम्स्टेक में नेपाल को 2004 में सदस्यता मिली थी। नेपाल के साथ बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड बिम्सटेक के सदस्य हैं। बिम्सटेक अपनी स्थापना के 26 साल बाद 2022 में एक चार्टर लेकर आया था।

बांग्लादेश में अभी भी जारी हैं हिंसक वारदातें : छात्रों से झड़प, हिंसा में कम से कम 40 घायल

सचिवालय में अधिकारियों को बंधक बनाया, सेना पहुंची तब छुड़ाया

ढाका, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बावजूद अशांति का ज्वालामुखी ठंडा नहीं पड़ा है। रविवार को भी राजधानी ढाका में शाम से रात तक हिंसक प्रदर्शन होते रहे। अंतरिम सरकार में शामिल भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं के साथ अंसार सिक्योरिट एजेंसी के वर्करों से टकराव के चलते हालात गंभीर हो गए। अंसार सिक्योरिटी एजेंसी को हसीना समर्थक माना जाता है। नियमिति किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अंसार एजेंसी के वर्करों ने सचिवालय के कई अधिकारियों को बंधक बना लिया। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 40 लोग घायल हो गए।

बांग्लादेशी सूत्रों के अनुसार, सचिवालय के पास शाम बाद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच हुई हिंसा में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता हसनत अब्दुल्ला घायल हो गए। डीएमसीएच पुलिस चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने पुष्टि की कि उन्हें ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर ने कहा कि झड़पों में छात्रों, अंसार सदस्यों, राहगीरों और पत्रकारों सहित कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

जैसे-जैसे रात चढ़ी, वैसे-वैसे सचिवालय के पास छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच झड़पें तेज होती गईं। रात नौ बजे के बाद तो दोनों एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर दबोचने लगे। हालात अनियंत्रित होते ही रात करीब 10 बजे सेना पहुंची। सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया।

इसके बाद, अंसार के अधिकांश सदस्य जीरो प्वाइंट से बाहर निकल गए। सचिवालय के आसपास का क्षेत्र तब हजारों छात्रों के नियंत्रण में आ गया। सचिवालय के गेट पर सेना के जवान तैनात किए गए। छात्र किसी भी साजिश का विरोध करने की कसम खाते हुए नारे लगाते रहे। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र अतीक हुसैन ने कहा कि अंसार सदस्यों की शुरुआती मांगें पूरी कर दी गई थीं, लेकिन अब वे एक अनुचित मांग के साथ स्थिति को जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों के पीछे कोई साजिश हो सकती है, खासकर देश में चल रहे संकट को देखते हुए। रात करीब साढ़े दस बजे सलाहकार नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद सचिवालय से बाहर आए और उत्तेजित छात्रों से शांत रहने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि उन पर हमला करने वाले अंसार सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले दिन में ढाका विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों के छात्रों ने सचिवालय तक मार्च किया। इसके बाद राजू मेमोरियल स्कल्पचर पर जुटे। इस दौरान छात्रों को सूचना मिली कि अंसार सदस्यों ने अंतरिम सरकार में सलाहकार और भेदभाव विरोधी छात्रों के आंदोलन के समन्वयक नाहिद इस्लाम को सचिवालय में समन्वयक सरजिस आलम, हसनत अब्दुल्ला और अन्य के साथ हिरासत में ले लिया। इसके बाद हिंसक झड़प शुरू हो गई।

हसनत अब्दुल्ला ने फेसबुक पोस्ट में प्रदर्शनकारी अंसार सदस्यों की मांगें पूरी होने के बावजूद सचिवालय की लगातार नाकाबंदी के लिए अंसार के पूर्व महानिदेशक मेजर जनरल एकेएम अमीनुल हक को दोषी ठहराया। हसनत ने सभी से ढाका विश्वविद्यालय में राजू मेमोरियल मूर्तिकला के सामने इकट्ठा होने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि एकेएम अमीनुल हक पूर्व जल संसाधन उप मंत्री एकेएम इनामुल हक शमीम के बड़े भाई हैं।

अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी से आश्वासन मिलने के बाद अंसार सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया।

कोलकाता कांड : संदीप घोष पर कसा सीबीआई का शिकंजा

गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम एफआईआर में दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी ने उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की है। जिसमें आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) को धारा 420 आईपीसी (धोखाधड़ी और बेईमानी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 के साथ लगाया है, जो एक लोक सेवक की तरफ से अवैध रूप से रिश्वत लेने को दिखाता है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि इन सभी मामलों को एक साथ पढ़ने पर ये संज्ञेय अपराध लगते हैं और गैर-जमानती प्रकृति के हैं। इसमें

संदीप घोष के अलावा, सीबीआई ने मध्य जोरहाट, बानीपुर, हावड़ा के मेसर्स मा तारा ट्रेडर्स, जेके घोष रोड, बेलगछिया, कोलकाता के मेसर्स ईशान कैफे और मेसर्स खामा लौहा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। ये मामला राज्य स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव देबल कुमार घोष की तरफ से दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

सीबीआई की तरफ से कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य की तरफ गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच अपने हाथ में लेने के बाद शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह आदेश आरजी कर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली की याचिका पर जारी किया गया, जिन्होंने संस्थान में कथित वित्तीय कदाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने का अनुरोध किया था। अली ने उच्च न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या संस्थान में कथित भ्रष्टाचार का संबंध महिला डॉक्टर की मौत से जुड़ा है, और क्या पीड़िता को इसकी जानकारी थी और इससे मामले के उजागर होने का खतरा था।

अख्तर अली ने यह भी आरोप लगाया था कि एक वर्ष पहले राज्य सतर्कता आयोग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के समक्ष घोष के खिलाफ दर्ज कराई गई उनकी शिकायतों का कोई खास नतीजा नहीं निकला और इसके बजाय उन्हें संस्थान से स्थानांतरित कर दिया गया। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में अली ने घोष पर लावारिस शवों की अवैध बिक्री, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट की तस्करी तथा दवा और चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए कमीशन पर निविदाएं जारी करने का आरोप लगाया।

याचिकाकर्ता अली ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों पर परीक्षा पास करने के लिए पांच से आठ लाख रुपये तक की रकम देने का दबाव बनाया गया था। संदीप घोष ने फरवरी 2021 से सितंबर 2023 तक आरजी कर अस्पताल के प्राचार्य के रूप में काम किया। उन्हें उस वर्ष अक्टूबर में चिकित्सा प्रतिष्ठान से स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन एक महीने के भीतर ही वह उस पद पर वापस आ गए। महिला डॉक्टर की हत्या वाले दिन तक वह अस्पताल में कार्यरत थे।

सीबीआई ने रविवार को भ्रष्टाचार के मामलों के सिलसिले में घोष के कोलकाता में मौजूद बेलियाघाटा आवास पर एक दिन की तलाशी ली। एजेंसी ने संदीप घोष से लगातार 10 दिन तक पूछताछ की है और बलात्कार और हत्या की जांच के सिलसिले में सोमवार को उनका पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया। सीबीआई ने अस्पताल के पूर्व अधीक्षक संजय वशिष्ठ और फॉरेंसिक डेमोस्ट्रेटर देबाशीष सोम को भी भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में पूछताछ के लिए एजेंसी के निजाम पैलेस कार्यालय में बुलाया है।

हिमाचल में सर्वदलीय बैठक से भाजपा ने किया किनारा

शिमला, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र से पहले सोमवार को अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। मगर इसमें विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नदारद रहा।

श्री पठानिया ने कहा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के कहने पर बैठक की तारिख तय की थी। मगर वह अस्वस्थ होने की वजह से मीटिंग में नहीं आ पाएं। भाजपा से चीफ व्हिप के तौर पर मीटिंग में आने वाले सुखराम चौधरी और विनोद कुमार भी मीटिंग में नहीं आए। उन्होंने कहा कि सुखराम चौधरी हरियाणा में है और विनोद कुमार के परिवार में किसी का निधन हुआ है। श्री पठानिया ने कहा, विपक्ष के नेता से दूरभाष पर उनकी बात हुई है। उन्होंने सदन की कार्यवाही में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने विपक्ष की गैर मौजूदगी

पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यह परंपरा सही नहीं है और दुर्भाग्यपूर्ण है।

सर्व दलीय बैठक में विपक्ष की गैर मौजूदगी पर श्री चौहान ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा,सर्वदलीय मीटिंग में नहीं आना अच्छी परंपरा नहीं है। विपक्ष का कोई भी नेता मीटिंग में शामिल नहीं हुए। लोकतंत्र में हमे इन परंपराओं का राजनीति से ऊपर उठकर निर्वहन करना चाहिए। सदन की कार्यवाही की शुरुआत मंगलवार को दिवंगत पूर्व विधायक टेक चंद डोगरा, दौलत राम चौधरी और नारायण सिंह स्वामी के शोकोद्गार से होगी। श्री पठानिया ने बताया कि कल सदन में भारी बरसात से हुए नुकसान पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा, इस बार का मानसून सत्र ऐतिहासिक है। पूर्व में कभी भी मानसून सत्र में 10 सीटिंग नहीं हुई। चुने हुए प्रतिनिधियों की ज्यादा से ज्यादा आवाज उठाने के मकसद से 10 सीटिंग का सत्र बुलाया गया है। श्री चौहान ने कहा कि पहली बार मानसून सत्र में 10 बैठकर आयोजित होने जा रही हैं। इससे पहले सत्र में सिर्फ पांच से छह बैठकें ही आयोजित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ समन्वय से चलना चाहता है, लेकिन विपक्ष एक नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक में न आकर एक गलत परंपरा स्थापित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विपक्ष में रहते हुए हमेशा ही लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन किया, लेकिन भाजपा इससे पीछे हट रही है।

दुनियाभर की जरूरतों को पूरा करने वाली नई पीढ़ी तैयार करेगी एनईपी: प्रधान

भुवनेश्वर, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने दुनिया की जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए नयी पीढ़ी तैयार करने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता दी है।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ओडिशा के अंगुल जिले के बनमालीपुर ब्लॉक में ओडिशा मॉडल स्कूल के नए भवन और छात्रावास का उद्घाटन करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक और शहरी क्षेत्र में दो स्कूल पीएम श्री स्कूल के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा में लगभग 800 स्कूलों को पीएम श्री स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। यह स्कूल अथमलिक उपखंड में मूल परंपरा को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा। श्री प्रधान ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क क्षेत्र में 94.83 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला

रखी, जिससे छात्रों और आम जनता को लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जिला कलेक्टर को जिले के सभी विभागों को एक साथ लाने और अथमलिक के सभी गांवों में सिंचाई और खेती की गतिविधियों को बढ़ाने की योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अथमलिक उपमंडल को आदर्श उपमंडल बनाने के लिए हमें सामूहिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और रोजगार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री प्रधान ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कल्याणकारी सरकार और ओडिशा में मोहन चरण माझी के नेतृत्व में लोकप्रिय सरकार बनी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई सुभद्रा योजना के तहत महिला लाभार्थियों को सालाना 10,000 रुपये दिए जाएंगे और 5 साल में कुल 50,000 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे। इस योजना से 01 करोड़ से अधिक माताएं लाभान्वित होंगी और उन्होंने कहा कि यह माताओं को सशक्त बनाने की ओडिशा की सबसे बड़ी योजना होगी।

बंगाल सरकार और पुलिस ने छात्रों के आहूत मार्च को अवैध करार दिया

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की वित्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल छात्र समाज की ओर से मंगलवार को आहूत नबन्ना अभिजन अथवा राज्य सचिवालय तक मार्च अवैध और शहर में व्यापक अशांति भड़काने का प्रयास है।

छात्र संगठन ने नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में पीड़िता के लिए न्याय की मांग और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए कल मार्च का आह्वान किया है। सुश्री भट्टाचार्य ने कहा कि हावड़ा में राज्य सचिवालय तक प्रस्तावित मार्च को अभी तक पुलिस की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस से मामला केन्द्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद भी यह जनजीवन को प्रभावित करने और आम लोगों को भड़काने की यह एक चाल है।

पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) एम के वर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि प्रस्तावित मार्च अवैध और गैर कानूनी है तथा निहित स्वार्थों के लिए आम जनता को भड़काने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि नबन्ना एक अत्यधिक प्रतिबंधित क्षेत्र है और इसके पास किसी भी तरह की बैठक करना और जुलूस निकाला इस क्षेत्र में प्रतिबंधित है, हालांकि इस क्षेत्र में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023, 25 अगस्त से लागू है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तैनात की जाएगी ताकि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की परीक्षा के लिए आने वाले परीक्षार्थी

अपने गंतव्य तक बिना किसी परेशानी के सुरक्षित पहुंच सकें।

दक्षिण बंगाल के पुलिस एडीजी सुप्रतिम सरकार ने कहा कि उनके पास विशेष जानकारी है कि कुछ अराजक तत्व कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ऐसा कोई पश्चिम बंगाल छात्र समाज संगठन नहीं है। श्री सरकार ने कहा कि पुलिस आयुक्तालय (हावडा) ने छात्र संगठन से प्रस्तावित नबन्ना अविजन का लिखित विवरण देने की अपील की थी, लेकिन अभी तक छात्र संगठन को ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने दावा किया कि कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करने और बाद में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भारतीय जनता पार्टी और वाम दलों के साथ मिलकर यह मार्च बुलाया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ तत्व इसका फायदा उठा सकते हैं और राज्य में शांति भंग करने के लिए अराजकता पैदा करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

उधर केन्द्रीय मंत्री एवं बंगाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदान ने कहा कि भाजपा ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन मार्च नहीं बुलाया है, लेकिन उनकी पार्टी राज्य सरकार के उत्पीड़न के खिलाफ किसी भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन को नैतिक समर्थन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई भाजपा कार्यकर्ता बिना पार्टी के झंडे के जूलूस में शामिल होने की इच्छा रखता है तो वह इसके लिए स्वतंत्र है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार भाजपा की आवाज को दबाने के लिए बल या किसी अलोकतांत्रिक तरीके का इस्तेमाल करना चाहती है तो पार्टी नबन्ना मार्च के लिए किसी अन्य दिन अलग से आह्वान करेगी। भाजपा राज्य सभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने भी कल के प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की बात से इंकार किया है और यह और दोहराया कि अगर कोई पार्टी कार्यकर्ता इसमें शामिल होता है, तो यह उसकी व्यक्तिगत निर्णय होगा। अभाविप ने भी स्पष्ट किया है कि उसने इस मार्च का आह्वान शुरू नहीं किया, लेकिन वह मृतक महिला डॉक्टर के लिए न्याय की गुहार लगाने के लिए किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करता है।

रजनीकांत के बयान पर तमिलनाडु में मचा है सियासी भूचाल

चेन्नई, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

फिल्म अभिनेता रजनीकांत के बयान को लेकर तमिलनाडु में सियासी भूचाल आ गया है। डीएमके नेताओं ने रजनीकांत को घेरना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता दुरई मुरुगन ने अभिनेता रजनीकांत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फिल्मों में भी कुछ पुराने अभिनेता ऐसे हैं जो युवा कलाकारों को आगे नहीं आने दे रहे हैं।

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि पर एक पुस्तक विमोचन समारोह में अभिनेता रजनीकांत ने कहा था कि यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि एक स्कूल में शिक्षक (एमके स्टालिन) को नए छात्रों को संभालने में कोई दिक्कत नहीं होती।

जितनी समस्या पुराने छात्रों को संभालने में होती है। क्योंकि पुराने छात्र सामान्य नहीं हैं। वे तो रैंक धारक छात्र हैं और कक्षा (डीएमके) को नहीं छोड़ेंगे। खासकर तब जब पार्टी में दुरई मुरुगन जैसे नेता हों। रजनीकांत ने कहा था कि दुरई मुरुगन से कुछ पूछो तो वह अच्छा कहेंगे, लेकिन हम भ्रमित हो जाते हैं कि वह खुशी से बोल रहे हैं या निराशा है। इतना सब कुछ संभालने के लिए स्टालिन सर को सलाम।

रजनीकांत की इस टिप्पणी पर तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता दुरई मुरुगन ने कहा कि यह ठीक वैसा ही है, जैसा फिल्मों में है। फिल्मों में कुछ पुराने अभिनेताओं के कारण नए युवा कलाकार आगे नहीं आ पा रहे हैं। पुराने कलाकार दाढ़ी बढ़ने, सारे दांत टूटने और मरणासन्न अवस्था में भी अभिनय कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि युवा डीएमके में आने के लिए तैयार हैं। हमें केवल उन्हें जगह देनी है और उनका मार्गदर्शन करने के लिए उनका हाथ पकड़ना है। सुपरस्टार रजनीकांत का भाषण सभी ने देखा होगा। रजनीकांत ने जो कहा उस पर मैं कुछ नहीं कहूंगा। क्योंकि अगर कहूंगा तो सभी सोचेंगे कि मैं अपने दिल में कुछ लेकर बोल रहा हूं। भाषण प्रतियोगिता की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए मैं यूथ विंग की ओर से अनुरोध करता हूं कि हर साल यह भाषण प्रतियोगिता होनी चाहिए। तमिलनाडु के मंत्री दुरई मुरुगन के बयान को लेकर अभिनेता रजनीकांत ने कहा कि वह मेरे पुराने दोस्त हैं। उन्होंने जो भी कहा वह कोई मुद्दा नहीं है। हमारी दोस्ती हमेशा जारी रहेगी। मैं विजय को भी अपनी पार्टी का झंडा पेश करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

रजनीकांत की पुराने छात्र वाली टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता और तमिलनाडु सरकार की मंत्री डॉ. तमिलिसाई एस राजन ने कहा कि डीएमके दुरई मुरुगन और टीआर बालू जैसे नेताओं की वजह से वट वृक्ष बनी है, न एमके स्टालिन या उदयनिधि स्टालिन की वजह से। इन नेताओं ने पार्टी को खड़ा करने के लिए आधी सदी तक कड़ी मेहनत की है। किसी को भी इन वरिष्ठ नेताओं को अनादर नहीं करना चाहिए। रजनीकांत ने जो टिप्पणी की है। मैं दुरई मुरुगन का समर्थन करती हूं।

तटरक्षक बल ने समुद्र में फंसे 11 नाविकों को बचाया

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय तट रक्षक बल ने रविवार रात एक साहसिक अभियान चलाकर एक माल-वाहक जहाज के डूबने के बाद जीवन रक्षक नौकाओं में फंसे 11 नाविकों को समय रहते सुरक्षित बचा लिया।

भारतीय तट रक्षक के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि मुंबई में पंजीकृत यह सामान्य मालवाहक जहाज एमवी आईटीटी प्यूमा कोलकाता से पोर्ट ब्लेयर के रास्ते में सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) से लगभग 90 समुद्री मील दक्षिण में डूब गया था।

समुद्री खोज एवं बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) चेन्नई को रविवार को इन नाविकों की ओर से देर शाम संकट संबंधी संकेत प्राप्त हुआ। कोलकाता स्थित तटरक्षक के क्षेत्रीय मुख्यालय (उत्तर पूर्व) ने तुरंत दो जहाजों और एक डोर्नियर विमान को वहां भेजा। रात के समय उपयोग किये जाने वाले उन्नत सेंसरों से लैस डोर्नियर विमान ने जीवनरक्षक नौकाओं को ढूढ़ लिया और उसे संकट में फंसे चालक दल की ओर से जीवित रहने संबंधी सूचक लाल रोशनी दिखाई दी।

इसके बाद तटरक्षक जहाजों ने विमान द्वारा निर्देशित स्थान पर जीवनरक्षक नौकाओं को खोज लिया और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद जहाज सारंग और अमोघ ने इन नौकाओं पर सवार 11 नाविकों को बचा लिया।

महिलाओं को सुरक्षित परिवेश देने के लिए त्वरित न्यायालय स्थापित करे बंगाल सरकार: अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नूपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल में बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के अंतर्गत आवंटित त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा है कि राज्य सरकार को महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रविवार को लिखे एक पत्र में कहा कि वर्ष 2019 में राज्य के लिए 123 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये थे, लेकिन जून 2023 तक एक भी न्यायालय आरंभ नहीं किया जा सका। राज्य में 48 हजार 600 से ज्यादा दुष्कर्म और पॉक्सो से संबंधित मुकदमे लंबित है। बाद में राज्य सरकार के अनुरोध पर 17 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये, जिनमें से मात्र छह पॉक्सो न्यायालय आरंभ हो पाये हैं। शेष 11 त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य

सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराने के लिए इस दिशा में शीघ्रता से कदम उठाने चाहिए। इस पत्र की प्रति सोमवार को यहां जारी की गयी।

इससे पहले सुश्री बनर्जी ने महिला सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था और महिलाओं के प्रति अपराध रोकने के लिए एक सख्त केंद्रीय कानून की मांग की थी। पत्र में अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि 30 जून 2024 तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 752 त्वरित विशेष न्यायालय कार्यरत हैं, जिनमें से 409 न्यायालय पॉक्सो के लिए निर्धारित हैं। इनमें दो लाख 53 हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकटापन्न महिलाओं और बच्चों के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 112, 1098 और 1930 पिछले कुछ वर्ष में आरंभ किये गये हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के निवासियों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने संबंधित योजनाओं को लागू ही नहीं किया है।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि एक जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता 2023 पूरे देश में लागू की जा चुकी है जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए उम्र कैद तथा आजीवन कैद और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को संबंधित प्रावधानों और व्यवस्थाओं को लागू करना चाहिए जिससे महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित और भयमुक्त परिवेश उपलब्ध कराया जा सके।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अआर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 27 अगस्त 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 01:35 तक
नक्षत्र : रोहिणी दोपहर 03:38 तक
योग : हर्षण रात्रि 08:30 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:54 तक
चन्द्रराशि : वृषभ उत्तर रात्रि 03:32 तक
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नन्द महोत्सव , गोगानवमी

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भीलवाड़ा में मंदिर के सामने गाय की कटी पूंछ फेंकने से तनाव

पुलिस ने आठ को हिरासत में लिया

भीलवाड़ा,26 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में रविवार को हनुमान मंदिर के बाहर गाय की कटी पूंछ मिलने की घटना ने शहर में तनाव के परिणामस्वरूप सोमवार को हिन्दू संगठनों की पुलिस प्रशासन के साथ वार्ता हुई। इस वार्ता में पुलिस ने आठ संदिग्धों को डिटेन करने की जानकारी दी। इस सूचना के बाद हिन्दू संगठनों ने अपना धरना समाप्त कर दिया, लेकिन शहर में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजन दुष्यंत ने हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वार्ता में बताया कि पुलिस ने मंदिर के आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। इस जांच के आधार पर दो व्यक्तियों के संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के संकेत मिले हैं। कुल आठ लोगों को डिटेन किया गया है। एसपी ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वार्ता के दौरान कलेक्ट्रेट के बाहर हिन्दू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हो गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान, कुछ कार्यकर्ताओं ने गायत्री आश्रम और भवानी नगर के इलाकों में दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया। वार्ता के समाप्त होने के बाद भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी और महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने एकत्र लोगों को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद, गुस्साए युवा कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद करवाने के लिए बस स्टैंड की ओर कूच किया पर पुलिस ने खदेड़ दिया।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी का बयान

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने वार्ता के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है और वह ऐसे कृत्यों को सहन नहीं करेगा। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान के बाद उनके खिलाफ यूपी के बुलडोजर मॉडल की तर्ज पर कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक अशोक कोठारी ने भी शहर में शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन युवा कार्यकर्ताओं की भीड़ अविलंब कार्रवाई की मांग पर अड़ी रही। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने पुलिस से आग्रह किया कि दोषियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी की अपील के बावजूद, कुछ कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद कराने की कोशिश की। इस दौरान, कृषि मंडी के सामने पुलिस ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वे नहीं माने, तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया। इसके बावजूद, भीड़ ने परशुराम सर्किल पर फिर से जुटने का प्रयास किया। इस दौरान, अजमेर रोड पर कुछ तोड़फोड़ की घटनाओं की भी खबरें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि रविवार को बडला चैराहा से भवानी नगर के बीच स्थित वीर हनुमान मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गाय की कटी हुई पूंछ मिली और गाय भी लहूलुहान हालत में पाई गई। इस घटना ने स्थानीय लोग और हिन्दू संगठनों ने मौके पर पहुंचकर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुट गए।

पुलिस प्रशासन ने हिन्दू संगठनों को आश्वासन दिया है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और दोषियों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी राजन दुष्यंत ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद, भीलवाड़ा शहर में तनाव का माहौल है पर स्थिति नियंत्रण में है। जिला कलेक्टर नमित मेहता और पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने सभी पक्षों से शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

सीएम भजनलाल शर्मा पहुंचे महाकाल के दरबार

पत्नी संग किए बाबा के दर्शन

उज्जैन,26 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध महाकाल के दरबार में आज राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शीश नवाया। उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन किया। उनके साथ उनकी पत्नी भी थीं। जानकारी के अनुसार सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपत्निक श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन-पूजन किए। पूजन पुजारी राजेश शर्मा व पुजारी आकश शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

उज्जैन नगर पालिक निगम अध्यक्ष कलावती यादव, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ द्वारा द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा का स्वागत व सम्मान किया गया। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की धर्मपत्नी सीमा यादव आदि भी साथ मे उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री जाधव ने की भस्म आरती

भादो मास के पहले सोमवार को आज विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती में केंद्रीय मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव परिवार समेत शामिल हुए। उन्होंने बाबा महाकाल के दरबार पहुंचकर दर्शन किए और नंदी हॉल से भस्म आरती देखी। इसके बाद चांदी द्वार पर पहुंचकर बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। इस दौरान उनकी पत्नी राजश्री जाधव और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

आठ साल के मासूम को लोहे के पाइप से पीटा, हालत गंभीर

बीकानेर,26 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के देशनोक थाना क्षेत्र में 9 वर्षीय बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। गांव के ही कुछ लड़कों ने मासूम को लोहे के पाइप से पीटा और अधमरा छोड़कर वहां से भाग गए। मारपीट में शामिल सभी लड़के नाबालिग बताए जा रहे हैं।

घायल बच्चे को इलाज के लिए पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। पीड़ित और आरोपी दोनों ही एक ही गांव के निवासी हैं। पीड़ित के परिजनों ने आरोपियों पर यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही देशनोक एसएचओ सुमन शेखावत अपनी टीम के साथ ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं और पीड़ित बच्चे के बयान लेकर जांच शुरू की। एसएचओ सुमन शेखावत ने बताया कि बच्चे के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस दौरान जब बच्चे ने विरोध किया तो उसके साथ लोहे के डंडे और कुल्हाड़ी से मारपीट की गई। परिजनों ने बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाए हैं।

एसएचओ के अनुसार, पीड़ित बच्चे की उम्र महज नौ साल है और उसे घटना के बाद ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। बच्चे को आंख, सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। नाबालिग के साथ हुई इस हैवानियत से परिजन सदमे में हैं।

राजस्थान में बारिश का कहर, दक्षिणी और पूर्वी इलाकों में रेड अलर्ट

जयपुर,26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। मौसम विभाग की तरफ से प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया था। सोमवार को यहां अत्यधिक तेज वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा बारिश प्रतापगढ़ के पीपल खूंट में हुई। इसके अलावा बांसवाड़ा डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, पाली, भीलवाड़ा ओर अजमेर में भी जोरदार बारिश हो रही है। पीपलखूंट में 260 एमएम से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं, बांसवाड़ा में भी 190 एमएम से ज्यादा वर्षा हुई है। दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान से बना डीप डिप्रेशन का क्षेत्र दक्षिण राजस्थान की तरफ बढ़ गया है। इसके अलगे 2 से 3 दिनों में दक्षिण राजस्थान से गुजरात के कच्च-सौराष्ट्र के रास्ते आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है।

इस तंत्र के प्रभाव से आगामी 2 दिन प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी भागों में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अगस्त से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है। इसके चलते 28 अगस्त तक दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

कुरुक्षेत्र में नेशनल हाईवे पर भिड़े दो ट्रक,चालक की मौत

कुरुक्षेत्र,26 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र के शाहाबाद क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर गांव खानपुर जट्टान के पास दो ट्रकों की आपसी भिड़ंत में एक ट्रक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रक का चालक बीच में ही फंस गया और उसे चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हाइड्रा मशीन से निकाला जा सका।

जानकारी के मुताबिक पंजाब के रोपड़ शहर जा रहे एक ट्रक का शाहबाद में नेशनल हाईवे के पास टायर फट गया था, जिसके बाद चालक ने उसको साइड में खड़ा कर दिया। रात करीब 12:30 बजे पानीपत निवासी पिंटू पानीपत से ट्रक में कंबल लोड कर लुधियाना की ओर जा रहा था। उसके ट्रक की सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे से आ रहे ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक पिंटू ट्रक के केबिन में ही फंस गया।

राहगीरों ने हादसे की सूचना डायल-112 पर दी तो पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। तब तक हाईवे पर जाम लग चुका था। पुलिस ने यातायात सुचारू कराया तो वहीं करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बड़ी हाइड्रा मशीनों की मदद से केबिन काटकर पिंटू के शव को बाहर निकाला। ट्रक लेकर रोपड़ जा रहे कमलेश ने बताया कि उनके ट्रक का टायर फट गया था। इसके कारण उन्होंने इंडिकेटर ऑन कर ट्रक को साइड में खड़ा कर दिया था।उसके बाद रात करीब 12 से एक बजे के बीच ये हादसा हो गया।

झगड़े के बाद पति-पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

तीन साल पहले की थी लव मैरिज

करनाल,26 अगस्त (एजेंसियां)। घरौंडा थाना क्षेत्र के कोहंड गांव के अलीपुर रोड पर एक दंपति ने फंदे पर लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात पति-पत्नी के बीच फैक्टरी में काम करने वाले बबलू उर्फ मास्टर को लेकर झगड़ा हुआ था। तंग आकर पत्नी ने कमरे में जाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उसके बाद पति भी घर से फरार हो गया और उसने घर से करीब 100 मीटर दूर अमरूद के पेड़ पर परने से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव ग्रामीणों ने सोमवार सुबह पेड़ पर लटका हुआ देखा।

मृतक की शिनाख्त मध्यप्रदेश के सताना जिले के कचनार गांव निवासी अजय व राधा के रूप में हुई है। मृतक दंपति मां शकुंतला ने बताया कि करीब तीन साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। दोनों कोहंड स्थित अलीपुर रोड पर कालीन फैक्टरी में काम करते थे। आरोप है कि अजय को फैक्टरी में काम करने वाले बबलू उर्फ मास्टर व अपनी पत्नी के बीच अवैध संबंध होने पर शक था। जिसके चलते रोजाना उनकी आपस में लड़ाई झगड़ा होता था लेकिन रविवार को झगड़ा आपस में ज्यादा बढ़ गया तो पत्नी राधा ने तंग आकर कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। वहीं अजय ने भी देर रात को ही घर से 100 मीटर पेड़ में परने से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव सोमवार सुबह मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज करनाल के पोस्टमार्टम में रखवाया।

परिजनों ने बताया कि अजय व राधा का दो साल का बेटा है। उनके चले जाने के बाद उसके सिर से एक साथ मां व पिता का साया उठ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से उनके बच्चे बहुत खुश थे लेकिन मास्टर के कारण उनमें लड़ाई झगड़े होने लगे थे। ऐसे में मास्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

नफे सिंह राठी के बेटे जितेंद्र राठी होंगे बहादुरगढ़ से इनेलो-बसपा गठबंधन उम्मीदवार

झज्जर/बहादुरगढ़,26 अगस्त (एजेंसियां)। इनेलो और बसपा गठबंधन के बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से स्व. नफे सिंह राठी के पुत्र जितेंद्र राठी उम्मीदवार होंगे। इसकी घोषणा रविवार को शहर के गौरेया पर्यटक केंद्र में आयोजित पत्रकारवार्ता में स्व. नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी और परिवार के सदस्यों ने की।बता दें कि इनेलो की बैठक में प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने स्व. नफे सिंह राठी के परिवार को विधानसभा चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बाद परिवार ने आपसी विचार विमर्श कर रविवार को जितेंद्र राठी के नाम की घोषणा की।प्रेसवार्ता के दौरान शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि स्व. नफे सिंह राठी बहादुरगढ़ को विकास की गति प्रदान करना चाहते थे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बहादुरगढ़ में चहुंमुखी विकास कराया था, लेकिन भाजपा सरकार के दौरान कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट होने के कारण नफे सिंह राठी की सरेआम हत्या की दी गई।

6 माह बीत जाने के बाद भी हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। यहां तक कि साजिशकर्ता भी खुलेआम घूम रहे हैं। जितेंद्र राठी ने कहा कि पूरे हरियाणा में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। आज बहादुरगढ़ हलका विकास के मामले में वर्षों पीछे चला गया है। इस मौके पर स्व. नफे सिंह राठी के भतीजे कपूर सिंह राठी, भूपेंद्र राठी, दीपक राठी मौजूद रहे।

इस फूल को तोड़ने के लिए देवताओं से लेनी पड़ती है अनुमति

वरना लगता है दोष! जानें मान्यता

इन दिनों उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में राज्य पुष्प ब्रह्मकमल खिल चुके हैं। ब्रह्मकमल का रीति-रिवाजों और पौराणिक परंपराओं से गहरा संबंध है। सावन के महीने में उत्तरकाशी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हारदूधू मेले के बाद अगस्त से सितंबर तक सेलकू त्योहार मनाए जाते हैं। इस त्योहार की शुरुआत में सबसे पहले ब्रह्मकमल को स्थानीय देवी-देवताओं को अर्पित किया जाता है।

उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ब्रह्मकमल अपनी सुंदरता बिखेर रहा है। इन दिनों हर्षिल और टकनौर क्षेत्र में भी ब्रह्मकमल खिले हुए हैं। ब्रह्मकमल खिलने के साथ ही स्थानीय ग्रामीण ब्रह्मकमल को तोड़कर उत्तरकाशी की गंगा घाटी में सोमेश्वर भगवान को चढ़ाते हैं। स्थानीय लोग आराध्य देवी की पूजा करने के बाद ही हारदूधू मेले में ब्रह्मकमल को तोड़कर देवता को अर्पित करते हैं।

हिमालय में सावन मास के शुरुआत में ब्रह्मकमल खिलना शुरू हो जाते हैं।उत्तराखंड में ब्रह्मकमल का अपना धार्मिक महत्व है। ब्रह्मकमल का धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं से विशेष संबंध है। उत्तरकाशी के विभिन्न हिस्सों में हारदूधू मेले के बाद सेलकू त्योहार अगस्त से लेकर सितंबर तक मनाए जाते हैं। इस समय जब ब्रह्मकमल को तोड़कर लाया जाता है, तब सबसे पहले स्थानीय देवी-देवताओं को ब्रह्मकमल चढ़ाया जाता है और उसके बाद स्थानीय लोग

अपने घरों में पूजा-अर्चना करते हैं और घर में देवी-देवताओं को ब्रह्मकमल चढ़ाते हैं।

उत्तराखंड में ब्रह्मकमल को तोड़कर देवताओं को चढ़ाने की परंपरा पहले से ही रही है। ब्रह्मकमल उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है, जिन्हें तोड़कर लाना एक कठिन और साहसिक काम है। इसलिए लोक मान्यताओं के अनुसार, अगस्त में होने वाले हारदूधू मेले से पहले ग्राम देवता की अनुमति ली जाती है।

उसके बाद देवडोली कुछ लोगों को चयनित कर उन्हें फूल तोड़ने के लिए भेजती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हारदूधू मेले से पहले बिना देव अनुमति के ब्रह्मकमल को नहीं तोड़ा जाता है और जो ऐसा करता है वह देव दोष का भागी होता है, क्योंकि ब्रह्मकमल को देव पुष्प माना जाता है।

एक साथ पहन रखी है तुलसी और रुद्राक्ष की माला

किस तरह करती हैं जीवन को प्रभावित? जानें इससे होने वाले लाभ

हिन्दू धर्म में जितना महत्व तुलसी का है उतना ही रुद्राक्ष का भी है। बहुत से लोग इन दोनों ही माला को एक साथ अपने गले में धारण करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन दोनों माला पहनने से जीवन में कई सारे फायदे होते हैं लेकिन आपने ऐसा कम ही देखा होगा कि कोई तुलसी और रुद्राक्ष की माला एक साथ पहने हो क्योंकि, कई बार मन में ऐसा प्रश्न भी आता है कि क्या इन दोनों माला को एक साथ पहनना चाहिए या नहीं? ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार के अनुसार हम तुलसी और रुद्राक्ष दोनों की ही माला को एक साथ पहन सकते हैं। आइए जानते हैं इससे होने वाले फायदों के बारे में।

जैसा कि आप जानते हैं कि हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र और पूजनीय माना गया है और इसे मां लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। यही नहीं तुलसी को कृष्ण की प्रिय भी माना जाता है। ऐसे में जब आप तुलसी माला को धारण करते हैं तो आप पर मां लक्ष्मी और कृष्ण दोनों की ही कृपा बरसती है।

वहीं रुद्राक्ष को भगवान शिव का प्रतीक माना गया है। ऐसे में जब आप रुद्राक्ष की माला धारण करते हैं तो आपको भगवान शिव की कृपा मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि, रुद्राक्ष की माला पहनने से मानसिक शान्ति मिलती है। साथ ही यह आपके शरीर में सकरात्मक ऊर्जा बनाए रखता है। हालांकि, इन दोनों ही माला को पहनने के कुछ नियम हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है।

देवों के देव महादेव का एक रूप हरिहर के नाम से जाना जाता है। इस रूप में भगवान श्रीहरि यानी कि विष्णु और शिव दोनों ही विराजमान होते हैं। यह एक ऐसा रूप है जिसमें आपको दोनों देवों के दर्शन एक साथ होते हैं और इसलिए इसी रूप के आधार पर आप भगवान विष्णु की प्रिय तुलसी और शिव के प्रतीक रुद्राक्ष की माला को एक साथ पहन सकते हैं।

आखिर किस तिथि पर करना चाहिए माता और पिता का श्राद्ध

सनातन धर्म में पितृपक्ष में तर्पण, पिंडदान करना बेहद ही जरूरी और महत्वपूर्ण होता है । पितृ पक्षों में अपने पितरों का श्राद्ध कर्म करना जरूरी बताया गया है। श्राद्ध पक्ष की नवमी और अष्टमी तिथि बेहद खास बताई गई हैं। धार्मिक ग्रंथ 'गरुड़ पुराण' के अनुसार माता और पिता के श्राद्ध कर्म की एक निश्चित तिथि बताई गई है। आइए जानते हैं इस बारे में।

माता और पिता का श्राद्ध कौन सी तिथि में करें कि उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो इसकी जानकारी लेने के लिए हमने हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री से सवाल किया। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के मुताबिक माता और पिता का श्राद्ध करने के लिए एक निश्चित तिथि होती है। यदि किसी जातक की माता ने अपना पंच भौतिक शरीर पिता से पहले किसी भी तिथि में त्याग किया है तो उनका श्राद्ध कर्म, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड पितृ पक्ष की नवमी तिथि को ही किया जाता है।

यदि उनका श्राद्ध उस तिथि में किया गया है, जिस तिथि में उन्होंने अपना शरीर त्याग किया है तो ऐसी स्थिति में वह प्रेत योनि में भटकती रहती हैं और उन्हें शांति नहीं मिलती है।'गरुड़ पुराण' के अनुसार उन्हें शांति प्रदान करने के लिए उनका श्राद्ध आश्विन माह कृष्ण पक्ष (पितृ पक्ष) की नवमी तिथि को ही किया जाना जरूरी होता है।

पिता का श्राद्ध करने के लिए भी 'गरुड़ पुराण' में एक निश्चित तिथि बताई गई है। पिता का श्राद्ध तर्पण करने के लिए पितृ पक्ष की अष्टमी होती है। पिता का श्राद्ध केवल अष्टमी तिथि को ही किया जाता है। पिता का श्राद्ध कर्म, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड पितृ पक्ष की अष्टमी तिथि को करने से उन्हें शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसा भी कहा जाता है कि माता और पिता का तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड, श्राद्ध कर्म आदि नवमी और अष्टमी तिथि पर करने से ओर कुछ शेष नहीं रह जाता है। जातक पितृ ऋण से मुक्त हो जाता है और माता पिता को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तक होगी पितरों की पूजा

पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है, इस साल सितंबर में शुरू हो रहे हैं। सितंबर में 15 दिन ऐसे होते हैं, जिसमें पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। अपने पूर्वज पितरों के प्रति श्रद्धा भावना रखते हुए आश्विन कृष्ण पक्ष में पितृ- तर्पण और श्राद्ध कर्म करना बहुत जरूरी है।

ज्ञातव्य है कि अपने परिवार में तीन पीढ़ियों तक ही श्राद्ध कर्म किए जाते हैं, उसके बाद श्राद्ध कर्म नहीं किए जाते हैं। स्वास्थ्य, समृद्धि, आयु, सुख- शान्ति, वंशवृद्धि एवं उत्तम सन्तान की प्राप्ति होती है। श्रद्धापूर्वक किए जाने के कारण ही इसका नाम श्राद्ध है।

कहा जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान आदि करने का विधान है। इन 15 दिनों में पितर धरती पर आते हैं और तर्पण को स्वीकार कर जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 17 सितंबर पूर्णिमा के दिन से हो रहा है और इसकी समाप्ति 2 अक्टूबर अमावस्या को होगी।

पितृपक्ष की तिथियां

17 सितंबर 2024, मंगलवार- पूर्णिमा का श्राद्ध
18 सितंबर 2024, बुधवार- प्रतिपदा का श्राद्ध
19 सितंबर 2024, गुरुवार- द्वितीय का श्राद्ध
20 सितंबर 2024, शुक्रवार तृतीया का श्राद्ध
21 सितंबर 2024, शनिवार- चतुर्थी का श्राद्ध
21 सितंबर 2024, शनिवार महा भरणी श्राद्ध
22 सितंबर 2014, रविवार- पंचमी का श्राद्ध
23 सितंबर 2024, सोमवार- षष्ठी का श्राद्ध
23 सितंबर 2024, सोमवार- सप्तमी का श्राद्ध
24 सितंबर 2024, मंगलवार- अष्टमी का श्राद्ध
25 सितंबर 2024, बुधवार- नवमी का श्राद्ध
26 सितंबर 2024, गुरुवार- दशमी का श्राद्ध
27 सितंबर 2024, शुक्रवार- एकादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार- द्वादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार- माघ श्रद्धा
30 सितंबर 2024, सोमवार- त्रयोदशी श्राद्ध
1 अक्टूबर 2024, मंगलवार- चतुर्दशी का श्राद्ध
2 अक्टूबर 2024, बुधवार- सर्वपितृ अमावस्या

इस मंदिर में लक्ष्मी माता के आठ रूप

शास्त्रों में लिखा गया है कि देवतों से ज्यादा शक्तिशाली माता रानी को बताया गया है। हर शख्स अपने जीवन में धन, विद्या, वैभव और शक्ति के लिए माता रानी की आराधना करता है। आज आपको एक से मंदिर के बारें में बताने जा रहे है। चेन्नई के अडयार समुद्र तट पर अष्टलक्ष्मी का सुंदर मंदिर स्थित है। अष्टलक्ष्मी मंदिर लक्ष्मी माता के आठ रूपों को समर्पित है। देवी लक्ष्मी के ये विविध रूप हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।अष्टलक्ष्मी हमें धन, विद्या, वैभव, शक्ति और सुख प्रदान करती हैं। इस मंदिर में लक्ष्मी की आठ अलग-अलग मूर्तियां अलग-अलग तलों पर स्थापित की गई हैं। यहां आदि लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी, विजया लक्ष्मी, संतना लक्ष्मी और धन लक्ष्मी के दर्शन होते हैं। सभी देवियों के मंदिर घडी की सूई की दिशा में आगे बढते हुए दिखाई देते हैं। सबसे अंत में नवम मंदिर है, जो भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का है। इस मंदिर में विष्णु की तुलना में लक्ष्मी को प्राथमिकता दी गई है।

इस मंदिर का निर्माण 1974 में आरंभ किया गया। मुकुर श्रीनिवास वरदचेरियार की अगुवाई में बनी समिति ने इस मंदिर का निर्माण कराया। 5 अप्रैल 1976 से इस मंदिर में विधिवत पूजा आरंभ हुई। मंदिर का डिजाइन ओम के आकार का है। नवरात्रि और गोकुलअष्टमी मंदिर के प्रमुख त्योहार हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु कमल का पुष्प जरूर चढ़ाते हैं। हर लक्ष्मी के लिए लोग अलग-अलग कमल के फूल लेकर जाते हैं। मंदिर के ऊपरी हिस्से से समुद्र का सुंदर नजारा दिखाई देता है।

वहीं समुद्र के तट से मंदिर भी काफी सुंदर नजर आता है। मंदिर का निर्माण तीन मंजिलों में हुआ है। मंदिर के चारों तरफ विशाल आंगन है। इसके परिसर में पूजा सामग्री की दुकान भी है। मंदिर में पूजा का समय सुबह 6।30 बजे से आरंभ होता है। दोपहर 12 बजे मंदिर बंद हो जाता है। फिर शाम को 4 बजे खुलता है और रात के 9 बजे बंद हो जाता है। शुक्रवार से रविवार तक मंदिर दोपहर 1 बजे तक खुला रहता है।

हीरा-मोती, पन्ना-नीलम का बाप है टाइगर स्टोन!

पहनते ही चमक जाती है किस्मत, भर जाती है तिजोरी

ज्योतिष शास्त्र के ग्रहों को मजबूत करने के कई उपायों के बारे में बताया गया है। इसमें रत्न धारण करना बहुत प्रभावी उपाय है। रत्न शास्त्र में मोटे तौर पर नव ग्रहों के लिए 9 रत्नों का उल्लेख किया गया है। लेकिन रत्न शास्त्र में कई उपरत्नों के बारे में भी बताया गया है। यह उपरत्न महंगे रत्नों का विकल्प होते हैं। इनमें से कुछ उपरत्न तो बहुत ही ताकतवर हैं और चमत्कारिक फल देते हैं। ये रत्न और उपरत्न कुंडली के ग्रह दोषों को दूर करते हैं, कमजोर ग्रहों को मजबूत और संतुलित करते हैं।

इससे जीवन की तमाम परेशानियां दूर होती हैं। भाग्य का साथ मिलने लगता है। नौकरी-व्यापार में उन्नति मिलती है, धन-दौलत और खुशियां मिलती हैं। ऐसा ही एक पॉवरफुल रत्न है - टाइगर स्टोन। टाइगर स्टोन पहनते ही किस्मत चमक जाती है।

टाइगर स्टोन पीले और काले रंग की धारियों वाला होता है, जैसी टाइगर के शरीर पर होती हैं इसलिए इसे टाइगर स्टोन कहते हैं। टाइगर स्टोन की खासियत है कि यह बहुत प्रभावशाली होने के साथ-साथ तेजी से फल देता है। टाइगर स्टोन पहनने से कुंडली में सूर्य और चंद्रमा मजबूत होते हैं। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मानसिक शांति मिलती है। उसकी निर्णय क्षमता मजबूत होती है। साथ ही उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलने लगती है।

टाइगर स्टोन मेष, धनु और मीन राशि वाले जातक धारण कर सकते हैं। फिर भी ध्यान रखें कि कोई भी रत्न धारण करने से पहले योग्य ज्योतिषी से सलाह जरूर लें।

रत्न शास्त्र के अनुसार टाइगर स्टोन वृषभ, तुला, मकर, कुंभ और कन्या राशि वाले लोगों को धारण नहीं करना चाहिए, वरना अशुभ फल मिलने लगते हैं। टाइगर स्टोन को किसी भी महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन धारण करना चाहिए। यदि सूर्य को मजबूत करने के लिए टाइगर स्टोन पहन रहे हैं तो शुक्ल पक्ष के किसी भी रविवार को भी यह रत्न धारण कर सकते हैं। वहीं चंद्रमा को मजबूत करने के लिए टाइगर स्टोन धारण कर रहे हैं तो सोमवार का दिन शुभ रहेगा। टाइगर स्टोन को अनामिका उंगली में धारण करना चाहिए।

मंगल देने वाले हैं इन 5 राशि वालों के करियर को रफ्तार

45 दिन में बदलेगा जीवन

26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन मंगल गोचर भी हुआ है। मंगल राशि परिवर्तन करने के लिए मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं। मंगल 45 दिन तक मिथुन राशि में रहेंगे और 5 राशि वालों को करियर में बड़ी कामयाबी देंगे। जानिए किन राशियों के लिए मंगल गोचर बहुत शुभ है।

मेष राशि : मेष राशि के स्वामी मंगल हैं और मंगल का गोचर इस राशि के जातकों के लिए शुभ रहेगा। इन जातकों में साहस और ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी। लेकिन अहंकार को खुद पर हावी ना होने दें। भाई-बहनों से रिश्ते बेहतर होंगे।

वृष राशि : मंगल का राशि परिवर्तन वृषभ राशि के जातकों के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इनकम बढ़ेगी। आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी। आप साहस और उत्साह से लबरेज रहेंगे। बड़ी सफलता मिलना निश्चित है। ध्यान रहे कि क्रोध पर काबू रखें।

कर्क राशि : मंगल का गोचर कर्क राशि वाले लोगों के लिए भी अच्छा रहेगा। आप आत्म-चिंतन करेंगे। आध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। करियर में तरक्की और प्रमोशन मिलने के प्रबल योग हैं।

सिंह राशि : मंगल का राशि परिवर्तन सिंह राशि वालों के लिए कई लाभ दे सकता है। बिगड़े काम भी बनने लगेंगे। अपनों से मनमुटाव था तो दूर होगा। कोई काम पूरा हो सकता है। संबंधों से लाभ होगा।

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों के लिए मंगल का गोचर उनकी रचनात्मकता बढ़ाएगा। आपको करियर में कामयाबी मिलेगी। अटके हुए काम पूरे होंगे। जिन लोगों का मामला कोर्ट में है, उन्हें विजय मिलेगी।

शाम को न करें ये काम, वरना हो जाएंगे कंगाल

शास्त्रों के अनुसार हर घर में लक्ष्मीजी का वास होता है। हर कोई चाहता है कि उनके घर में लक्ष्मीजी की कृपा सदा बनी रहे। इसलिए हर संभव प्रयास करते है। शास्त्रों में शाम का विशेष महत्व बताया गया है। शाम के समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। कुछ से काम है जो शाम के समय करने से लक्ष्मी चली जाती है। आइए जानते हैं उन कामों के बारें में-

* शास्त्रों के अनुसार दिन ढ़लते समय घर में झाड़ू नहीं लगाना चाहिए। सा करने से झाड़ू के साथ अच्छी चीजें घर से बाहर हो जाती हैं और महालक्ष्मी की बहन अलक्ष्मी घर में आ जाती है। यही कारण है कि शाम से पहले ही घर को साफ कर लेना चाहिए।

* शाम को तुलसी के पेड में जल नहीं चढाना चाहिए और न ही उसके पत्ते तोडने चाहिए। अगर संभव हो तो शाम के समय तुलसी को छूना भी नहीं चाहिए। तुलसी में जल डालने का सबसे अच्छा समय सुबह का माना गया है।

* शाम के समय स्त्री का अपमान नहीं करना चाहिए। चाहे वो घर के बाहर हो या घर के अंदर। इस समय स्त्री का अपमान को पाप माना गया है।

* जिन घरों में लोग शाम को सोते हैं वहां लक्ष्मी निवास नहीं करती हैं। इसलिए शाम के समय घर में नहीं सोना चाहिए।

आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे का टीजर रिलीज

यह पैन इंडिया फिल्म 6 भाषाओं में होगी रिलीज

पैन-इंडिया फिल्म आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे का टीजर रिलीज हो गया है. इस फिल्म में कवीश शेट्टी, मेघा शेट्टी, शिवानी सुरवे, विराट मादके, बी सुरेश और अर्जुन कपिकाड़ मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म का निर्देशन सादगारा राघवेंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण विजय कुमार शेट्टी हावरल, दीपक पांडुरंग राणे, रमेश कोठारी और विजय प्रकाश ने किया है. आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे इंडियन फिल्म फैक्ट्री और दीपक राणे फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है. यह फिल्म मराठी, कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी. फिल्म की रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। टीजर में फिल्म की कहानी के कुछ झलकियां दिखाई गई हैं, जिसमें एक्शन, रोमांस और ड्रामा का तड़का लगा हुआ है. फिल्म के कलाकारों के अभिनय भी काफी प्रभावशाली लग रहे हैं. फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे एक ऐसी फिल्म है जो सभी दर्शकों को पसंद आएगी. फिल्म की कहानी काफी रोमांचक है और फिल्म में शानदार एक्शन सीन्स भी हैं। फिल्म की रिलीज की तारीख का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है.ट्रिपल राइडिंग से मशहूर हुईं मेघा शेट्टी और धनवीर के साथ हाल ही में आई कैवा में भी मेघा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

मेघा शेट्टी प्रज्वल देवराज के साथ चीता और विनय राजकुमार के साथ ग्रामायण में काम कर रही हैं। मुख्य भूमिका निभाने वाले कवीश शेट्टी ने इस एक्शन थ्रिलर की कहानी भी लिखी है। ऐसा कहा जाता है कि कवीश फिल्म में एक नक्सली की भूमिका निभा रहे हैं, जो किसी कारण से सिस्टम के खिलाफ लड़ता है। इस एक्शन थ्रिलर में एक प्रेम कहानी भी है।अगुम्बे, चिक्कामगलुर और होन्नावारा के घने जंगलों में फिल्माई गई यह फिल्म एक इंटेंस ड्रामा है और इसमें एक लव एंगल भी जुड़ा हुआ है।

ऑपरेशन लंदन कैफे के बाद इसमें हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस शामिल हैं। कंटारा फेम के अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने 2022 में लॉन्च होने पर फिल्म के टाइटल पोस्टर का अनावरण किया था। उन्होंने अपने दोस्त सदागरा राघवेंद्र को निर्देशक के रूप में उनके डेब्यू के लिए शुभकामनाएं दी थीं।

वॉर 2 में ऋतिक का एंट्री सीन दर्शकों की धड़कनें कर देगा तेज

फिल्म को लेकर आई दिलचस्प जानकारी

वॉर 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, लेकिन इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी ज्यादा उत्साह है। यशराज स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋ तिक के साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है। यही वजह है कि दक्षिण भारत के लोगों को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 का फिल्मांकन काफी समय पहले शुरू किया जा चुका है। हालांकि, निर्माता बहुत हद तक शूटिंग से जुड़ीं चीजों को गोपनीय रखने में कामयाब रहे हैं। इस बीच हाल ही में इस फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में ऋतिक रोशन का एंट्री सीन कुछ ऐसा होगा जो दर्शकों की सांसें रोक देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक जापानी मठ में एक खतरनाक खलनायक के साथ तलवारबाजी करते नजर आएंगे। पहले खबर थी कि ऋतिक शाओलिन मंदिर में एक एक्शन सीन करेंगे, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में यह उनका इंट्रोडक्शन सीक्वेंस होगा। इस सीन को मार्च में शूट किया जा चुका है। इसकी परिकल्पना निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने मिलकर की है। इसके लिए मुंबई के अंधेरी में वाईआरएफ स्टूडियो में एक विशाल सेट का निर्माण किया गया था। फिल्म म ेंइस मठ को पहाड़ की चोटी पर दिखाया जाएगा।रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन ने न केवल हफ्तों तक मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लिया, बल्कि जापानी तलवार कताना चलाना भी सीखा। इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि वॉर के गाने जय जय शिव शंकर की तरह फिल्म के सीक्वल में भी एक गाना होगा, जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक थिरकते हुए दिखेंगे।

अजित कुमार के प्रशंसकों को बड़ा तोहफा, जारी हुआ गुड बैड अग्ली का नया पोस्टर

अजित कुमार वर्तमान में कुछ चर्चित आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। इनमें विदामुयार्ची और अधिक रविचंद्रन की गुड बैड अग्ली शामिल हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, स्टाइलिश स्टार गुड बैड अग्ली के लिए अपने सिग्नेचर ऑनस्क्रीन लुक और स्टाइल से ब्रेक लेने के लिए तैयार हैं, जिसे एक अनोखी एक्शन फिल्म माना जा रहा है। जैसे ही अजित कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री में 32 साल पूरे किए, निर्देशक अधिक रविचंद्रन और टीम ने सोशल मीडिया पर अपने आगामी प्रोजेक्ट का एक नया पोस्टर जारी करके विशेष अवसर का जश्न मनाया।अजित कुमार वर्तमान में कुछ चर्चित आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। इनमें विदामुयार्ची और अधिक रविचंद्रन की गुड बैड अग्ली शामिल हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, स्टाइलिश स्टार गुड बैड अग्ली के लिए अपने सिग्नेचर ऑनस्क्रीन लुक और स्टाइल से ब्रेक लेने के लिए तैयार हैं, जिसे एक अनोखी एक्शन फिल्म माना जा रहा है। जैसे ही अजित कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री में 32 साल पूरे किए, निर्देशक अधिक रविचंद्रन और टीम ने सोशल मीडिया पर अपने आगामी प्रोजेक्ट का एक नया पोस्टर जारी करके विशेष अवसर का जश्न मनाया।अजित कुमार के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर उत्साहित निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 32 साल की यात्रा क्या है, जो दिन-प्रतिदिन हममें से लाखों लोगों को प्रेरित करती है, मेरे सर... लव यू माय सर। प्रोडक्शन बैनर मैत्री मूवी मेकर्स की टीम के सदस्यों ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, अजित कुमार के 32 साल। टीम गुड बैड अग्ली आपको और भी कई वर्षों की महिमा की शुभकामनाएं देती है।नए पोस्टर में अजित सॉल्ट एंड पेपर हेयरस्टाइल, स्टाइलिश धूप का चश्मा, सोने के आभूषण और कुछ दिलचस्प टैटू बनाए नजर आ रहे हैं, जो संकेत देता है कि फिल्म स्टार के प्रशंसकों के लिए एक अनोखा अनुभव होने वाली है। कथित तौर पर अजित कुमार गुड बैड अग्ली के लिए नयनतारा के साथ फिर से जुडऩे के लिए तैयार हैं।

निकिता दत्ता ने खूबसूरत ऑरेंज रंग के लहंगे में चुरा ली सारी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ऑरेंज कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता के चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। हालांकि फैंस की भी नजरें उनकी तस्वीरों से हटने का नाम नहीं ले रही है।

जन्नत जुबैर का हुआ मेकओवर, बदला बालों का रंग

सोशल मीडिया सनसनी और अभिनेत्री जन्नत जुबैर ने अपने बालों का रंग बदला है।जन्नत ने इंस्टाग्राम पर अपने नए बालों के रंग को दिखाते हुए और कल्कि फैशन लेबल की फ्लोर-स्वीपिंग ड्रेस पहने हुए कई तस्वीरें शेयर की।उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए बाल, यह कौन है? वह वर्तमान में शो लाफ्टर शेफ फन लिमिटेड में नजर आ रही हैं, जहां वह कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, एली गोनी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अर्जुन बिजलानी, निया शर्मा, सुदेश लहरी जैसे नामों के साथ हैं। शो की होस्ट भारती सिंह हैं और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं।उन्होंने 2008 में चांद के पार चलो से अभिनय शुरू किया। इसके बाद उन्होंने काशी-अब ना रहे तेरा कागज कोरा, फुलवा, भारत का वीर पुत्र-महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में अभिनय किया। उन्हें स्टंट शो फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 12 में देखा गया, जहां वह चौथे स्थान पर रहीं।उन्होंने दिलराज ग्रेवाल के साथ कुलछे छोले से पंजाबी फिल्म में डेब्यू किया। अभिनेत्री को फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया गया।इस महीने की शुरुआत में सीनियर एक्टर धर्मेंद्र ने उनकी पंजाबी व्यंजन की सराहना की।जन्नत अक्सर लाफ्टर शेफ के सेट से जुड़े मोमेंट्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।

रिजर्व पुलिस लाइन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

यूपी पुलिस ने हानि-लाभ की चिंता के बिना कर्म को प्रधान माना: सीएम योगी

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने हानि-लाभ की चिंता के बिना कर्म को प्रधान माना। जिस पुलिस व प्रदेश को सबसे फिसड्डी मान लिया गया था। आज वह देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। कानून व्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। अब प्रदेश में हर ओर सुख, शांति व सद्भावना है। प्रदेश के सभी 1585 थानों, 75 पुलिस लाइंस, 90 से अधिक जेलों में भव्यता से यह आयोजन हो रहा है, लेकिन 10 साल पहले यह संभव नहीं था। सरकारें डरती थीं कि आयोजन करेंगे तो क्या लाभ होगा।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइंस में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। सीएम ने दीप प्रज्ज्वलन व भगवान श्रीकृष्ण के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लिया। सीएम ने कहा कि श्रीमद्भगवतगीता में भगवान श्रीकृष्ण भी अर्जुन से यही कहते हैं कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन... हे अर्जुन, तुम कर्म करो, फल की चिंता न करो। उन्होंने कहा कि हम अक्सर कर्म से पहले लाभ-हानि की चिंता करते हैं। ऐसा करने से हम उसके पुण्य से वंचित हो जाते हैं। अच्छा करेंगे तो अच्छा होगा, बुरा करेंगे तो पाप से कोई मुक्त नहीं कर सकता। लोककल्याण का कार्य किया है तो उसके पुण्य से कोई ताकत वंचित नहीं कर सकती। कर्म की प्रेरणा महत्वपूर्ण है।

सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण श्री हरि विष्णु के पूर्व अवतार के रूप में मान्य हैं। यह वर्ष भारत के शास्त्रों की मान्यता के अनुसार लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के 5251वें जन्मोत्सव का है। उनकी लीलाओं का क्रम जन्म से ही प्रारंभ हुआ। इस धराधाम पर 125 वर्ष 8 महीने व्यतीत करने के बाद अपनी लीला को उन्होंने विश्राम दिया। अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लंबे समय तक उनकी लीलाओं को हम लोग प्रमाण के रूप में प्रयोग करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवतगीता दुनिया का एकमात्र ऐसा पावन ग्रंथ है, जिसका अमर ज्ञान उन्होंने युद्ध भूमि में अर्जुन को दिया। घर-घर में ग्रंथ के रूप में श्रीमद्भगवतगीता की हम लोग पूजा करते हैं तो भारत की न्यायपालिका भी उस ग्रंथ के प्रति उतनी ही श्रद्धा का भाव रखती है, जितना सनातन धर्मावलंबी रखता है।

श्रीमद्भगवतगीता को मोक्ष ग्रंथ भी माना गया है। सीएम योगी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में चार महत्वपूर्ण पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) हैं। आधारशिला धर्म से प्रारंभ होती है। वह कर्मों के माध्यम से अर्थ का उपार्जन करता है। जब कामनाओं की सिद्धि में उसका उपभोग करता है तो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। यह सामान्य मान्यता है, लेकिन श्रीमद्भगवतगीता के महत्वपूर्ण उपदेश आज भी हर भारतवासी को नई प्रेरणा प्रदान करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के मुख्य समारोह में पीएम ने कहा था कि हमें अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना के मुताबिक कार्य करना है यानी 2047 की जो पीढी होगी, उसे हम विकसित भारत देंगे। जहां हर चेहरे पर खुशहाली होगी। कहीं दुख, दरिद्रता, अराजकता, गुंडागर्दी नहीं होगी। हर हाथ को काम और हर खेत को पानी होगा। इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ेंगे। 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की बात कही। पंचप्रण में सबसे महत्वपूर्ण प्रण नागरिक कर्तव्य है। सीएम योगी ने कहा कि हर नागरिक के अपने कर्तव्य भी होंगे। हर कोई अधिकार की बात करता है,लेकिन कर्तव्यों की चर्चा नहीं करता। जीवन में सफलता के लिए समाधान का मार्ग अपनाइए। जब लक्ष्य समाधान होगा तो सफलता प्राप्त होगी। जब समस्या पर चिंतन करेंगे तो दस बहाने मिल जाएंगे। टालमटोल से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। समाधान के लिए बहाना नहीं, बल्कि परिश्रम, कर्म और पुरुषार्थ चाहिए। श्रीमद्भगवतगीता जैसा ग्रंथ कर्म की प्रेरणा देता है। प्रभु ने कुरुक्षेत्र में आमने-सामने खडी लाखों सेनाओं के बीच यही संदेश दिया। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसने धर्म व कर्म की प्रेरणा दी। उसका उपदेश रणभूमि में दिया गया है। यह उपदेश कर्म का है। कर्म के बिना धर्म, अर्थ व कामनाओं का साधन पूर्ण नहीं हो सकता है। न ही मुक्ति प्राप्त हो सकती है। भारतीय मनीषा ने हमेशा कर्म को प्रधानता दी है।

सीएम ने कहा कि हमारे मन में विरासत के प्रति गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। विरासत का सम्मान करते हुए विकास को बढ़ाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर कोई अपने क्षेत्र में नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करे। हमारे सामने लक्ष्य होना चाहिए कि मेरा हर कर्म देश के नाम होगा। देश के लिए सब कुछ समर्पित करूंगा, इस भाव के साथ कार्य करेंगे तो प्रभु की कृपा बनी रहेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, मुख्य सचिव मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

योगगुरु स्वामी रामदेव ने की सीएम योगी से शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ के संस्थापक, विश्व विख्यात योगगुरु स्वामी रामदेव ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर काफी भाव विह्वल नजर आए।

सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर पहुंचे स्वामी रामदेव ने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से शिवावतार भगवान गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। दंडवत होकर श्रद्धा निवेदित की। इसके बाद वह राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की समाधि स्थल पर गए और ब्रह्मलीन महंत जी की प्रतिमा के समक्ष मत्था टेककर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने रात में ही गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव ने गोरक्षपीठाधीश्वर को प्रणाम करने के बाद गुलाब के फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सीएम योगी ने भी पुष्प गुच्छ देकर स्वामी रामदेव का स्वागत किया। मंदिर का परंपरागत प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से योग, सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण के मुद्दों पर विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी रामदेव को अपने गुरुदेव की स्मृति में तीन खंडों में संकलित ग्रंथ राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ की प्रतियां भेंट कीं।

सरकारी स्कूल में नमाजी टोपी पहने बच्चे कर रहे पढ़ाई

शिक्षिका बड़ी बदतमीजी से पोंछ देती है हिंदू छात्रों का तिलक

बिजनौर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के एक सरकारी स्कूल में मुस्लिम छात्रों का नमाजी टोपी पहन कर पढ़ाई करते हुए वीडियो वायरल होने के बाद बवाल मचा हुआ है। आरोप है कि टोपी लगा कर स्कूल आने का फरमान उन्हें उनके ही स्कूल के एक मुस्लिम टीचर ने सुनाया है।

इन बच्चों को जुमे के दिन यानी शुक्रवार को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए भी ले जाया जाता है। बताया यह भी जा रहा है कि इसी स्कूल में हिंदू बच्चों को तिलक लगा कर आने पर टोका भी गया है। एक शिक्षिका ने बड़ी बदतमीजी से हिंदू छात्रों का तिलक पोंछ दिया। जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस पूरे मामले में जांच के आदेश दिए है।

यह मामला बिजनौर जिले के बनेड़ा स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय का है। यहां पढ़ने वाले कुछ हिंदू छात्रों ने शिकायत की है कि जब वो स्कूल में तिलक लगा कर गए तो उसे पोंछ दिया गया। यह आरोप स्कूल की टीचर आएशा पर लगा है। मयंक नाम के छात्र का यह भी कहना है कि जब उन्हीं के कई मुस्लिम सहपाठी नमाजी टोपी पहन कर स्कूल आते हैं तो उनको कोई नहीं रोकता। कुछ अन्य हिंदू बच्चों के परिजनों की भी यही शिकायत है।

इस मामले के सामने आने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपत्ति दर्ज की है। आरएसएस के खंड कार्यवाह रोहित ने बताया कि स्कूल के कुछ छात्र उनकी शाखा में भी आते है।

इन बच्चों ने यहां खुद को स्कूल टीचर आएशा के दोहरे भेदभाव से पीड़ित बताया। बकौल रोहित स्कूल के कुछ मुस्लिम छात्रों को तो स्कूल टाइम में ही जुमे (शुक्रवार) के दिन पास की एक मस्जिद में भी नमाज के लिए ले जाया जाता है। रोहित ने इस पूरे मामले की जांच और कार्रवाई की मांग उठाई है।

इस मामले में स्कूल के प्रिंसिपल का भी बयान सामने आया है। उन्होंने माना कि स्कूल में नमाजी टोपी लगा कर आना सही नहीं है। बकौल प्रिंसिपल स्कूल के मुस्लिम टीचर ही अपने समुदाय के छात्रों को टोपी पहन कर आने के लिए कहते हैं। प्रिंसिपल ने यह स्वीकार किया कि शुक्रवार के दिन मुस्लिम छात्र पास की मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जाते हैं।

ये बच्चे स्कूल के मुस्लिम टीचरों के साथ मस्जिद में जाते हैं। प्रिंसिपल ने बताया कि उन्होंने तमाम सीनियर अधिकारियों को इसकी सूचना भेज दी है।

इस मामले में बिजनौर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) का भी बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि मिली शिकायत का संज्ञान ले लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। बकौल बीएसए, जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सरकारी जमीन कब्जा कर बना दी मस्जिद और मदरसा

कोर्ट ने तत्काल अतिक्रमण ध्वस्त करने का आदेश दिया

फतेहपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में कोर्ट ने सरकारी जमीन पर बनी एक मस्जिद को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया है। इस मस्जिद का नाम मदीना मस्जिद है जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग वक्फ बोर्ड में रजिस्टर्ड बताते आ रहे थे। हिंदू संगठनों ने इस मस्जिद को अवैध बताते हुए लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ी। कोर्ट ने मस्जिद की पैरवी कर रही कमिटी पर जुर्माना भी ठोका है।

यह मस्जिद बिंदकी क्षेत्र के मलवां कस्बे में लगभग 20 साल पहले बनी थी। शुरुआत में इसका आकर काफी छोटा था जो धीरे-धीरे बढ़ाया जाता रहा। वर्तमान में यह मस्जिद कस्बे और आसपास की सबसे बड़ी मस्जिदों में शुमार की जाने लगी थी। साल 2005 से हिंदू संगठनों ने इस मस्जिद को अवैध बताते हुए लम्बी लड़ाई जमीन से ले कर कोर्ट तक लड़ी थी।

उनका आरोप था कि मदीना नाम की इस मस्जिद को ग्राम समाज की सरकारी भूमि को कब्जा कर के बनवाया गया है। आरोप यह भी है कि इस मस्जिद के साथ मदरसा भी बनवा दिया गया था।

हालांकि, मुस्लिम पक्ष इन आरोपों से लगातार इन्कार करता रहा। मस्जिद की पैरवी वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमिटी कर रही थी। इस कमिटी की तरफ से हैदर अली कोर्ट में पेश हो रहे थे। हिंदू संगठन की तरफ से बिंदकी तहसीलदार की कोर्ट में केस दायर किया गया था। अपने जवाब में मस्जिद कमेटी ने बताया कि 20 साल पहले मदीना मस्जिद पट्टे पर दी गई जमीन पर बनी थी। हैदर अली ने कोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए हिंदू संगठन के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया था।

तहसीलदार की अदालत ने दोनों पक्षों सुनवाई का मौका दिया। कोर्ट ने क्षेत्रीय लेखपाल से आख्या मंगवाई।

इस आख्या में साबित हुआ कि मस्जिद अवैध कब्जा कर के बनाई गई थी। अवैध कब्ज़े का यह दायरा लगभग 4 बिस्व बताया गया है। आखिरकार 22 अगस्त को कोर्ट ने मलवां कस्बे की मदीना मस्जिद को सरकारी जमीन पर बना करार दिया। तहसीलदार की कोर्ट ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो सरकारी भूमि पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करें। साथ ही पुलिस को कार्रवाई के दौरान पूरी सुरक्षा मुहैया करवाने के निर्देश भी दिए।

तहसीलदार अचलेश सिंह की कोर्ट ने अपने आदेश में मस्जिद कमेटी को 65,500 रुपए जुर्माना भी भरने का आदेश दिया है। हालांकि वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली ने इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में जाने की बात कही है। बताते चलें कि इसी साल 21 जुलाई को फतेहपुर में हिंदू संगठनों ने पंचायत कर के मदीना मस्जिद पर जल्द फैसला देने की मांग की थी। तब जिलाधिकारी ने मामले को 15 दिनों में निस्तारित करवाने का आश्वासन दिया था।

सरकारी स्कूल में मदरसा चला रहे मौलाना को पुलिस ने दबोचा

मौलाना के दो गुर्गे भी गिरफ्तार

सोनभद्र, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक सरकारी स्कूल में मदरसे वाली पढ़ाई कराए जाने का मामला सामने आया है। इस स्कूल की तरफ जाने वाले रास्ते को भी बांस-बल्ली लगा कर रोक दिया गया था। इस मामले में एक मौलाना सहित कुल 3 लोगों को नामजद किया गया है। शुक्रवार 24 अगस्त को पुलिस ने केस दर्ज कर के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में मौलाना जहीरुद्दीन, जमशेर और साबिर हुसैन हैं। स्कूल के सहायक अध्यापक अमीन अहमद अंसारी को निलंबित कर दिया गया है।

घटना सोनभद्र के थाना क्षेत्र कोन की है। यहां के क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) मेंबर सोमारू पटेल ने बताया कि ग्राम पंचायत बरवाखाड़ इलाके में बने प्राथमिक विद्यालय में पिछले 15 दिनों से छुट्टी है। आरोप है कि इस छुट्टी में बंद पड़े स्कूल की चाबी प्रिंसिपल ने मौलाना जहीरुद्दीन को दे दी। जमीरुद्दीन इस स्कूल में मदरसे की तर्ज़ पर मुस्लिम बच्चों को उर्दू सहित अन्य इस्लामी किताबें पढ़ाने लगा और दीनी तालीम देना शुरू कर दिया।

जब इसकी जानकारी अन्य ग्रामीणों हुई तो उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। इस स्कूल के सहायक अध्यापक अमीन अंसारी हैं जिन पर आरोप है कि उन्होंने यहां की चाबी मौलाना को दे दी थी। सोमारू पटेल ने अमीन अंसारी को ऐसा करने से रोका तो आसपास के कुछ मुस्लिमों ने बांस और बल्ली लगा कर स्कूल का रास्ता ही रोक दिया। आरोप है कि रास्ता रोकने वालों ने कहा कि अगर मदरसा नहीं चला तो परिषदीय स्कूल भी नहीं चलने दिया जाएगा। शुक्रवार को जब बच्चे स्कूल पहुंचे तो उन्हें रास्ता बंद मिला।

मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के सदस्य भी स्कूल पहुंचने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रास्ते में लगाए गए अवरोध को हटवाया और फिर तहरीर ले कर जांच शुरू कर दी। स्कूल में मदरसा चला रहे मौलाना जहीरुद्दीन के साथ रास्ते को रोकने के आरोप में साबिर हुसैन और जमशेर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196, 285 और 121 (1) के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं शिक्षा विभाग ने आरोपित सहायक अध्यापक अमीन अहमद अंसारी को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस और शिक्षा विभाग इस मामले की जांच करवा रहा है।

जन्माष्टमी पर योगी ने किया दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण

सावधान रहें और एकजुट रहें अगर बटेंगे तो कटेंगे: योगी

आगरा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा में जन्माष्टमी के अवसर पर सीएम योगी ने दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण किया। ताजगंज के पुरानी मंडी चौराहे पर राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उन्होंने कहा कि आगरा के कण-कण में कन्हैया का वास है। यहां कला है, आस्था है, समर्पण है, विश्वास है। यही राष्ट्र निष्ठा बढ़ाती है।

सीएम योगी ने कहा कि समाज, जाति, भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। दुर्गादास राठौर का यही संकल्प था। सबसे बड़ी सत्ता के सामने जमींदारों के लिए घुटने टेक दिए थे। उनका कोई नाम लेने वाला नहीं है। दुर्गादास का नाम मारवाड़, एमपी में अमर हैं। हमें महापुरुषों का नाम याद रखना होगा। विधायक डॉ. धर्मेश आए थे, 13 को आना था, पर अब आ पाया। 10 साल से मूर्ति मेरा इंतजार कर रही थी। जिस दिन कृष्ण आए, उस दिन लोकार्पण हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश से सबक सीखिए, एक रहना है। बंटना नहीं है। बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।

मायावती ने भाजपा को सराहा, कांग्रेस की मंशा पर उठाए सवाल

1995 में कहां थे, जब सपा ने कराया था हमला?

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर एससी-एसटी आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। मायावती ने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र कर सपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। बसपा सुप्रीमो ने कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। मायावती ने आरोप लगाया कि केंद्र में सरकार होते हुए भी कांग्रेस ने अपना दायित्व नहीं निभाया था। इस दौरान मायवती ने भाजपा की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें बचाया था।

मायावती ने कहा, सपा जिसने 2 जून 1995 में बीएसपी द्वारा समर्थन वापसी पर मुझ पर जान-लेवा हमला कराया था तो इस पर कांग्रेस कभी क्यों नहीं बोलती है? जबकि उस दौरान केंद्र में रही

कांग्रेसी सरकार ने भी समय से अपना दायित्व नहीं निभाया था।

तभी फिर मान्यवर कांशीराम जी को अपनी बीमारी की गम्भीर हालत में भी हॉस्पिटल छोड़कर रात को इनके गृह मंत्री को भी हड़काना पड़ा था तथा विपक्ष ने भी संसद को घेरा, तब जाकर यह कांग्रेसी सरकार हरकत में आई थी। क्योंकि उस समय केंद्र की कांग्रेसी सरकार की भी नीयत खराब हो चुकी थी, जो कुछ भी अनहोनी के बाद यहां यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाकर, पर्दे के पीछे से अपनी सरकार चलाना चाहती थी, जिनका यह षड़यंत्र बीएसपी ने फेल कर दिया था। मायावती ने कहा, उस समय सपा के आपराधिक तत्वों से भाजपा सहित समूचे विपक्ष ने मानवता व इंसानियत के नाते मुझे बचाने में जो अपना दायित्व निभाया है तो इसकी कांग्रेस को बीच-बीच में तकलीफ क्यों होती रहती है, लोग सचेत रहें। इसके इलावा, बीएसपी वर्षों से जातीय जनगणना के लिए पहले केंद्र में कांग्रेस पर और अब भाजपा पर भी अपना पूरा दबाव बना रही है, जिसकी पार्टी वर्षों से इसकी पक्षधर रही है तथा अभी भी है। लेकिन जातीय जनगणना के बाद, क्या कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों का वाजिब हक दिला पाएगी? जो एससी/एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर को लेकर अभी भी चुप्पी साधे हुए है, जवाब दे।

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराकर सीरीज अपने नाम की

गयाना, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ और रोमारियो शेफर्ड ने धातक गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम की बल्लेबाज को ढ़हा दिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए शाई होप के 41 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 179 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लिजार्ड विलियम्स ने तीन और पैट्रिक क्रूगर ने दो विकेट लिए। ओटेनिल बार्टमैन को एक विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 19.4 ओवरों में 149 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस मैच में शीर्ष क्रम के आउट होने के बाद बाकि बल्लेबाज विफल रहे। शेफर्ड ने ऊपरी क्रम जबकि जोसेफ ने निचले क्रम को धवस्त कर दिया। स्पिनर अकीला हुसैन ने बीच के ओवरों में विरोधी टीम पर अंकुश लगाये रखा।

180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की ओर से रयान रिकलटन और रीजा हैंड्रिक्स की सलामी जोड़ी ने तेजी से शुरुआत की। इन दोनो ने पांच ओवरों के अंदर ही करीब 60 रनों से ऊपर स्कोर पहुंचा दिया। तीभी जोसेफ ने रिकलटन को आउट कर पहला विकेट लिया। वहीं अगले ही ओवर में शेफर्ड ने हैंड्रिग्स को आउट कर दिया। रिकलटन ने 20 रन बनाए जबकि हैंड्रिग्स ने 44 रन बनाये। ।

कप्तान एडेन मार्करम 19 रन बनाकर शेफर्ड का शिकार बने। युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को भी अकीला ने शुरुआत में ही 28 रनों पर आउट कर दिया। इसके बाद अकीला ने ही रासी वान डर डुसैं को आउट कर साउथ अफ्रीका का छठा विकेट गिरा दिया। इसके बाद मेहमान टीम वापसी नहीं कर पायी। जोसेफ और शेफर्ड ने तीन-तीन विकेट लिए। अकीला ने भी दो विकेट लिए। इसके बाद मैथ्यू फोर्ड और गुडकेश मोती को एक-एक विकेट मिला।

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की ओर से किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया। टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन शाई होप ने बनाए। होप ने एलिक एथानेज के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। एथानेज 28 रन बनाकर आउट हुए। निकोल पूरन ने 19 रन जबकि रोस्टन चेज ने केवल सात रन ही बनाये।

न्यूज ब्रीफ

संन्यास की घोषणा के बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल हुए शिखर धवन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के कुछ ही दिन बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में शामिल हो गए हैं। आधुनिक समय के सफेद गेंद के महान खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने वाले धवन अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। एलएलसी की एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से धवन ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल होने को लेकर कहा, लेजेंड्स लीग क्रिकेट के साथ इस नए अध्याय को शुरू करना मेरी सेवानिवृत्ति के बाद आदर्श प्रगति जैसा लगता है। मेरा शरीर अभी भी खेल की मांगों के लिए तैयार है। और जबकि मैं अपने निर्णय के साथ सहज हूं, क्रिकेट मेरा अभिन्न अंग है, यह मुझसे कभी नहीं छूटेगा, मैं अपने क्रिकेट मित्रों के साथ फिर से जुड़ने और नई यादें बनाते हुए अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हूं। शिखर के करियर में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां शामिल हैं। वह 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने। उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.1 के प्रभावशाली औसत, टी20ई में 27.92 और 91.35 के स्ट्राइक रेट के साथ 6,793 से अधिक रन बनाए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग में उनके योगदान ने एक क्रिकेट आइकन के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है। एक दशक से अधिक के अपने करियर में उन्होंने 269 मैच खेले और 40 की औसत से 10, 867 रन बनाए। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक रमन रहेजा ने लीग में धवन का स्वागत करते हुए कहा, हम शिखर धवन को हमारे साथ जोड़कर रोमांचित हैं।

चिकनगुनिया के प्रभाव से उबरने के लिए एचएस प्रणय ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने सोमवार को कहा कि वह अपने शरीर को चिकनगुनिया के प्रभाव से पूरी तरह से उबारने के लिए खेल से ब्रेक ले रहे हैं, जिसने पेरिस ओलंपिक में उनके प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। 32 वर्षीय, 2022 थॉमस कप खिताब विजेता और विश्व और एशियाई खेलों के कांस्य-पदक विजेता, मच्छर जनित वायरल बीमारी चिकनगुनिया से एक सप्ताह तक जूझने के कारण पेरिस ओलंपिक में सुस्त हो गए थे। इस बीमारी में जोड़ों में गंभीर दर्द होता है। प्रणय ने एक्स पर लिखा, दुर्भाग्य से, चिकनगुनिया से लड़ाई ने मेरे शरीर पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है, जिससे मुझे लगातार दर्द हो रहा है जिससे मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा, अपनी टीम के साथ सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आगामी कुछ टूर्नामेंटों से हटने का फैसला किया है। इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आपकी समझ और समर्थन के लिए धन्यवाद। मैं और मजबूती से वापसी करूंगा।

पाकिस्तान चैंपियंस कप : टीमों के मेंटर नियुक्त किए गए वकार यूनिस, मिस्बाह सकलैन, सरफराज और शोएब मलिक

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वकार यूनिस को तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के मेंटरों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि यूनिस, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और शोएब मलिक के साथ चैंपियंस कप में मेंटर के रूप में काम करेंगे, जो 12 सितंबर से फैसलाबाद में शुरू होगा। पीसीबी ने एक बयान में कहा, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद, शोएब मलिक और वकार यूनिस को एक पारदर्शी और मजबूत भर्ती प्रक्रिया के बाद तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के मेंटर के रूप में पुष्टि की गई। उनकी टीमों और टीमों के नामों की उचित समय पर पुष्टि की जाएगी। पाकिस्तान की नई घरेलू प्रतियोगिता में मेंटर के रूप में नियुक्ति से पहले, यूनिस ने क्रिकेट मामलों पर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकार के रूप में कार्य किया। पांच चैंपियंस कप टीम के मेंटर्स ने 1,621 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें कुल 32,780 रन बनाए हैं और 1,503 विकेट लिए हैं। सरफराज और शोएब दो बार आईसीसी इवेंट विजेता हैं, मिस्बाह एक बार आईसीसी इवेंट विजेता और एसीसी एशिया कप 2012 विजेता कप्तान हैं, जबकि सकलैन और वकार 1999 विश्व कप फाइनल में खेलने वाली टीम के सदस्य थे।

सिलेसिया डाइमंड लीग में डुप्लांटिस ने किया कमाल

6.26 मीटर के साथ साल में तीसरी बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

· सिलेसिया, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

अर्मेंड डुप्लांटिस ने पोलैंड में सिलेसिया डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान 6.26 मीटर के प्रयास के साथ पोल वॉल्ट में एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड बनाया। लुईसियाना में जन्में 24 साल के डुप्लांटिस अपनी मां के देश स्वीडन की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हैं। डुप्लांटिस ने अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का सुधार किया। डुप्लांटिस ने इस साल तीसरी बार विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में 6.25 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीतने के दौरान पिछला विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

डुप्लांटिस का पहला विश्व रिकॉर्ड भी फरवरी, 2020 में पोलैंड में आया था। उन्होंने कहा- सब कुछ बस मुझे ऐसा करने की अनुमति देने के लिए एक साथ आया। मुझे पता है कि बहुत से लोग मुझे कूदते हुए देखने के लिए यहां आए थे, इसलिए मैं उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। इस साल मैंने ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित किया, रिकॉर्ड स्वाभाविक रूप से आया क्योंकि मैं अच्छी स्थिति में था। इसलिए मैं आज के रिकॉर्ड से हैरान नहीं हूं, लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं।

इंगेब्रिग्त्सेन का प्रदर्शन शानदार रहा

वहीं, इसी साल अपना 1500 मीटर ओलंपिक खिताब गंवाने वाल इंगेब्रिग्त्सेन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने पेरिस में 5,000 मीटर का खिताब जीता था। सिलेसिया डाइमंड लीग में 3000 मीटर दौड़ में इंगेब्रिग्त्सेन ने 7 मिनट 17.55 सेकंड का समय निकाला और पहले स्थान पर रहे। उन्होंने आश्चर्य में अपने हाथों को अपने चेहरे पर रखकर खुशी जाहिर की। नार्वे के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने केन्या के डेनियल कोमेन के 28 साल के रिकॉर्ड को तीन सेकेंड से अधिक समय से तोड़ा।

इंगेब्रिग्त्सेन ने कहा- यह जीत खास और अद्भुत है। मैं यहां विश्व रिकॉर्ड को चुनौती देने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मेरे कोच का कहना था कि मैं कभी भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि मैं किस तरह के समय में सक्षम हूं। मैंने कल्पना नहीं की होगी कि मैं 7:17 दौड़ सकता हूं।

गत ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के अल बक्काली सोफियान (आठ मिनट 4.29 सेकेंड) ने रेस जीती जबकि कीनिया के अमोस सेरेम (आठ मिनट 4.29 सेकेंड) और इथोपिया के सैमुअल फिरेवु (आठ मिनट 04.34 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक में शीर्ष छह में रहे सभी खिलाड़ियों ने यहां प्रतिस्पर्धा की।

पिछले महीने पेरिस डाइमंड लीग में साबले ने आठ मिनट 9.91 सेकेंड के समय के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था और छठे स्थान पर रहे थे। वह पेरिस खेलों में ओलंपिक की 3000 मीटर स्टीपलचेज के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने थे। वह पेरिस में आठ मिनट 14.18 सेकेंड के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे थे।

अविनाश साबले का खराब प्रदर्शन

भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज के शीर्ष खिलाड़ी अविनाश साबले यहां सिलेसिया डाइमंड लीग में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के बीच निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए 14वें सथान पर रहे। एशियाई खेलों के चैंपियन 29 साल के साबले ने आठ मिनट 29.96 सेकेंड के समय के साथ 20 धावकों के बीच 14वां स्थान हासिल किया। तीन धावक दौड़ पूरी करने में नाकाम रहे।

सना की कप्तानी में टी-20 महिला विश्वकप में उतरेगा पाक

लाहौर, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम तेज गेंदबाज फातिमा सना की कप्तानी में युएई में अक्टूबर में होने वाले टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्वकप 2024 के लिए तेज गेंदबाज सना को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया है। फातिमा का निडा डार की जगह कप्तान बनाया गया है। वह पहली बार किसी आईसीसी स्पर्धा इवेंट में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। उन्होंने पहले दो बार एकदिवसीय पाकिस्तानी टीम का नेतृत्व किया है। तब पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय चयन समिति के द्वारा कप्तानी में किए गए एकमात्र बदलाव के अलावा एक नई बल्लेबाज सदफ शमास को भी टीम में जगह मिली है। ।

पिछले महीने महिला टी-20 एशिया कप कि लिए गई थी, उसमें केवल एक बदलाव करते हुए बल्लेबाज नाजिहा अल्वी की जगह बल्लेबाज सदफ को टीम में शामिल किया गया है। सदाफ वर्ष 2023 के महिला टी-20 विश्वकप में भी टीम में शामिल थीं। महिला टी-20 विश्वकप तीन अक्तूबर से शुरू होगा। इसमें पाकिस्तान ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ है। बंगलादेश में खराब हालातों को देखते हुए इस टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित किया गया है।

महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है = फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इराम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नश्रा संधू, निदा डार, ओमाइमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मीया रबाब और तूबा हसन।

अकमल ने पाक टीम और प्रबंधन पर निशाना साधा

इस्लामाबाद । बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली करारी हार के लिए टीम प्रबंधन की पहले की गलतियों को जिम्मेदार बताया है। पाक टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस को लेकर अकमल ने निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन की की पहले की गलतियों से हमें इस प्रकार शर्मिंदा होना पड़ा है। कामरान ने कहा, ये तो मोहम्मद रिजवान ने दूसरी पारी में 50 रन बना दिये अगर ऐसा नहीं होता तो और भी खराब हार होती।

काइरेन विल्सन ने जीता विश्व स्नूकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब

शीआन, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी काइरेन विल्सन ने 7-8 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को जूड ट्रम्प को 10-8 से हराकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स में अपना सातवां विश्व स्नूकर रैंकिंग खिताब जीत लिया है। रात के सत्र से पहले, विल्सन ने ट्रम्प के खिलाफ 5-4 की बढ़त ले ली थी।

ट्रम्प और विल्सन ने दसवें और ग्यारहवें फ्रेम में जीत हासिल की, इससे पहले ट्रम्प ने लगातार दो फ्रेम जीतकर अंतिम अंतराल से पहले 7-6 की बढ़त हासिल की, लेकिन 14वें फ्रेम में विल्सन के 76 ने उन्हें बराबरी पर ला दिया।

ट्रम्प ने टूर्नामेंट में अपना दूसरा शतक लगाने के बाद 8-7 की बढ़त ले ली। हालांकि, विल्सन ने अपने बेहतरीन आक्रामक कौशल का परिचय देते हुए अगले तीन फ्रेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

सीआई प्रमुख ने सुलभता भागीदार के प्रावधान की सराहना की, कहा-दिव्यांग खिलाड़ियों का दर्द समझा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

पेरिस पैरालंपिक 2024 से पहले, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने रविवार को दल के लिए स्वयं (स्मिनू जिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट की एक गैर-लाभकारी पहल) को एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में रखने के प्रावधान की सराहना की और कहा कि दिव्यांग एथलीटों के सामने आने वाली 'पीड़ा' और परेशानियों का अब समाधान हो गया है।

पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के 20 से अधिक एथलीट रविवार को दिल्ली हवाई अड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वे मेजबान देश में उम्मीदों, एक अरब देशवासियों की शुभकामनाओं और सभी सरकारी और निजी भागीदारों के समर्थन के साथ जा रहे हैं, जो एथलीटों को टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में स्थापित 19 पदकों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए प्रेरित करेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए झाझरिया ने पेरिस पैरालिंपिक के लिए भारतीय दल के लिए सुगम्यता भागीदार के रूप में स्वयं को शामिल करने के पीसीआई के प्रयास के बारे में बात की, जिसका उद्देश्य हवाई अड्डे, प्रशिक्षण सुविधाओं तक स्थानीय आवागमन के दौरान खिलाड़ियों की यात्रा और सम्मान को आसान बनाना है।

झाझरिया ने कहा, स्वयं अपने आप में एक संदेश है। दिव्यांग एथलीटों के दर्द को समझा गया है। सुगम्य परिवहन पर काम किया जा रहा है। यह देश को एक नई दिशा दिखा रहा है कि दिव्यांग एथलीटों की क्या जरूरत है।

पीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि एथलीटों के लिए सुगम्यता महत्वपूर्ण है और एक बार जब उन्हें यह ठीक से मिल जाती है, तो इससे एथलीटों को अधिक आत्मविश्वास मिलता है।

उन्होंने कहा, एथलीटों के लिए सुगमता महत्वपूर्ण है। उन्हें बहुत यात्रा करनी पड़ती है। अगर उन्हें सुगमता मिलती है, तो वे अधिक आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

स्वयं ने विशेष सुगम वाहन दान किए हैं, जिनमें व्हीलचेयर को रखा जा सकता है और एथलीटों को वाहन में चढ़ने के लिए व्हीलचेयर से उतरना नहीं पड़ता। टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल, पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार, मनीषा रामदास, स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर, पैरा-एथलीट सचिन सरजेराव और साक्षी कसाना जैसे कई प्रतिष्ठित पैरा-एथलीट रविवार को पेरिस के लिए अपनी उड़ान पकड़ने के लिए हवाई अड्डे पर थे।

2020 टोक्यो पैरालिंपिक में, भारत ने पांच स्वर्ण पदक, आठ रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 19 पदक जीते।

डार्सी ब्राउन टी20 विश्व कप खेलने के लिए फिट, जेस जोनासेन बाहर

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

डार्सी ब्राउन पैर के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर चुकी हैं और अब वह टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों वाली टीम में शामिल हो गई हैं। इस टीम को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जेस जोनासेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था, पहली बार विश्व कप से बाहर हैं, जबकि वह चयन के लिए उपलब्ध थीं।

टीम में 15 खिलाड़ी हैं, जिनका नेतृत्व एलिसा हीली कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया लगातार चार टी20 खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है। ब्राउन के साथ टेला व्लामिन्क भी होंगी, जो ऑस्ट्रेलिया को दो अतिरिक्त गेंदबाज प्रदान करेंगी। फोबे लिचफील्ड अपना पहला विश्व कप खेलेंगी।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, लंबे समय में यह पहली बार है कि विश्व कप से पहले चयन के लिए हमारी पूरी अनुबंध सूची उपलब्ध है और इसके परिणामस्वरूप वास्तव में एक स्थिर और संतुलित टीम बनी है।

उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब एलिसा विश्व कप में कमान संभालेंगी और हम पहले ही देख चुके हैं कि वह और ताहलिया नेतृत्व के दृष्टिकोण से क्या लाती हैं, इसलिए उनके लिए सबसे बड़े मंच पर अपने देश का नेतृत्व करने का यह अवसर मिलना रोमांचक है। फीबे हमारे लिए एक वास्तविक एक्स-फैक्टर है और अपने पहले विश्व कप में एक अनुभवी समूह द्वारा उसका अच्छा समर्थन किया जाएगा। टेला और डार्सी की तेज गेंदबाजी जोड़ी वह है जिसे हम कुछ समय से उतारना चाहते थे और यह हमारे लिए एक वास्तविक अंतर बिंदु है।

जोनासेन, जो पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया की टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं, के लिए इस सत्र के दौरान सेट-अप में वापसी करने के लिए उनके लिए दरवाज़ा खुला रखा गया था जिसमें एशेज श्रृंखला भी शामिल है।

फ्लेगलर ने कहा, जेस जोनासेन फिर से दुर्भाग्यशाली रही कि वह विश्व कप से बाहर हो गई, लेकिन जिस तरह से उसने वापसी की है, उससे हम प्रभावित हैं और हम घरेलू गर्मियों से पहले उसके फॉर्म पर नज़र रखेंगे। विश्व कप के लिए चुनी गई टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलेगी, जिसमें ऑलराउंडर हीथर ग्राहम को भी शामिल किया गया है, जो यूएई नहीं जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 विश्व कप टीम-

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहम, टायला व्लामिन्क।

अमेरिकी ओपन में 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने उतरेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर लगी हैं। जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था जिससे भी उनका उत्साह बढा हुआ है।। उनके नाम पर 24 ग्रैंड स्लैम सहित कुल 99 खिताब दर्ज हैं और वह यहां अपने खिताबों का शतक पूरा करने पूरा प्रयास करेंगे। इसके अलावा वह सबसे अधिक सप्ताह तक विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बने रहने का रिकॉर्ड भी अपने नाम करना चाहेंगे।

संपादकीय

गृहमंत्री शाह के कांग्रेस को प्रश्न

जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर प्रदेश का जन उत्साहित है वहीं सत्ता की प्राप्ति के लिए राजनीतिक हलचल तेज होती जा रही है। पिछले दिनों नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के बीच विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन हुआ था। नैशनल कान्फ्रेंस ने घोषणा की थी कि अगर वह सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, साथ में अनुच्छेद 370-35ए की भी वापसी करेगी। कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस के हुए गठबंधन को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस से 10 प्रश्नों के उत्तर मांगे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने पूछा क्या कांग्रेस जम्मू- कश्मीर के लिए पृथक झंडे के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करती है, क्या राहुल गांधी व उनकी कांग्रेस अनुच्छेद-370 और 35ए बहाल करने के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करते हैं और ऐसा करते हुए क्या वे जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति एवं आतंकवाद के दौर में धकेलना चाहते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सभी 90 सीटों पर गठबंधन करने का ऐलान किया है और ये दोनों वादे नैशनल कान्फ्रेंस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा हैं। गृहमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान के साथ बातचीत में शामिल होकर फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देना चाहती है। नैशनल कान्फ्रेंस बार-बार पाकिस्तान के साथ सीमा पार व्यापार को फिर से स्थापित करने की वकालत कर रही है। शाह के कांग्रेस से सवालों में यह भी शामिल है कि क्या वह आतंकवाद और पत्थरबाजी में शामिल लोगों के स्वजन को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर लाने का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाडियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेशनल कान्फ्रेंस के वादे के साथ है। दरअसल दलितों, पिछड़ों को आरक्षण समेत कई योजनाएं जम्मू-कश्मीर में सिर्फ इसलिए बहाल हो पाई हैं क्योंकि वहां से विशेष राज्य का दर्जा खत्म हो गया और अब पूरी तरह भारतीय संविधान लागू है। शाह ने कहा कि क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत तख्त- ए-सुलेमान और हरि पर्वत कोह-ए- मारन के नाम से जाने जाएं। अमित शाह ने कांग्रेस से यह भी पूछा कि क्या वह जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने- चुने परिवारों के हाथों में सौंपने का समर्थन करती है। गृह मंत्री ने कांग्रेस और राहुल से जानना चाहा कि क्या वे कश्मीर को स्वायत्तता देने की नेशनल कान्फ्रेंस की विभाजनकारी सोच व नीतियों का समर्थन करते हैं और क्या वे नेशनल कान्फ्रेंस के जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करते हैं। भारतीय राजनीति का कमजोर पहलू यह ही है कि राजनीतिक हित को देखते हुए राजनीतिक दल व उनके कुछ नेता राष्ट्रहित की ही अनदेखी कर जाते हैं। जम्मू-कश्मीर के चुनावों में जिस तरह अनुच्छेद 370-35ए की वापसी तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की घोषणा करना स्थानीय लोगों की भावनाओं को भडक़ाने के सिवा कुछ भी नहीं, क्योंकि यह दोनों बदलाव संसद द्वारा पारित बिलों के माध्यम से आये हैं और प्रदेश विधानसभा में जीत जाने के बाद भी यह पार्टियां हुए बदलाव से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकती। कांग्रेस व नैशनल कान्फ्रेंस दोनों पार्टियों के नेता उपरोक्त बात को समझते भी हैं लेकिन तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए जिस राह पर चल पड़े हैं वह देशहित में नहीं हैं, स्वयं कांग्रेस के हित में भी नहीं।

नैशनल कान्फ्रेंस ने घोषणा की थी कि अगर वह सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, साथ में अनुच्छेद 370-35ए की भी वापसी करेगी। कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस के हुए गठबंधन को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस से 10 प्रश्नों के उत्तर मांगे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने पूछा क्या कांग्रेस जम्मू- कश्मीर के लिए पृथक झंडे के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करती है, क्या राहुल गांधी व उनकी कांग्रेस अनुच्छेद-370 और 35ए बहाल करने के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करते हैं और ऐसा करते हुए क्या वे जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति एवं आतंकवाद के दौर में धकेलना चाहते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सभी 90 सीटों पर गठबंधन करने का ऐलान किया है और ये दोनों वादे नैशनल कान्फ्रेंस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा हैं। गृहमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान के साथ बातचीत में शामिल होकर फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देना चाहती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है।

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति

चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ति हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौंका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है।

दृष्टि कोण

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रही है पेयजल संकट

दुनिया में पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। इसका भयावह स्तर इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि आज लगभग 4.4 अरब लोग पीने के साफ पानी से वंचित हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा 135 देशों में किए गए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि वास्तविक संख्या पहले से बताए गए आंकड़ों से दोगुनी है। यह स्थिति एक चेतावनी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, यह स्थिति अत्यंत भयावह और अस्वीकार्य है कि इतनी बड़ी वैश्विक आबादी की पीने के साफ पानी तक पहुंच नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद दुनिया की सरकारें पेयजल की सुरक्षा और जल संचय के प्रति गंभीरता से क्यों नहीं सोच रही हैं, यह समझ से परे है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि जल संकट वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या बन जाएगी और अगर अभी से पानी की बर्बादी पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और जल संरक्षण के उपाय नहीं किए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है, जिसकी भरपाई असंभव हो जाएगी। गौरतलब है कि पानी के मामले में सबसे बड़ा संकट आंकड़ों की कमी है, जो दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी नाकामियों का खुलासा हो रहा है। यह तथ्य साबित करता है कि आज भी बहुत कम लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध है। वैज्ञानिक एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, वैश्विक आबादी के केवल आधे हिस्से के लिए ही जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं। अमीर देशों के पास भी पानी के स्पष्ट आंकड़े नहीं हैं। ऐसे में, अभावग्रस्त देशों के लोगों को साफ पानी की पहुंच मिल पाना संदेहास्पद है। यह स्थिति दिखाती है कि दुनिया अपने बुनियादी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे है, जो अच्छे संकेत नहीं हैं। इन हालातों में, 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव कल्याण में सुधार के लिए सतत विकास लक्ष्य के तहत सभी के लिए 2030 तक सुरक्षित और किफायती पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य अब एक सपना ही प्रतीत होता है। इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार, आज भी पूरी दुनिया में लगभग 270 करोड़ लोग हैं जो साल भर में करीब तीस दिन पानी की किल्लत का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यदि अगले तीन दशकों में पानी का उपभोग केवल एक प्रतिशत की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को एक बड़े जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साफ पानी की पहुंच से दूर देशों के मामले में दक्षिण एशिया शीर्ष पर है, जहां 1200 मिलियन लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं उपसहारा अफ्रीकी, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिकी देश के लोग साफ पानी से महरूम हैं। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में पानी में दूषित पदार्थों की मौजूदगी सबसे बड़ी समस्या है। गौर करने वाली बात यह है कि 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में लगभग 33 प्रतिशत लोग साफ पानी से वंचित थे, जबकि वर्तमान में एशिया में लगभग 61 प्रतिशत आबादी, अफ्रीका में 25 प्रतिशत, अमेरिका में 11 प्रतिशत और यूरोप में 3 प्रतिशत आबादी साफ पानी की कमी से जूझ रही है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 35 मिलियन से अधिक लोग साफ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार, यह आंकड़ा 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकता है। यूनिसेफ के अनुसार, भारत में 1.96 करोड़ आवासों में जो पानी उपलब्ध है, उसमें फ्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक है, जिसके कारण जलजनित रोगों पर सालाना 42 अरब रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। यह जगजाहिर है कि जल हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभाव डालता है। जल संकट के कारण एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का अनुमान है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। इस वैश्विक समस्या के लिए मानवीय गतिविधियां, जिनमें लोभ, स्वार्थ और भौतिकवादी जीवनशैली का अहम योगदान है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए, तो आज भी दो अरब लोगों, यानी 26 प्रतिशत आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 436 मिलियन और भारत में 133.8 मिलियन बच्चे ऐसे हैं जिनके पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा, यानी 739 मिलियन बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। जल संकट के लिए अत्यंत संवेदनशील 37 देशों की सूची में भारत भी शामिल है।

कुछ अलग

यूक्रेन को यकीन दिलाने की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा को दुनिया के कई हिस्सों में बहुत करीब से देखा जा रहा है। खुद कीव भी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। उल्लेखनीय यह भी है कि जुलाई में जब प्रधानमंत्री रूस में थे, तब यूक्रेन ने उनकी आलोचना की थी। उसका कहना था कि मॉस्को जब कीव पर इतनी बर्बरता कर रहा है, तो भारत भला कैसे उसे अपना समर्थन दे सकता है? जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन पहुंचकर उसकी यह शिकायत दूर कर रहे हैं कि मॉस्को से पुरानी दोस्ती के कारण रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत एकतरफा भूमिका निभाता दिख रहा है। देखा जाए, तो इस युद्ध को लेकर भारत का मत शुरू से ही स्पष्ट रहा है। हम युद्ध का अंत बातचीत की मेज पर चाहते हैं और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता जैसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों को हर हाल में सुनिश्चित करना चाहते हैं। भारत ने सार्वजनिक तौर पर भले रूस की आलोचना नहीं की, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मॉस्को यात्रा में सबके सामने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यह जरूर कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है और हमें भू-राजनीतिक मसलों का हल गोली-बारूद से नहीं निकालना चाहिए। भारत चूंकि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत के जरिये युद्ध का समाधान चाहता है, इसलिए 15-16 जून, 2024 को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मसले का हल निकालने के लिए बुलाए गए अंतरराष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में हमने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि उसमें रूस को नहीं बुलाया गया था। प्रधानमंत्री की रूस यात्रा का भी जब पश्चिमी देश विरोध कर रहे थे, तब भी हमने यही कहा था कि भारत इस युद्ध को लेकर अपने स्थापित सिद्धांत पर ही आगे बढ़ रहा है और हम किसी के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं तय करते। बहरहाल, यूक्रेन यात्रा से पहले प्रधानमंत्री पोलैंड में थे, जहां उन्होंने व्यापार, तकनीक और रक्षा संबंधों का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने वहां भारतवंशियों से भी मुलाकात की और पोलैंड को लेकर नई नीतियों का खाका खींचने पर जोर दिया। यह करना जरूरी भी था, क्योंकि पोलैंड मध्य यूरोप का एक अहम देश है। तेज विकास दर के कारण इसे पश्चिम की 'टाइगर इकोनॉमी' कहा जाता है और यूरोप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह अंतरराष्ट्रीय मसलों पर यूरोप के पारंपरिक रुख से इतर अपनी राय रखता है। यूक्रेन संकट पर भी यह लगातार मुखर है और यूरोप के अगुवा देशों में स्थान बनाने को तत्पर है। चूंकि मध्य यूरोप भारत के लिए अहमियत रखता है, इसलिए पोलैंड के साथ करीबी हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भू-राजनीति भी हमें पोलैंड के नजदीक ले जाती है। उल्लेखनीय है कि भू-राजनीतिक मसलों पर भारत सिर्फ अपना हित नहीं देखता, बल्कि विकासशील व गरीब देशों का रुख भी सामने रखता है। यही कारण है कि हम वैश्विक दक्षिण, यानी 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन रहे हैं। चाहे यूक्रेन संकट हो या इजरायल-हमास युद्ध, भारत का रुख इस दायित्व से भी प्रभावित रहा है। इस समय जब दुनिया के तमाम बड़े देश आपस में जूझ रहे हैं, तब गरीब व विकासशील देशों की आवाज बमुश्किल वैश्विक मंचों पर जगह बना पा रही है। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय जगत में अपने बढ़ते कद का लाभ उठाकर भारत उनकी स्वाभाविक सशक्त आवाज बन रहा है। यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म कराने को लेकर भारत यदि तत्परता दिखा रहा है, तो उसकी एक वजह उस पर 'ग्लोबल साउथ' की महती जिम्मेदारी का होना है।

देश दुनिया से

आंदोलन धीमा कर रहे हैं प्रगति के पहियों को

पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें। लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा।

भारत के राज्यों में महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे कॉरपोरेट के मामले में सबसे आगे माना तो जाता ही है, यहां उद्योग-धंधों में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही है। इसलिए इसे भारत की वाणिज्यिक राजधानी कहा जाता है। पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें। लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा। वहां ये दोनों हुए और देश का एक संपन्न राज्य देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। राजनीतिज्ञों की दबंगई और आरक्षण आंदोलनों के कारण फैली कटुता ने राज्य को बर्बाद कर दिया। यह देखा जा रहा है कि राजनीतिज्ञ ही ज्यादातर मामलों में सामाजिक विवादों को सुलगाते हैं और बढ़ावा देते हैं। इससे राज्य के सामान्य जीवन पर भी असर पड़ता है और उसका असर काम-धंधे तक जाता है। हरियाणा में जाट और गैर-जाट का विवाद कोई नया नहीं है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसे खासी हवा दी गई जिससे राज्य में कई बार आंदोलन हुए और इसका असर उद्योग-धंधों पर भी पड़ा। जाट आरक्षण के नाम पर वहां बहुत उग्र आंदोलन हुए। इसका असर यह हुआ कि कई उद्योगपति, कारखानेदार और कारोबारी राज्य को छोड़कर उत्तराखंड चले गये जहां की सरकार ने आगे बढ़कर उनके लिए कई तरह के कन्सेशन दिये। हरियाणा में यूनियनों के भी उग्र आंदोलन हुए जिन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास पर भी असर डाला। हरियाणा को इस बात का गौरव प्राप्त था कि वहां देश का सबसे बड़ा कार कारखाना स्थित है लेकिन यूनियनों के उग्र रूप के कारण कंपनी ने अपने विस्तार का काम रोक दिया। इन दोनों तत्वों के कारण राज्य में उद्योगों का लगना काफी कम हो गया। जातिवाद से हरियाणा को जो क्षति हुई उसका आकलन करना भी मुश्किल है। जब गुजरात में पाटीदारों का आंदोलन हुआ तो वहां भी 2015 में यह उग्र हो गया। सारे राज्य में इसकी आग फैल गई। हिंसा और तोड़फोड़ हुई। यह आंदोलन 2019 तक बदस्तूर चला और उसके दुष्परिणाम सबने देखे। उद्योग-धंधों पर असर तो पड़ा ही, समाज कई भागों में बंट गया जिससे काफी नुकसान हुआ। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने केन्द्र के सहयोग से उस पर काबू पा लिया। अब तो गुजरात तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है और कई बड़े कारखाने वहां लगे क्योंकि उद्योगपतियों को वहां का माहौल ठीक लग रहा है। यही बात तमिलनाडु पर भी लागू होती है जो देश का सबसे ज्यादा उद्योगों वाला राज्य है। वहां सत्ता के लिए राजनीतिज्ञ सभी तरह के तौर-तरीके तो अपनाते हैं लेकिन सड़कों पर उग्र ढंग से उतरने के लिए जनता को नहीं उकसाते हैं। वहां का कारोबारी माहौल कंपनियों खासकर विदेशी कंपनियों को रास आता है। दरअसल, उद्योग-धंधे लगाने के लिए एक खास किस्म का माहौल चाहिए होता है। अगर हम अतीत में जायें तो पायेंगे कि नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों की घोषणा के बाद हरियाणा में उद्योग लगाने वालों की कतार खड़ी हो गई थी। वहां के शांत माहौल और दिल्ली से नजदीक होने के कारण वहां कई छोटे-बड़े कारखाने लगे। विदेशी निवेश भी वहां खूब आया। यह सिलसिला चलता गया और इसी क्रम में एक मॉडर्न शहर गुड़गांव उभर कर सामने आया जहां रियल एस्टेट का कारोबार खूब फला-फूला। लेकिन अब कारखाने लगने बंद से हो गये हैं। संकीर्णता के आंदोलन और जमीन के बढ़ते भाव के कारण पूंजीपति पैसा लगाने को अब तैयार नहीं हैं। उन्हें लाने के लिए उन्हें इंसेंटिव देना और माहौल को सुधारना जरूरी है। लेकिन सुधारेगा कौन और सुधरेगा कैसे? इसके लिए तो राजनीतिज्ञों को सामने आना होगा। महाराष्ट्र में इस समय कई बड़े और छोटे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। उनमें से कई समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। इस राज्य में काफी क्षमता है और यह एक्सपोर्ट का हब बन सकता है क्योंकि इसके पास सभी तत्व मौजूद हैं। समुद्र के तट पर यह राज्य बसा है और यहां कई बड़े तथा छोटे बंदरगाह भी हैं जो निर्यात के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में इस तरह के उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये जो निर्यात योग्य सामग्री बनाते हों। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि इससे न केवल राज्य के उद्योगों का ग्राफ बढ़ेगा बल्कि रोजगार भी।

आप का नजरिया

जन प्रतिनिधियों पर मुकद्दमे

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसदों और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के केस दर्ज हैं। इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। बंगाल के सबसे अधिक जनप्रतिनिधि ऐसे मामलों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की। बंगाल के सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले में 17 सांसदों-विधायकों के साथ ओडिशा दूसरे पायदान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक हैं जिन्होंने आइपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधित मामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। आरोपों में एक ही पीड़िता के खिलाफ बार-बार अपराध करना भी शामिल है, जो इन मामलों की गंभीरता को और दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे मामले सर्वाधिक भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। एडीआर ने कई सिफारिशें भी जारी की हैं। उसके मुताबिक, राजनीतिक दलों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज करना चाहिए, खासकर उन लोगों को जिन पर दुष्कर्म व महिलाओं के खिलाफ अन्य संगीन अपराधों के आरोप हैं। रिपोर्ट में सांसदों व विधायकों के खिलाफ अदालती मामलों की जल्द सुनवाई करने और पुलिस द्वारा पेशेवर व गहन जांच सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। भाजपा और कांग्रेस के पांच-पांच विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप हैं। एडीआर ने मतदाताओं से भी ऐसे आरोपों वाले उम्मीदवारों को न चुनने का आग्रह किया है। भारत की राजनीति और राजनेताओं को लेकर चुनाव आयोग के प्रमुख रहे टी.एन शेषन अपनी पुस्तक 'भारत पतन की ओर' में लिखते हैं 'भारत में राजनीति और राजनेताओं के चरित्र में गिरावट अब स्पष्ट, आंतरिक और हिंसक स्तर तक पहुंच गई है। राजनेता अब मात्र लूट से संतुष्ट नहीं होते, वे बहुत पुरानी विदेशी आक्रमणकारियों की शैली को अपनाते हैं-यहां के वतनी को लूटो और उसके बीवी-बच्चों को दास बना लो। हमने इसका एक उदाहरण हाल में ही, नवम्बर 1994 में देखा जब भारत का ध्यान और निश्चयपूर्वक इसके प्रमुख राजनैतिक दलों का ध्यान कर्नाटक और आन्ध्रप्रदेश, सिक्किम तथा गोवा में विधानसभाओं के चुनावों पर केन्द्रित था। बिहार में जनता दल का एक नेता पकड़े जाने के भय से बिहार से गायब था। यह व्यक्ति जो राज्य विधानसभा का सदस्य था, एक सोलह वर्ष की लडक़ी के अपहरण और बलात्कार के मामले में पुलिस द्वारा खोजा जा रहा था। यह मामला सुर्खियों में इसलिए नहीं आया कि इसमें एक नेता फंसा था अपितु इसलिए किं उस महिला ने इसमें साहस दिखाया।

आरबीआई वित्तीय क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए नीतियां बनाने पर काम कर रहा : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली /बेंगलुरू,26 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को यहां कहा कि आरबीआई लगातार ऐसी नीतियां, प्रणालियां और मंच तैयार करने पर काम कर रहा है, जो वित्तीय क्षेत्र को मजबूत, जुझारू और ग्राहक केंद्रित बनाएंगे।

आरबीआई@90 पहल के तहत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शक्तिकांत दास ने यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) और उभरती प्रौद्योगिकियां दुनिया में लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं की भविष्य की यात्रा को आकार देंगी। आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय संस्थाओं को कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े जोखिमों के प्रति पूरी तरह सचेत रहना चाहिए।

पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिक बदलाव हुआ

रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि डीपीआई व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में निर्मित बुनियादी प्रौद्योगिकी प्रणालियों को संदर्भित करता है, जो उपयोगकर्ताओं तथा अन्य डेवलपर के लिए खुले तौर पर उपलब्ध हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिक बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि इन सभी संकेतों से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हो सकती है।

उन्होंने कहा कि यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) मंच विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक विभिन्न राज्यों के भूमि रिकॉर्ड सहित डिजिटल जानकारी के निर्बाध प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है। दास ने कहा कि शुरुआती चरण से प्राप्त अनुभव के आधार पर यूएलआई को राष्ट्रव्यापी स्तर पर जल्द ही पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीआई प्रणाली में सीमा पार धन प्रेषण के उपलब्ध माध्यमों के लिए एक सस्ता और त्वरित विकल्प बनने की क्षमता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस के...

अन्यायपूर्ण बता दिया। प्रियंका गांधी ने इसे अदालत की अवमानना बताते हुए कहा कि किसी के घर से छत छीन लेना सही नहीं है। उन्होंने इसे बर्बरता करार दिया। उन्हें इस दौरान उस ओबीसी परिवार का दर्द नहीं दिखा, जिसकी जमीन हड़पी गई थी। कांग्रेस के लोकसभा व्हिप मोहम्मद जावेद ने इसे मुस्लिम-घृणा से जोड़ा। यह है कांग्रेस के ओबीसी प्रेम की असलियत

अब कर्नाटक में देखिए कांग्रेस का दलित-प्रेम। कर्नाटक में सिद्दारमैया मुख्यमंत्री हैं और कांग्रेस का शासन है। वाल्मीकि समाज कई राज्यों में दलितों का एक अहम हिस्सा है। कर्नाटक में इसे एसटी में डाला गया है। ये काफी पिछड़ा और वंचित समूह है, क्योंकि इसके अधिकतर लोग सफाईकर्मी हैं। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए के निरस्त होने से पहले एक तो उन्हें स्थायी नागरिकता नहीं हासिल थी, ऊपर से इस समाज में पैदा होने वाला हर बच्चा अपने माथे पर सफाईकर्मी का ठप्पा लिए पैदा होता था। इस समुदाय को 1957 में पंजाब से लाकर बसाया गया था। जम्मू कश्मीर से संबंधित इस कानून के 1944 के बाद आए इस समुदाय के किसी भी शख्स को नागरिकता नहीं मिल सकती थी। वो न वोट दे सकते थे, न किसी सरकारी योजना का लाभ मिल सकता था और न उनके बच्चों को कोई छात्रवृत्ति। खैर, कर्नाटक के वाल्मीकि समुदाय की एक संस्था है कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि शेड्यूल्ड ट्राइब्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, जिसमें भीषण घोटाला हुआ। घोटाला करने वाला कांग्रेस का मंत्री था।

ट्रस्ट के एकाउंट्स सुपरिटेंडेंट पी चंद्रशेखरन ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में जनजातीय कल्याण मंत्री बी नागेंद्र का नाम लिखा। बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर और अकाउंटेंट भी इस मामले में जेल में हैं। बी नागेंद्र को इस्तीफा देना पड़ा, सीआईडी को आत्महत्या की जांच सौंपी गई। वो दलित समाज से थे। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी या अन्य किसी भी नेता ने वाल्मीकि ट्रस्ट घोटाला के बारे में कुछ कहा और न जलित अधिकारी की संदिग्ध मौत को लेकर किसी कांग्रेस नेता ने आवाज उठाई।

बताया जाता है कि पूरा घोटाला 187 करोड़ रुपए का है। मृत अधिकारी की पत्नी ने भी कांग्रेस के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र पर ही आरोप लगाया। चंद्रशेखरन की पत्नी कविता का कहना है कि उनके पति को ईमानदार होने की कीमत चुकानी पड़ी। एक दलित महिला न्याय की मांग कर रही है, कांग्रेस सरकार नहीं सुन रही है। उनका कहना है कि उन्हें एसआईटी की जांच पर भरोसा नहीं है, उल्टा उनके पति को ही फंसाया जा रहा है। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की है। क्या दलित-प्रेम वाली कांग्रेस एक दलित महिला की पुकार सुनेगी? नहीं, कांग्रेस नेता दलित प्रेम का सिर्फ भाषण देंगे, किसी पीड़ित दलित महिला की मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाएंगे।

अब कांग्रेस का जनजातीय-प्रेम भी देखिए। देश की मौजूदा राष्ट्रपति जनजातीय समाज की हैं और वह भी एक महिला हैं। ये बड़े सम्मान की बात है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, क्योंकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े समूह की एक महिला देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद पर हैं। कांग्रेस का जनजातीय-प्रेम समझने के लिए राष्ट्रपति के प्रदेश झारखंड चलते हैं। झारखंड की एक चौथाई से भी अधिक जनसंख्या आदिवासियों (शेड्यूल्ड ट्राइब्स) की है। वहां झामुमो की सरकार है। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस पार्टी सरकार में शामिल है। हाल ही में वहां एक घटना सामने आई। मामला जामताड़ा स्थित पुरातन पतित नामक जगह का है। जनजातीय समाज के लिए ये एक पवित्र जगह थी, जहां वो पूजा-पाठ करते थे। स्थानीय मुस्लिमों ने उसे कब्रिस्तान बता दिया और रहमतुल्लाह नामक एक शख्स की मौत के बाद उसे वहां दफना भी दिया गया। पुलिस-प्रशासन ने भी जनजातीय समाज का साथ नहीं दिया। एक भी कांग्रेस नेता ने जनजातीय समाज की जमीन को मुसलमानों का कब्रिस्तान बनाने के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। नाराज जनजातीय समाज ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने मुस्लिमों का ही फैसला निर्णायक करार दिया और देखते देखते आदिवासियों की जमीन मुसलमानों के कब्रिस्तान में बदल गई।

झारखंड में बेतहाशा लैंड जेहाद चल रहा है। मुसलमान जनजातीय समाज की लड़कियों से शादी कर उसके नाम पर जमीनें खरीद लेते हैं। फिर उस आदिवासी लड़की को मुसलमान बना कर वह उस जमीन पर आधिपत्य जमा लेता है। फंसा कर शादी करने के बाद भोली भाली आदिवासी लड़कियों को पंचायत चुनाव में जिता कर जनप्रतिनिधि बना दिया जाता है और इस तरह सत्ता की बागडोर मुसलमान अपने हाथों में ले रहे हैं। इन मुसलमानों में अधिकांशतः बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। इस दिशा में कांग्रेस वाली गठबंधन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही। न कोई कांग्रेस नेता कुछ बोल रहा है। स्पष्ट है कि कांग्रेस किस तरफ खड़ी है। जनजातीय समाज की तरफ या कट्टर मुसलमानों और बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरफ। पाकुड़ में भी ऐसा मामला सामने आया है। आदिवासी भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने आवाज उठाई है। लेकिन कांग्रेस नेताओं की शातिराना चुप्पी सधी हुई है।

इन घटनाओं से स्पष्ट है कि सिर्फ वोट के लिए और हिंदुओं को विभाजित करने के लिए कांग्रेस नेता या उनके पिछलग्गू विपक्षी नेता दलित, जनजातीय और ओबीसी का रट्टा लगाते हैं। राहुल गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं का असली उद्देश्य मुस्लिम तुष्टिकरण ही है। देश यह देख चुका है कि कैसे मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में दंगों को रोकने के नाम यूपीए सरकार ऐसा कानून लेकर आ रही थी जिसके बाद हिंसा की स्थिति में सिर्फ हिंदुओं को ही जेल होती। हिंदू, यानी सारे हिंदू। इसमें ओबीसी या एससी/एसटी को इससे बाहर रखने का कोई प्रावधान नहीं था, इसमें सारे हिंदू शामिल थे।

कांग्रेस की इन्हीं शैतानियों के कारण वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा जमीन मालिक बन गया है। तमिलनाडु में तिरुचिपल्ली के श्रीरंगम तालुका में स्थित तिरुचेंदुरई गांव में तो वक्फ बोर्ड ने पूरे के पूरे गांव पर ही दावा ठोक दिया, जिस कारण गांव वाले अपनी जमीन तक नहीं बेच पाए। जबकि वहां 1500 वर्ष पुराना मंदिर भी था। मंदिर तब का था जब इस्लाम पैदा भी नहीं हुआ था। पटना के फतुहा में भी इसी तरह गांव पर दावा ठोक दिया गया। वक्फ में संशोधन वाला बिल आया तो कांग्रेस इसके विरोध में थी। यानी, कांग्रेस ने फिर साबित किया कि वह मुस्लिमों की तरफ ही हैं। बाकी सबके साथ वह छलावा कर रही है।

पवित्र स्थल को...

मौत होने पर उसे आदिवासी समुदाय के पावन पतित स्थान पर लाकर जबरन दफन कर दिया। पुलिस ने ऊपर का आदेश मानते हुए मुसलमानों का साथ दिया। झारखंड के भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने इस हरकत को लैंड जेहाद का नाम दिया है। बाबूलाल मरांडी के मुताबिक, राज्य में झामुमो और कांग्रेस की मिली जुली सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण कर रही है जिसका खामियाजा भोले भाले आदिवासी समुदाय के लोग भुगत रहे हैं।

लद्दाख में ...

ऐसे में केंद्र सरकार के इस निर्णय को लद्दाख में भी विधानसभा चुनाव कराने और उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की भविष्य की तैयारियों के नजरिए से देखा जा रहा है।

नए जिलों के ऐलान के साथ गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लद्दाख के लोगों के लिए अपार अवसरों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार दृढ़ प्रतिज्ञ है। जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग के रूप में नए जिले सेवाओं और अवसरों के लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे। इससे केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक गवर्नेंस को पहुंचाने में मदद मिलेगी। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के समय केंद्र सरकार ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का ऐलान किया था। लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा जम्मू-कश्मीर के दो हिस्से किए जाने के बाद मिला था। अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देता था, लेकिन 2019 में केंद्र सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। अब केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर लद्दाख सीधे गृह मंत्रालय के अधीन आता है।

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। शाह ने कहा कि इन सभी पांचों नए जिले में हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे। मोदी सरकार लद्दाख के लोगों के लिए प्रचुर अवसर पैदा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी देने के साथ ही गृह मंत्रालय ने लद्दाख प्रशासन को नए जिलों से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे मुख्यालय, सीमाएं, संरचना, पदों का सृजन और जिला गठन से संबंधित अन्य पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया है। इस समिति को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को एक अंतिम प्रस्ताव भेजा जाएगा।उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। इसके बाद लद्दाख एक केंद्र शासित प्रदेश बना गया था। दूसरा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर है। पांच साल पहले इसी दिन तत्कालीन राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को भी निरस्त कर दिया गया था। केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण लद्दाख केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीधे प्रशासनिक नियंत्रण में आता है।

जिलों के गठन...

इसके बावजूद केंद्र सरकार का तात्कालिक लक्ष्य लद्दाख में प्रशासनिक अराजकता को नियंत्रण में करना और प्रशासनिक शक्तियों के संतुलित विभाजन पर है। लद्दाख में लंबे वक्त से प्रशासनिक शक्तियों के विभाजन पर संग्राम छिड़ा हुआ है। वहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक कामकाज की वजह से उनकी जिंदगी की मुश्किलें बढ़ गई है। इसको लेकर लद्दाख में आंदोलन भी हो रहे हैं। लोग सत्ता का विकेंद्रीकरण करने की मांग कर रहे हैं। लद्दाख के अधीन अभी दो जिले लेह और करगिल हैं। सरकार ने पांच नए जिले की घोषणा कर प्रशासनिक पहुंच को गांव-गांव तक पहुंचाने की कवायद की है। लद्दाख के भाजपा से पूर्व सांसद जयमांग नामग्याल कहते हैं, यह ऐतिहासिक फैसला है। हमने इस विषय को तीन बार संसद में उठाया था। नामग्याल कहते हैं, इसके लागू होने से प्रशासन तक गांव के लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी। लद्दाख पहाड़ी जिला है और यहां अगर गांव से जिला मुख्यालय की दूरी ज्यादा हो तो लोगों के लिए वहां पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

भौगोलिक दृष्टिकोण से लेह जिला देश का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। इसका कुल क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी है। लेह प्रशासन के मुताबिक इस जिले के अधीन नुब्रा, दुरबुक (डरबोक), खलात्से, लेह, खारू, लिकिर, न्योमा सब डिविजन है। लद्दाख में जनजातीय समूह अपने जल, जंगल और जमीन को संरक्षित रखने के लिए शेड्यूल-6 के तहत प्रशासनिक अधिकार देने की मांग रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 244 और 251 में इसका जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में स्वायत्त जिला परिषद की स्थापना की जाती है।

इन परिषदों को सरकार की तरफ से विधायी, न्यायिक और कार्यकारी शक्तियां दी जाती है। इसके जरिए परिषद जनजातीय समुदाय के उत्थान और उनके अधिकार की रक्षा का काम करती है। लद्दाख में अभी सिर्फ 2 ही जिले थे और वहां पर स्वायत्त परिषद की मांग को मान पाना मुश्किल था। वजह लद्दाख से लगे चीन और पाकिस्तान का बॉर्डर का होना है। अब पांच नए जिलों की घोषणा के बाद कहा जा रहा है कि लद्दाख के कुछ जिलों को शेड्यूल-5 या शेड्यूल-6 के तहत अधिकार दिए जा सकते हैं।स्थानीय स्तर पर लद्दाख में चार मांगों को लेकर लंबे वक्त से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। इनमें पहली बड़ी मांग राज्य का दर्जा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश होने की वजह से उनकी राजनीतिक और प्रशासनिक हिस्सेदारी कम हो गई है। दूसरी मांग लद्दाख को संविधान के छठे शेड्यूल में शामिल किए जाने की है। तीसरी मांग विकास काम की ठेकेदारी को लेकर है। इसके तहत लद्दाख के विकास की ठेकेदारी उन्हें ही मिले, जो यहां के मूल निवासी हैं। चौथी मांग लद्दाख में शक्ति विभाजन की है। मार्च 2024 में केंद्र सरकार ने इन मांगों पर वहां के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी, लेकिन तब बात नहीं बन पाई। इसका नतीजा लोकसभा चुनाव में देखने को मिला।

विरोध के बाद...

श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ, शानगुस अनंतनाग पूर्व से वीर सराफ, राजपोरा से भाजपा ने अर्शीद भट्ट, शोपियां से जावेद अहमद कादरी, अनंतनाग पश्चिम से मोहम्मद रफीक वानी, इंद्रवाल से तारिक कीन, किश्तवाड़ से शगुन परिहार, पाडेर नागसेनी से सुनील शर्मा, भदरवाह से दलीप सिंह परिहार, डोडा से गजे सिंह राणा, डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार, रामबन से राजेश ठाकुर और बनिहाल से सलीम भट्ट को भाजपा उम्मीदवार बनाया था। पुरानी लिस्ट में भाजपा ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई को भी उम्मीदवार बनाया था। देवेंद्र राणा जितेंद्र सिंह के भाई हैं और उन्हें भाजपा ने नगरोटा से उम्मीदवार बनाया था। देवेंद्र राणा हाल ही में नेशनल कांफ्रेंस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे।जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जो नई लिस्ट जारी की उसमें पहले चरण के प्रत्याशियों के नाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। हालांकि कुछ समय बाद ही इस लिस्ट को वापस ले लिया गया था। भाजपा की पहली लिस्ट में 44 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। पहले चरण के 15, दूसरे चरण के दस और तीसरे चरण के 19 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी।

पहली लिस्ट में पूर्व डिप्टी सीएम निर्मल सिंह को टिकट नहीं दिया गया था। 2014 में निर्मल सिंह ने बिलावर विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। इनके साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता को भी टिकट नहीं मिला था। बताया जा रहा है कि उनका नाम अगली सूची में हो सकता है। इस सूची में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना का भी नाम नहीं था।

पहले चरण के भाजपा प्रत्याशियों में इंजीनियर सैयद शौकत गयूर पांपोर से, अर्शीद भट राजपोरा से, जावेद अहमद कादरी शोपियां से, मोहम्मद रफीक वानी अनंतनाग पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे। एडवोकेट सैयद वजाहत अनंतनाग से, शगुन परिहार किश्तवाड़ और गजय सिंह राणा डोडा से चुनाव लड़ेंगे। श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ, शानगुस अनंतनाग से वीर सराफ चुनाव मैदान में होंगे। इंदरवल से तारिक कीन, पाडेर नागसेनी सीट से सुनील शर्मा, भदरवाह से दिलीप सिंह परिवार चुनाव मैदान में होंगे। बनिहाल से सलीम भट्ट, रामबन से राकेश ठाकुर और डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार शामिल हैं।

दूसरे चरण के उम्मीदवारों में हब्बाकदल सीट से अशोक भट्ट, गुलाबगढ़ (अजजा) विधानसभा सीट से मोहम्मद अकरम चौधरी, रियासी सीट से कुलदीप राज दुबे, माता वैष्णो देवी से रोहित दुबे, कालाकोट-सुंदरबनी से ठाकुर रणधीर सिंह, बुधल (अजजा) सीट से चौधरी जुल्फीकर आली, थन्नामंडी (अजजा) सीट से मोहम्मद इकबाल मलिक को टिकट मिला है। सुरनकोटे (अजजा) सीट से सैयद मुश्ताक अहमद बुखारी, पुंछ हवेली सीट से चौधरी अब्दुल गनी, मेंढर (अजजा) मुर्तजा खान शामिल थे। लेकिन अभी इस लिस्ट को रोक लिया गया है।

इसी तरह तीसरे चरण के उम्मीदवारों में ऊधमपुर पश्चिम सीट पर पवन गुप्ता, चिनानी विधानसभा क्षेत्र से बलवंत सिंह मनकोटिया, रामनगर (अजा) सीट से सुनील भारद्वाज, बनी से जीवन लाल मैदान में होंगे। बिलावर से सतीश शर्मा और बसोहली सीट से दर्शन सिंह चुनाव लड़ेंगे। जसरोटा सीट से राजीव जसरोटा, हीरनगर से विजय कुमार शर्मा, रामगढ़ (अजा) सीट से डॉ. देविंदर कुमार मणियाल, सांबा से सुरजीत सिंह सलाथिया को टिकट मिला है। विजयपुर से चंद्र प्रकाश गंगा, सुचेतगढ़ (अजा) से घारु राम भगत, आरएसपुरा जम्मू दक्षिण से डॉ. नरिंदर सिंह रैना और जम्मू पूर्व युद्धवीर सेठी को भाजपा ने टिकट दिया। यह लिस्ट भी फिलहाल रुक गई है।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने पहले तो सभी 44 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी थी, लेकिन जब लिस्ट के खिलाफ पार्टी में बवाल मच गया तो उसे दो घंटे के भीतर वापस ले लिया गया। अभी 16 उम्मीदवारों के नाम जारी हुए हैं। भाजपा ने 44 उम्मीदवारों वाली अपनी पहली सूची वापस ले ली। प्रत्याशियों के नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में विरोधी सुर देखने को मिले। इसमें कई बड़े नेताओं के नाम नहीं थे। इस बीच, जम्मू में पार्टी दफ्तर में नारेबाजी भी हुई। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार दोपहर को उम्मीदवारों की दो सूची जारी की। पहली सूची में 15 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। वहीं पहली सूची के कुछ देर बाद जारी की गई दूसरी सूची में एकलौता नाम है। ये सभी नाम उन सीटों के हैं जहां पहले चरण में 18 सितंबर को मतदान होना है। पहले चरण में कुल 24 सीटों पर चुनाव होना है जिनमें 16 घाटी में और आठ जम्मू क्षेत्र में हैं।

भाजपा ने चुनाव तारीखों की घोषणा के साथ ही ऐलान कर दिया था कि वह जम्मू-कश्मीर की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने पहले चरण में दक्षिण कश्मीर की 16 सीटों में से अब तक आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। दक्षिण कश्मीर की इन सीटों पर पहले चरण में 18 सितंबर को पहले चरण में मतदान होना है। पहले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार (27 अगस्त) है। दक्षिण कश्मीर के साथ चेनाब घाटी क्षेत्र में भी पहले चरण में मतदान होगा। पार्टी ने इस क्षेत्र के लिए भी आठ नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शक्ति राज परिहार, घाटी के वरिष्ठ नेता सोफी मोहम्मद यूसुफ, पूर्व मंत्री सुनील शर्मा को मैदान में उतारा है। सुनील शर्मा पाडेर नागसेनी सीट से तो डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार मैदान में होंगे। कश्मीरी पंडित सुनील ने 2014 में किश्तवाड़ से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था। एक और कश्मीरी पंडित वीर सराफ शानगुस अनंतनाग सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं। चर्चित बिजबेहरा सीट पर सोफी यूसुफ दावेदारी पेश करेंगे, जो परंपरागत रूप से पहलगाम से चुनाव लड़ते रहे हैं। हालिया परिसीमन के बाद पहलगाम के कुछ गांव बिजबेहरा सीट में शामिल हो गए हैं। यूसुफ का मुकाबला पीडीपी की इल्तिजा मुफ्ती से होगा। इल्तिजा, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं।

दूसरी लिस्ट में शामिल चौधरी रोशन हुसैन गुज्जर कोंकरनाग से चुनाव लड़ेंगे। वह भाजपा एसटी मोर्चा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पद पर हैं। भाजपा की दो सूची में केवल एक ही महिला उम्मीदवार हैं। पार्टी ने शगुन परिहार को किश्तवाड़ से मैदान में उतारा है। शगुन परिहार भाजपा के दिग्गज नेता रहे अनिल परिहार की भतीजी हैं। अनिल जम्मू कश्मीर भाजपा के सचिव थे। नवंबर 2018 में किश्तवाड़ में आतंकियों ने शगुन के पिता अनिल परिहार और चाचा अजीत परिहार की हत्या कर दी थी। भाजपा की ओर से टिकट मिलने पर शगुन ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया है। भाजपा उम्मीदवार ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे किश्तवाड़ के लोग किश्तवाड़ की बेटी को खुले दिल से अपनाएंगे। यह चुनाव केवल परिहार परिवार का नहीं बल्कि यह उन तमाम बलिदानियों के परिवार का है जिन्होंने देश की अखंडता के लिए अपनी जान दी है।

इससे पहले, सोमवार सुबह भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, करीब दो घंटे बाद ही इस सूची को वापस ले लिया गया था। भाजपा की पहली सूची में पहले चरण के 15, दूसरे चरण के 10 और तीसरे चरण के 19 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी। हालांकि, इस सूची में पूर्व उपमुख्यमंत्रियों निर्मल सिंह और कविंद्र गुप्ता के नाम नहीं थे। इसमें भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना का भी नाम नहीं था। सुबह भाजपा की पहली सूची के जारी होते ही जम्मू भाजपा के बड़े नेताओं में नाराजगी की खबरें आईं। चुनाव में टिकट नहीं मिलने वाले भाजपा नेताओं के समर्थक अपने उम्मीदवार के लिए टिकट की मांग को लेकर जम्मू स्थित भाजपा कार्यालय पहुंच गए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर हंगामा भी किया।

सोमवार हुए घटनाक्रमों के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना ने प्रतिक्रिया दी है। रैना ने कहा, पार्टी दफ्तर में एकत्र हुए भाजपा के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का मैं सम्मान करता हूं। भाजपा का हर कार्यकर्ता हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मैं हर एक से मिलूंगा, मैं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिल रहा हूं और उनसे बातचीत कर रहा हूं। अगर कोई पार्टी कार्यकर्ता परेशान है या उसे कोई समस्या है, तो हम बैठकर उसका समाधान निकालेंगे। रविंदर रैना ने कहा, मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखें। मैं पार्टी के हर कार्यकर्ता और पार्टी नेता का सम्मान करता हूं। मैं उनसे मिलूंगा और जल्द से जल्द समाधान निकालूंगा।

जम्मू कश्मीर में तीन चरण में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पहले चरण के लिए अधिसूचना 20 अगस्त को जारी होगी, वहीं नामांकन की आखिरी तारीख 27 अगस्त होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अगस्त होगी। 18 सितंबर को पहले चरण में 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा।

2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में चुनाव हुए थे। तब 87 सीटों वाली विधानसभा के लिए 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2014 तक पांच चरणों में मतदान हुआ था। परिणाम 23 दिसंबर, 2014 को घोषित किए गए थे। 87 सदस्यीय विधानसभा में महबूबा मुफ्ती की जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को सबसे ज्यादा 28 सीटें मिलीं थीं। वहीं, दूसरे स्थान पर भाजपा थी जो 25 सीटों पर जीतने में सफल रही थी। फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस को 15, जबकि कांग्रेस को 12 सीटों पर जीत मिली थी। तीन सीटों पर निर्दलीय तो चार सीटों पर अन्य छोटे दलों को जीत मिली थी। नतीजों से साफ है कि कोई भी दल बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका था।

नतीजों के बाद भाजपा-पीडीपी ने सरकार बनाई थी। पीडीपी-भाजपा की यह गठबंधन सरकार दो साल से ज्यादा वक्त तक चली। जून 2018 में भाजपा ने महबूबा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती की सरकार गिर गई। 5 अगस्त, 2019 को राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। धारा 370 हटने के बाद अब पहली बार राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे।

40 स्टार प्रचारकों...

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, जी किशन रेड्डी, शिवराज सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी और जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर अन्य प्रमुख चेहरे हैं जो चुनाव प्रचार के दौरान जम्मू और कश्मीर का दौरा करेंगे।

यूपीएस लागू...

महाराष्ट्र सरकार के अंतर्गत अभी लगभग 14.5 लाख कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उनकी है, जिन्होंने 2004 के बाद नौकरी पाई है। 2004 के बाद नौकरी पाने वालों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में उन्हें अब सेवानिवृत्ति के समय अधिक लाभ चुनने की आजादी होगी। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनावों से जोड़ कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह निर्णय राज्य कर्मचारियों में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए एनडीए सरकार ने लिया है। महाराष्ट्र में 2024 के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें एनडीए का मुकाबला इंडी गठबंधन से है।

यूपीएस को केंद्र सरकार ने शनिवार 25 अगस्त को मंजूरी दी थी। इसके तहत 1 जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार में नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को अधिक सेवानिवृत्ति लाभ देने की बात कही गई है। इसके तहत यदि को केंद्र सरकार का कर्मचारी 25 वर्षों तक सेवा देता है, तो उसे उसकी अंतिम बेसिक तनख्वाह का 50 प्रतिशत निश्चित तौर पर पेंशन में दिया जाएगा। कर्मचारियों को पेंशन में महंगाई भत्ता भी मिलेगा। इसके अलावा कर्मचारी की मौत पर उसके परिजनों को उसकी तनख्वाह का 60 प्रतिशत देने का फैसला सरकार ने किया है। साथ ही उन कर्मचारियों को 10 हजार पेंशन निश्चित तौर पर दी जाएगी, जिन्होंने केंद्र सरकार को 10 साल तक सेवा दी है।

केंद्र सरकार ने यूपीएस के जरिए पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की मांग को पूरा करने की कोशिश की है। हालांकि, यूपीएस पुरानी पेंशन स्कीम से काफी अलग है। ओपीएस के अंतर्गत पहले कर्मचारियों को कोई भी अंशदान नहीं देना होता था, जबकि अभी यूपीएस में यह अंशदान जारी रहेगा।

मेडिकल छात्रा पर ...

साथ ही उसे परीक्षा में भी फेल कर दिया जाएगा। लेकिन अगर वो टीएमसी में शामिल हो जाती है तो वे उसे काफी फायदा देंगे। पीड़िता ने इसके लिए मेडिकल कॉलेज के चार प्रोफसरों और डीन पर आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि इस तरह की घटनाओं को कॉलेज के इन्हीं चार प्रोफेसरों पर इन गुनाहों पर पर्दा डालने की कोशिश की।

छात्रा की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के डीन को हटा दिया गया है। बताया जाता है कि इस मामले की शुरुआत पिछले साल जून में शुरू हुई। एक आंदोलनकारी और इंटर्न डॉक्टर प्रभात पटवारी ने इस घटना को लेकर बताया कि पीड़ित छात्रा ने बताया था कि उसे कुछ दिक्कतें थीं, जिसको लेकर उसने हॉस्पिटल के अधीक्षक से मिलकर इसकी शिकायत की तो उस पर भी टीएमसी ज्वाइन करने के लिए दबाव डाला। लेकिन, जब उसने उसकी बात नहीं मानी तो अधीक्षक ने उसे दूसरे प्रोफेसर के पास भेज दिया। बताया जाता है कि पीड़िता के पिता एक सरकारी अस्पताल के कर्मचारी हैं। कहा जा रहा है कि पीड़िता के पिता को भी धमकाया गया है। लेकिन, जब मामले में तूल पकड़ा तो मेडिकल छात्रा ने डीन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगांव के ढिंग इलाके में गुरुवार को ही तीन आरोपियों ने 14 वर्षीय नाबालिग का रेप किया था। इस घटना के बाद इसका व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था। हालांकि, आरोपियों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अचानक से वो पुलिस की कस्टडी से भागने लगा और अचानक तालाब में गिरकर डूबने से उसकी मौत हो गई। कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम सरमा ने कहा कि ढिंग के पीड़ित परिवार ने मुझसे कहा है कि वो लोग वहां नहीं रहना चाहते हैं। हालात ये हो जाते हैं कि पांच लाख की जमीन के लिए उन्हें 50 लाख रुपए की पेशकश की जाती है।

इस्लामिक कट्टरपंथियों की हरकतों को लेकर मुख्यमंत्री बताते हैं कि कट्टरपंथियों का तरीका यह है कि पहले एक-दो लोग किसी गांव में आते हैं। वहां पर घर बनाते हैं। उसके बाद शुरू होता है असली खेल, जहां ये लोग अपने घरों में मांस भक्षण शुरू कर देते हैं। इसका असर ये होता है कि बाकी के लोग परेशान होकर वो इलाका छोड़ देते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मंगलदाई, बारपेटा समेत अन्य स्थानों पर ऐसा हो रहा है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ पर कहा है कि हाल ही में राज्य में प्रवेश करने वाले अवैध घुसपैठियों का विश्लेषण किया गया है और पाया गया है कि उनमें से एक भी हिंदू नहीं था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इन घुसपैठियों का उद्देश्य रोजगार की तलाश में भारत में आना है, क्योंकि उनके देश में कपड़ा कारखानों के बंद होने के कारण उन्हें नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, हमने हाल ही में बांग्लादेश से अवैध रूप से आ रहे लोगों का गहन विश्लेषण किया है। इनमें से एक भी व्यक्ति हिंदू नहीं है। वहां के हिंदू समुदाय के लोग अब भी बांग्लादेश में रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि घुसपैठ करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग हैं, जिनकी नौकरियां बांग्लादेश में कपड़ा कारखानों के बंद होने के कारण चली गई हैं। अब वे रोजगार के लिए तमिलनाडु जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस दावे से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इसे सरमा की राजनीति का हिस्सा बताया है, जबकि सरकार समर्थक इसे एक गंभीर मुद्दा मानते हैं जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री सरमा की सरकार ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की प्रक्रिया और डिटेंशन सेंटर बनाने की पहल सरकार की इन्हीं कोशिशों का हिस्सा है।

9 साल में...

सुरक्षित करने के लिए फर्जी जाति और विकलांगता प्रमाण पत्र पेश करने के लिए कटघरे में है। सरकार के अधीन 93 मंत्रालयों और विभागों में से 59 के लिए आरटीआई रिकॉर्ड उपलब्ध कराए गए। रिकॉर्ड के अनुसार इस अवधि में रेलवे में 349 ऐसी शिकायतें दर्ज कीं गई। इसके बाद डाक विभाग में 259, जहाजरानी मंत्रालय में 202 और खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग में 138 शिकायतें दर्ज की गईं। डीओपीटी के अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई मामले विभिन्न अदालतों में भी लंबित हैं।

जुलाई में पूजा खेडकर विवाद के बाद दाखिल एक आवेदन पर आरटीआई जवाब हासिल हुआ। इससे पता चलता है कि डीओपीटी ने 2010 में तत्कालीन लोकसभा भाजपा सांसद रतिलाल कालिदास वर्मा की अध्यक्षता वाली एससी/एसटी के कल्याण पर तत्कालीन संसदीय समिति की सिफारिश के बाद ऐसी शिकायतों का डेटा इकट्ठा करना शुरू किया था। समिति ने सिफारिश की कि डीओपीटी सभी मंत्रालयों, विभागों, पीएसयू, बैंकों, निकायों और राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों से झूठे जाति प्रमाणपत्रों के मामलों की प्रगति और निपटान की निगरानी के उद्देश्य से नियमित रूप से जानकारी प्राप्त करे। समिति ने यह भी कहा कि इस समस्या से हमेशा के लिए निपटने के लिए कार्य योजना बनाई जा सकती है।

इस संबंध में पहला कम्युनिकेशन डीओपीटी द्वारा 28 जनवरी, 2010 को मंत्रालयों और विभागों को जारी किया गया था। इसमें सभी विभागों को प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सभी संगठनों से उन मामलों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने को कहा गया, जहां उम्मीदवार को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों के खिलाफ नियुक्ति मिलने का आरोप है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस तरह के डेटा की मांग करने वाला अंतिम कम्युनिकेशन 16 मई 2019 को जारी किया गया था।

सरकार बताए...

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह इनकी पहचान करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार राज्य में अवैध रूप से घुसने वालों की पहचान करके आंकड़े तैयार करे और उन्हें राज्य से बाहर करे। इसको लेकर संथाल परगना के जिलों ने कमिटियों का गठन किया था। इन समितियों का काम जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करना था। अब इस मामले में इन जिलों के प्रशासन ने कहा है कि राज्य में कोई घुसपैठिया नहीं है।

जहां झारखंड सरकार घुसपैठ की बात को कोर्ट के भीतर नकार रही है वहीं विपक्षी दल दूसरी चिंता जता रहे हैं। हाल ही में भाजपा की रिपोर्ट में सामने आया है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में वोटरों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़त 20 प्रतिशत से 123 प्रतिशत तक की है। यह बढ़त इन 10 विधानसभा के कुल 1467 बूथ पर हुई है। भाजपा ने बताया है कि सामान्यतः पांच वर्षों में 15 प्रतिशत से 17 प्रतिशत की वृद्धि होती है, इसीलिए यह वृद्धि असामान्य है। भाजपा ने यह भी बताया है कि हिन्दू आबादी वाले बूथ पर वोटरों की संख्या में बढ़त मात्र 8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत हुई है। भाजपा ने यह भी बताया है कि कई बूथ पर हिंदू मतदाता घट भी गए हैं।

झारखंड हाईकोर्ट की टिप्पणी को रेखांकित करने वाली काफी सारी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले मार्च 2024 में एक आधिकारिक रिपोर्ट में बताया गया था कि यहां बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए, पश्चिम बंगाल के रास्ते आते हैं। इसके बाद वह यहीं बस जाते हैं। इनमें से कुछ आदिवासियों की लड़कियों को निशाना बनाते हैं। जब लडकियां उनके दिखावे में फंस जाती हैं तो उनसे शादी कर लेते हैं। शादी के बाद लड़की की कागजों में पहचान जनजाति के तौर पर ही रहने दी जाती है। इसके बाद उस लड़की के नाम पर जमीन ली जाती है या फिर उसकी ही जमीन पर कब्जा कर लिया जाता है। रिपोर्ट में बताया गया था कि यह सब करने के लिए बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को फंडिंग मिलती है। लड़की की पहचान जनजातीय रखने के पीछे सरकारी फायदे लेने के मकसद रहता है। इसके अलावा कई जगह उन लड़कियों को चुनाव भी लड़वाया गया, जिन्होंने मुस्लिमों से शादी की।

रिपोर्ट में बताया गया था कि यहां घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी इस जमीन में खनन के लिए भी ऐसा कर रहे हैं। कुल मिलाकर धीमे-धीमे इस इलाके की पहचान बदली जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में घुसते ही फर्जी पहचान पत्र भी बनवा लेते हैं। इसमें इनकी मदद पहले से आकर बस चुके लोग भी करते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शिक्षा का सशक्तिकरण करना ही नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय हैदराबाद के हिंदी विभाग (साहित्यिक अध्ययन संकाय) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समारोह और पुरा–छात्र मिलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रो. सुरभि भारती (प्रभारी कुलपति, ईफ्लू) ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी प्रो. नरसिम्हा राव (कुलसचिव), प्रो. सोनबा साल्वे (संकाय अध्यक्ष) तथा प्रो. टी. वी, कट्टीमनी (कुलपति, केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश), प्रो. आर. एस. सर्राजु (पूर्व सम–कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद) और डॉ. शिवानी जॉर्ज (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) मंच पर उपस्थित रहे। इस दौरान हिंदी विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका समुच्चय का भी लोकार्पण किया गया। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथियों का पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पुरा छात्र के रूप में देश के अगल–अलग हिस्से से आये छात्रों को भी सम्मानित किया गया तथा उन्होंने अपने इस मातृसंस्था के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया।

बीज वक्ता के रूप में प्रो. कट्टीमनी ने आदिवासी ज्ञान परम्परा के महत्व के बारे में बात की और कहा कि सभी तरह के मूर्त और अमूर्त ज्ञान परम्परा की संरक्षक महिलाएँ हैं। इसके अलावा उन्होंने लर्निंग, अनलर्निंग और री–लर्निंग के संदर्भ में अपनी बात कही और कहा कि किसी भी शिक्षक में ये गुण ज़रूरी है और इन्हीं उद्देश्यों से प्रेरित होकर यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति काम करती है। विशेष अतिथि के रूप में प्रो. नरसिम्हा राव ने भारतीय ज्ञान परम्परा पर बात करते हुए उसकी संवादधर्मिता के महत्त्व को रेखांकित किया। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.आर. एस. सर्राजु ने मौजूदा दौर में भारतीय ज्ञान परम्परा को याद करने के मायने के संदर्भ में अपनी बात रखी और कहा कि तकनीकी हमारी संज्ञानात्मक संवेदनाओं को प्रभावित कर रही है। विशिष्ट अतिथि डॉ. शिवानी जॉर्ज ने अपने वक्तव्य में मूल्य क्षरण, आत्म–बोध की रिक्ति और भाषाओं के प्रति वर्तमान पीढ़ी की उदासीनता पर गंभीरता से विचार किया। मुख्य अतिथि के उद्बोधन में प्रभारी कुलपति प्रो. सुरभि भारती ने यह जानकारी साझा की कि अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने नई शिक्षा नीति –2020 के सभी स्तरों को लागू किया है। इसके अलावा उन्होंने ज्ञान, विज्ञान, जीवन दर्शन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में भाषा की भूमिका के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा रानी के विभाग के लिए लगातार अथक प्रयास की सराहना की। अध्यक्षीय उद्बोधन के रूप में प्रो. सोनबा साल्वे ने भारतीय ज्ञान परम्परा में गुरु–शिष्य के महत्व एवं समन्वय को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन एवं धन्यवाद डॉ. प्रियदर्शिनी ने किया।

सम्मलेन की औपचारिक शुरूआत के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विषय पर केंद्रित प्रथम सत्र प्रारम्भ हुआ, जिसकी अध्यक्षता डॉ. शिवानी जॉर्ज ने किया। इस सत्र में कुल छह मुख्य वक्ता रहें। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जे. आत्माराम, डॉ. दत्ता शिवराम साकोले, डॉ. जगन, डॉ. जयप्रकाश नागला, डॉ. विजया सिंह और डॉ. सौरभ कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परम्परा को संजोने और कौशल विकास जैसी योजनाओं पर बात रखी गई। इस सत्र में संचालन का हरिओम सुमन और धन्यवाद ज्ञापन श्रीया पंडा ने दिया। इसी दौरान समानांतर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रो. गंगाधर वानोडे ने किया। मुख्य वक्तागणों के रूप में डॉ. राजश्री मोरे, डॉ. के. श्यामसुंदर, डॉ. सुरेश कुमार निराला और डॉ. पी. गणेशन ने अपने विचार व्यक्त किये, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा के समावेशी रूप और उसकी उपयोगिता को व्याख्यायित किया गया। शोधार्थी रहनाज़ ई. टी. ने विषय पर अपने शोध–पत्र का वाचन किया। मंच का संचालन रवीन्द्र कुमार जाट ने और धन्यवाद ज्ञापन निधि कुमारी ने किया। कार्यक्रम का दूसरा दिन भारतीय ज्ञान परम्परा पर संकेंद्रित रहा। प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. सी. अन्नपूर्णा ने की। इस सत्र में मुख्य वक्तागणों में डॉ. अनुपमा तिवारी, डॉ. कोकिला कारेकर, डॉ. भारती, डॉ. दीपक त्रिपाठी ने अपनी बात रखी जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों के चयन, भारतीय ज्ञान पंरपरा, आश्रम की शिक्षा पद्धति और एवं अनुवाद के महत्त्व पर विचार व्यक्त किए। इसी कड़ी में संदल भारद्वाज, शीतल गुप्ता, पंकज उत्पल और सत्यजीत प्रकाश ने शोध–प्रपत्र का वाचन किया। मंच का संचालन आनंद और धन्यवाद ज्ञापन श्रुति कुमारी ने किया।

समानांतर सत्र की अध्यक्षता प्रो. करन सिंह उटवाल ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अवधेश झा, डॉ. सुमन, डॉ. भावना कौशिक, डॉ. प्रकाश कोपार्डे, डॉ. आरले श्रीकांत, डॉ. पार्वती, मंच पर उपस्थित रहें, जिसमें मिथिला के समाज, वर्तमान समाज में हो रहे नैतिक मूल्यों के क्षरण, हिंदी भाषा की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किये गए। रमा निगम, भानुप्रकाश पाठक और अलीना खलगाथ्यान ने अपने शोध–पत्र का वाचन किया। मंच का संचालन स्नेहा सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मितुल मोहन ने दिया। इसके बाद समारोह के दूसरे सत्र का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्ष्यता प्रो. माया देवी ने की। इस सत्र में प्रो. भगवान गावडे, डॉ. डी. शेषुबाबु, डॉ. अजय. डॉ. अजय आनंद मुख्य वक्तागण रहें, जिन्होंने मातृभाषाओं की प्रासंगिकता, भारतीय ज्ञान परम्परा में उपेक्षित साहित्य एवं इतिहास चर्चा की। शिषिमोल और स्नेहा सिंह ने प्रपत्र वाचन किया। संचालन रहनाज़ ई. टी. और धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप दास ने किया। इसी सत्र में समानांतर सत्र अध्यक्षता प्रो. रहीम पठान खान ने की, जिसमें डॉ. जमील, डॉ. संगीता व्यास, डॉ. बलविंदर कौर, डॉ. विशाल कुमार सिंह मुख्य वक्तागण रहें, जिन्होंने भक्ति साहित्य एवं आंदोलन, उच्च शिक्षण व्यवस्था एवं गुणवत्ता पर चर्चा की। विजय भोसागर ने प्रपत्र वाचन किया। मंच का संचालन सुमित पटेल ने और धन्यवाद ज्ञापन हरिओम सुमन ने किया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. शशि मुदिराज ने किया। सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. गंगाधर वानोडे एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. आनंद कुमार सिंह और प्रो. रेखा रानी मंच पर उपस्थित रहें, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के पहले की समितियों और आयोगों का उल्लेख करते हुए 1948 में गठित राधाकृष्णन आयोग का ज़िक्र किया गया, जिनमें यह विश्वास व्यक्त किया गया था कि भारत का भविष्य भारत के विश्वविद्यालयों में संवर रहा है। शिक्षा व्यवस्था को समय समय पर मूल्यांकन की आवश्यकता होती है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 इसी की पहल है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. शशि मुदिराज ने राष्ट्र, राष्ट्रवाद और इसके निर्मिती में भाषा और संस्कृति की क्या भूमिका रही है, इसको रेखांकित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में शिक्षा का सशक्तिकरण करना ही इस नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की चुनौतियों और उसके क्रियान्वयन पर बहुत ही विचारोत्तेजक और गंभीर विश्–लेषण किया गया। पाठ्यक्रम का आधुनिकीकरण, शिक्षा संसाधनों की अनुपलब्धता और एकल संस्थान (एनटीए) जैसी संस्थाओं की भी चर्चा हुई। यह इस सदी की सबसे बड़ी और महत्वकांक्षी योजना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की भी बात करती है, कौशल विकास जैसी योजना इसके प्रमाण हैं। समारोह का प्रतिवेदन संगोष्ठी संयोजक डॉ. प्रियदर्शिनी ने प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा रानी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परम्परा को नए दृष्टिकोण से विचार करने और उसके सफलता–पूर्वक आयोजन करने हेतु में अपने सभी सहयोगियों, प्रो. श्याम राव राठोड़, डॉ. प्रोमिला, डॉ. मालोबिका, डॉ. पंकज सिंह यादव, तथा अन्य सहयोगियों, शोधार्थी/विद्यार्थी और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार और धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच का संचालन डॉ. सौरभ कुमार (पुरा–छात्र) और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरले श्रीकांत (पुरा–छात्र) ने किया।

यादगिरी गुट्टा में परिवार मिलन आयोजित

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के परिवार का मिलन यादगिरी गुट्टा में श्री लक्ष्मी नृसिम्हा स्वामी के मंदिर में आयोजित किया गया। परिवार के सभी सदस्यों ने मंदिर में दर्शन कर रात्रि को वहीं विश्राम किया। परिवार में मुकुंद लाल अग्रवाल, नटवर अग्रवाल, राधे अग्रवाल, रामा अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, लोकेश गुप्ता, मधुर अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, उज्वल अग्रवाल, कृश अग्रवाल, चिराग़ अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, निशा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, तन्वी गुप्ता, दर्शी अग्रवाल, ख़ुशी अग्रवाल, कनक अग्रवाल, सुमिरन अग्रवाल, तिशा गुप्ता, चरित्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग ने इस्कॉन मंदिर अबिड्स में भगवान कृष्ण और राधा का आशीर्वाद लिया।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद ने किया राष्ट्रपति निलयम का भ्रमण

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद के सदस्यों ने भारत के राष्ट्रपति का दक्षिण सोजोन व विंटर हाउस राष्ट्रपति निलयम का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम के संयोजक लायन सुशील जेजनी और लायन दिनेश बलदेव तथा आयोजक लियो–लायन रीना जैन ने बहुत ही उत्तम व्यवस्था के साथ पूरे भ्रमण का आयोजन किया। लगभग 135 सदस्यों ने पूरे राष्ट्रपति निलयम के सारे पॉइंट्स जैसे नॉलेज गैलरी, मुख्य भवन, जय हिंद स्टेप वेल, नक्षत्र गार्डन, रॉक गार्डन, टनल, कल्चरल प्रोग्राम, लाइट एवं फाउंटेन शो आदि देखें और वहां पर उपस्थित गाइड्स द्वारा पूरी जानकारी ली।

शाम के भोजन की व्यवस्था लायन विनोद अग्रवाल के वेलकिन हाइट्स अपार्टमेंट (बेगमपेट) के क्लब हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहयोग देने वाले लायन सुरेश जगनानी, लायंस प्रेफुल जैन बडेरा, लायन पुलिन अग्रवाल, लायन मनोज मित्तल, लायन दीपमाला जैन, लायन जीनत चरनिया, लायन विनोद संचेती, लायन नर्सिंग अग्रवाल व अन्य थे। क्लब के अध्यक्ष लायन सतीश काबरा और मंत्री लायन पूनम जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

पित्ती ट्रस्ट–अग्रवाल सेवा दल का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट–अग्रवाल सेवा दल द्वारा जिला परिषद हाई स्कूल यपराल के सहयोग से 133वां नि:शुल्क मेडिकल कैंप यपराल (मां काली मंदिर के पास) सिकंदराबाद स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में भव्यता से संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद, स्टार हॉस्पिटल बंजारा हिल्स के जनरल फिजिशियन डॉ. प्रशांत, सहायक डॉ. कीर्ति, कार्डियोलॉजी की सेवा डॉ. नरेश, ऑर्थोपेडिक की सेवा डॉ. श्री साई ने सेवा प्रदान की। अवसर पर ईसीजी 2डी इको बीपी चेकअप आरबीएस नर्सिंग स्टाफ सपोर्ट स्टाफ बिश्वजीत महापात्रो एवं टीम लीडर शामिल थे। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के के. श्रीनिवासुलु, प्रबंधक डी वेंकटेश्वर राव हसन अली खान तकनीशियन नेत्र जांच करने के बाद 130 जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे और योग्य के लिए 36 नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा ने प्रदान की। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने 2 विकलांगों के लिए सुविधा प्रदान की गई।

शिविर में पित्ती ट्रस्ट के सीएमडी एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी पित्ती, शिविर संयोजक व अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, रतन गुप्ता, निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार जिला परिषद हाई स्कूल, यपराल के प्रधानाध्यापक जी.मनोहर, शिक्षक बी.वेंकटेश, शोभा रानी, रविंदर रेड्डी, प्रभाकर राजू, वेणु गोपाल, नागमणि, राधिका देवी, चन्द्रशेखर, नागमणि, डॉ. राजीव सिंह, स्वयंसेवक भवानी, वैष्णव, नंदिनी, शिवानी, चिन्मय, सिंधु, रेवती, श्रव्या, मेघना, सुरेखा, दीपिका, स्वयंसेवक श्री राम, वेंकट, किशोर, राघवेंद्र, मणिकांत, तनुज कुमार, ऋषित, लोकेश, संतोष, योगेश, कृष्ण कुमार, शिव कुमार, सतीश कुमार अग्रवाल, पित्ती लेमिनेशन के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाया।

सोलिटेयर हारमोनी विट्ठलराव नगर माधोपुर में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जय कन्हैयालाल की हाथी घोड़ा पालकी के साथ सामूहिक रुप से भजन–कीर्तन किया गया। राष्ट्रीय चेतना सेवा समीति तेलांगाना की प्रदेश अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, माधवी, लावण्या, भाग्यलक्ष्मी, मीता, नम्रता, शिरिषा, पूनम अग्रवाल, लता अग्रवाल, नीलिमा, सोनी, चैतन्या, दीपा, श्रुति, बच्चों एवं गणमान्य लोगों ने भक्ति से ओतप्रोत आनन्दमय होकर कान्हा का जन्मोत्सव मनाया।

तेलंगाना बजरंग सेना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव ने अपने घर पर परिवार और दोस्तों के साथ बड़े ही हर्षोल्लास और जोश के साथ कृष्ण जन्माष्टमी मनाई। इस शुभ अवसर पर एक विशेष पूजा का आयोजन किया गया, जिसके बाद भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर किरण, नीलेश, अंजलि, लक्ष्मी, दीक्षिता सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव जन्माष्टमी के अवसर पर अपने निवास बंजारा हिल्स में भगवान कृष्ण का दर्शन करते हुए अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, पत्नी संतोष अग्रवाल एवं पुत्रवधु पिंकी अग्रवाल।

10 किलो गांजे के साथ पांच लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशीली दवाओं की तस्करी में कथित रूप से शामिल पांच लोगों को हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 10 किलो गांजा और 10 हजार रुपए जब्त किए। उनके पास से तीन हजार नकद और छह मोबाइल फोन मिले।

गिरफ्तार किए गए लोगों में धूलपेट निवासी महेंद्र सिंह (26), ओडिशा के भरत अलयाना (52), ओडिशा के पद्मा थूला अलयाना (45), मंगलहाट के सुमन बल (35) और कटेदान के अमर सिंह (28) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, भरत और पद्मा शहर में तस्करी का सामान ला रहे थे और महेंद्र के माध्यम से स्थानीय तस्करों को बेच रहे थे।

श्री दादू मंदिर मोइनाबाद हैदराबाद में रविवार को आयोजित मासिक भजन संध्या में उपस्थित भक्तगण।

हैदराबाद भवानी कॉलोनी राजेंद्रनगर स्थित श्री शिर्डी साई बाबा मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कृष्ण भगवान की विशेष पूजा–अर्चना करते हुए मंदिर में भक्त गण व मंदिर के पुजारी गणेश जोशी महाराज।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद का फैलोशिप समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद का फैलोशिप समारोह सिग्नेचर ग्रिल नेकलेस रोड में आयोजित किया गया।

इस बाबत जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मीडिया प्रचार संयोजक शीतल बरलोटा ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन अर्चना नहाटा ने किया। अध्यक्ष विनोद संचेती, सचिव अनूप बडेरा, जॉइंट कोषाध्यक्ष राजेश खिंवसरा मंचासीन थे। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से राखी बाफना व साधना सिसोदिया द्वारा की गई। अध्यक्ष वीर विनोद संचेती ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। सचिव अनूप बडेरा ने अप्रैल से लेकर अगस्त तक के आयोजित परियोजना कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वक्त डॉक्टर सोनाली करवा थी जो एक सुजोक चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक है। प्रोजेक्टर द्वारा सुज-ोक की जानकारी दी। सदस्यों ने अपने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न कर उनसे ठीक होने की सलाह व जानकारी प्राप्त की। इस फेलोशिप का उद्देश्य महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के 50 वर्ष पूर्ण होने पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर चर्चा करना तथा जिसे महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा 4-5 जनवरी को सीताडेल कन्वेंशन शमसाबाद में आयोजित करने का निश्चय किया गया। इसी के तहत वीर शील कुमार जैन, बसंत बाफना, अजय नाहटा को संयोजक नियुक्त किया गया। वीरा सीमा शील कुमार जैन, राखी बाफना, अशोक खीचा, प्रीतेश बोहरा, राजेश नहाटा, एमआई उड़ान से आरती चोरिडिया एवं एमआई सिकंदराबाद से रवि तातेड को संयोजक नियुक्त किया गया। व शॉल माला द्वारा सयोंजक सह संयोजक का सम्मान किया गया।

इसी कड़ी मे जोन से शीतल सांखला, राखी बाफना, शीतल बरलोटा, मनोज सुराना का सम्मान किया गया। सम्मान में प्रभा दुग्गड, राजेन्द्र दुग्गड, मधु सुराना, रणजीत सुराना, कविता बाफना, पीसी जैन, इंदरचंद जैन, राजश्री कोठारी, अशोक खींचा का सहयोग रहा। जोन चेयरमैन वीर विनय जांगड़ा ने हैदराबाद केंद्र में जुड़े नए मेंबर्स महेन्द्र सोनी, सुनीता सोनी,दिनेश बिंजराजका,नीलम बिंजराजका को शपथ दिलाई और उन्हे सेवा कार्य से जुड़ने के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

वीर अजय नाहटा और किशोर नहाटा के नेतृत्व में विदेश यात्रा बाकू (कज़ाकिस्तान) 16 सितंबर को जाने की भी जानकारी सभी को प्रदान की गई।

जोन सेक्रेटरी वीरा राखी बाफना ने 20 अक्टूबर को अतापुर मे होनेवाली महावीर इंटरनेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट की जानकारी देते हुए सभी से सहयोग की कामना की।

इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए अपेक्स मेंबरशिप एंड सेंटर डेवलपमेंट वीरा सीमा सील कुमार जैन ने बताया कि मिश्री एक वर्चुअल सेंटर है जिसमें ऑल ओवर वर्ल्ड से कोई भी मेंबर बन सकता है और मिश्री द्वारा अपनी सेवा दे सकता है। सुमेरमल जैन ने महावीर इंटरनेशन कि डायरेक्टरी का विवेचन दिया व फॉर्म सबमिट करने की अपील की। इस अवसर पर अनिल कोमल बोहरा, निलेश सुराना, सपना सुराना, मीना खिवासरा, चन्दना नहाटा, वंदना बोहरा, सुरेश कोठारी, अविनाश बरलोटा, वर्षा नहाटा आदि उपस्थित थे। अंत में अनूप बडेरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जो गुरु के हाथ से छूट गया, वो अवश्य डूब गया : साध्वी प्रियांसाश्रीजी

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

संघ के स्वागताध्यक्ष कुशा-लराज पोकरणा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार मे संचालक ने सभी श्रावक-श्राविकाओं, बाहर क्षेत्रो से पधारे दर्शनार्थियों का स्वागत व अभिनंदन किया। साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा आदि ठाणा 3 के पावन सानिध्य में श्रमण संघ के महान साध्वी,जन-जन की आस्था केन्द्र, स्वाध्याय संस्थापिका जीवदया प्रेरिका जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा की 113वी जन्म जयंती जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में त्रीदिवस्य कार्यक्रम का आयोजन तेला तप महोउत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

आगे बताया कि सोमवार को तेला तप महोत्सव के अंतिम दिन तेला दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें करीब करीब 50 श्रावक-श्राविकाओं ने पुज्य साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा के मुखरबिंद से प्रवचन सभा मे तेले तप के पचखन ग्रहण किये। पुष्कर शील चन्दन दरबार में धर्म सभा का शुभारंभ भक्तामर जाप से हुआ। साध्वी श्री प्रियांसाश्रीजी म.सा ने अपनी गुरुणी मैया के प्रति आभार व्यक्त करते हुवे बताया कि जो गुरु के हाथ से छूट गया वो असल मे जीवन मे डुब गया। साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा ने अपने गुरुणी के जन्म जयंती के पावन प्रसंग पर कहा कि एक जिज्ञासु से पूछा कि संसार के अंदर गुरु की क्या ज़रूरत है। गुरु ने पूछा कि संसार के अंदर माँ की क्या ज़रूरत है। तब हमें यह बताया कि अगर इस संसार मे जन्म लेना है तो माँ की ज़रूरत है और इस संसार को जाना है और मोक्ष की और बढ़ना है तो गुरु ज़रूरी है।

धर्म सभा का संचालन करते हुवे चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने कहा कि तेले तप महोउत्सव के अंतिम दिवस सोमवार को भक्तामर जाप , तीन-तीन सामयिक, शील प्रस्न मंच प्रतियोगिता व अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगे बताया कि तेले करने वाले सभी तपस्वियों के सामूहिक पारणे श्री संघ द्वारा मंगलवार को बम्ब सिंघी भवन में कराए जाएंगे। प्रवचन के पश्चात तेजस्वी बहु मंडल द्वारा कृष्णजन्माष्टमी के उपलक्ष्य में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रखी गई जिसमें करीब 30 बालक-बालिकाओ ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पुरस्कार महिला समिति द्वारा दिये गए। धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

29 अगस्त से प्रारंभ होगा इलेक्ट्रिक एक्सपो का पांचवां संस्करण

उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। इले-क्ट्रिक एक्सपो के पांचवें संस्करण का उद्घाटन 29 अगस्त को आईटी, उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अमीर अली खान, कांग्रेस एमएलसी भी शामिल होंगे। सम्मानित अतिथियों में सी.शेखर रेड्डी, अध्यक्ष सीआईआई और आईजीबीसी हैदराबाद चैप्टर, वी.राजशेखर रेड्डी अध्यक्ष क्रेडाई हैदराबाद शामिल हैं। देश के कई प्रमुख उद्योगपति भी इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। एक्सपो का यह संस्करण तीन दिवसीय एक्सपो के दौरान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों वाले विद्युत उत्पादों का प्रदर्शन करेगा। पर्यावरण और ऊर्जा के अनुकूल उत्पाद लॉन्च किए जाएंगे। 200 से अधिक स्टालों पर घरेलू औद्योगिक और उपभोक्ता बाजारों के लिए नए युग के उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य स्वच्छ हरित और अधिक टिकाऊ विश्व के लिए कार्रवाई का आह्वान करना है।कार्यक्रम के आयोजक, सिकंदराबाद इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन (एसईटीए) के अध्यक्ष सुरेश जैन के अनुसार, एक्सपो बड़ा होने का वादा करता है क्योंकि स्टॉल पूरी तरह से बिक चुके हैं और शीर्ष इंजीनियरों, एमएसएमई, सरकारी विभागों, सीपीडब्ल्यूडी, आरएंडबी सहित 30000 से अधिक लोग इसमें शामिल होंगे। आर्किटेक्ट्स के एक्सपो में आने की उम्मीद है। भारतीय वायर और केबल बाजार का आकार 2023 में 1083 बिलियन रुपये तक पहुंच गया है। 2024 में इसके 14.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

अग्रवाल समाज बोवेनपल्ली शाखा की सावन की सैर और वार्षिक आम बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज बोवेनपल्ली शाखा ने सावन की सैर और वार्षिक आम बैठक का आयोजन 25 अगस्त रविवार को सेलिब्रिटी रिसॉर्ट, शमीरपेट में किया। जिसमें शाखा सदस्यों के साथ परिवार और मित्रगणों सहित 72 सदस्य शामिल हुए।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, सह सचिव कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल का दुर्गा प्रसाद बंसल शाखा अध्यक्ष, सुनील अग्रवाल उपाध्यक्ष, अजय तुलस्यान सचिव, मोहित अग्रवाल संयुक्त सचिव, सुमित कुमार बंसल के.एस. सदस्य ने अभिनंदन किया। मनीष अग्रवाल ने सभी सदस्यों को समाज के सभी कार्यक्रमों में भाग लेने और अधिक से अधिक संख्या में

परिवार के सभी सदस्यों को शामिल करने के लिए संबोधित किया।

उन्होंने हर खुशी के अवसर पर धन पात्र योगदान पर भी जोर दिया, जिससे समाज को और मजबूती मिल सके। वार्षिक आम बैठक में शाखा अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल ने बोवेनपल्ली शाखा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा खाता बही प्रस्तुत की, जिसे सभी शाखा सदस्यों ने स्वीकार किया। इस अवसर पर शाखा के वरिष्ठतम सदस्य का सामान किया गया।

शाखा ने सदस्यों के लिए यात्रा हेतु बस सेवा की व्यवस्था की थी। यात्रा के दौरान नाश्ते की व्यवस्था ताजा टिफिन्स ठुमकुंटा में तथा दोपहर का भोजन तथा शाम चाय की व्यवस्था सेलिब्रिटी रिसॉर्ट में की गई। सभी शाखा सदस्यों ने क्रिकेट, वॉलीबॉल, ठग ऑफ वार, स्नूकर, टेबल टेनिस, तैराकी, रेन डांस, तंबोला, म्यूजिकल चेयर तथा अन्य खेलों का आनंद लिया तथा प्रतिभागियों एवं विजेताओं को उपहार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में दुर्गा प्रसाद बंसल अध्यक्ष, सुनील अग्रवाल उपाध्यक्ष, अजय तुलस्यान सचिव, मोहित अग्रवाल कोषाध्यक्ष, सुमित बंसल के.एस.सदस्य, दिनेश गोयल, सोमेश गोयल, अमित गुप्ता, नरेश गुप्ता, आनंद खेतान, नरेंद्र अग्रवाल, संदीप बंसल, संजय अग्रवाल, महेंद्र सिंघल, नरेश अग्रवाल, इंद्र करण गुप्ता और परिवार के सदस्यों के साथ अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक को खारिज करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना वक्फ बोर्ड (टीजीडब्ल्यूबी) ने सोमवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को खारिज करने का संकल्प लिया।

टीजीडब्ल्यूबी के अध्यक्ष सैयद अजमतुल्लाह हुसैनी की अध्यक्षता में यहां आयोजित बैठक में कहा गया कि विधेयक एक खास मानसिकता के साथ तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता को नष्ट करना है। बैठक में कहा गया कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय और वक्फ संस्थानों को निशाना बनाने के लिए एक प्रतिगामी कदम है और विवादास्पद विधेयक के माध्यम से इस तरह के विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने की निंदा की। टीजीडब्ल्यूबी ने अपेक्षित दस्तावेज/डेटा प्रस्तुत करने के लिए संयुक्त कार्य समिति गठित करने और उन सभी वक्फ बोर्डों के अध्यक्षों/सीईओ के साथ सम्मेलन आयोजित करने का भी संकल्प लिया, जहां गैर-भाजपा सरकार मौजूद है। बैठक में कहा गया कि प्रस्तावित विधेयक के तहत सभी वक्फ को कलेक्टरों के पूर्ण नियंत्रण में लाने का प्रावधान है, जो किसी भी वक्फ संपत्ति को सरकारी संपत्ति के रूप में दावा करने और निर्धारित करने तथा मुतवल्ली को निर्देश देने के लिए स्वतंत्र होंगे और इसका अनुपालन मुतवल्ली के लिए बाध्यकारी होगा।

इस विधेयक में वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड को मनोनीत करके, दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करके तथा परिषद और बोर्ड को अंततः गैर-मुस्लिम वर्चस्व में आने की गुंजाइश देकर उनके ढांचे को नष्ट कर दिया गया है।

आंध्र में पुलिस ने छात्राओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरुक

काकीनाडा, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा में पुलिस ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा और संरक्षा पहलुओं पर जागरुक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है।जिले के जगन्नाइकपुर में पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण छात्रावास परिसर में उच्च विद्यालय की छात्राओं को संबोधित करते हुए महिला पुलिस थाने के क्षेत्रीय निरीक्षक पेड्डीरेड्डी रामचंद्र राव ने कहा कि सरकार महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। वहीं, महिला पुलिस छात्राओं में विभिन्न परिस्थितियों से खुद को बचाने के तरीके के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ विक्रांत पाटिल व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और पुलिस अधिकारियों तथा कर्मियों को समय-समय पर निर्देश दे रहे हैं। महिला पुलिस थाने की उपनिरीक्षक लक्ष्मीकांतम ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर सीखने के साथ ही आपात स्थिति में पुलिस का सहयोग लेना चाहिए। निरीक्षक रामचंद्रराव ने छात्राओं को लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करने की सलाह दी, ताकि वे हर क्षेत्र में सफल हो सकें। उन्होंने कहा कि किताबें पढ़ने से ज्ञान प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है और लक्ष्य प्राप्ति में भी मदद मिलती है।

अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के शहर हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एचएनईडब्ल्यू) ने यहां एक ड्रग तस्कर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 8.5 किलोग्राम एम्फ़ैटेमिन ड्रग जब्त किया है।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एचएनईडब्ल्यटीम ने बोवेनपल्ली पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया और रविवार शाम को यहां बोवेनपल्ली में तीन आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से एम्फेटामाइन ड्रग, एक कार तथा तीन मोबाइल फोन जब्त किए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में संगारेड्डी जिले का निवासी कुंचला नागराजू (34) उर्फ नागराज, उसका सहयोगी आशागौनी विनोद कुमार गौड़ (32) और मेडचल जिले के डंडीगल का निवासी कुंती श्रीशैलम उर्फ श्रीशैलम (42) शामिल हैं। मुख्य संदिग्ध बौरामपेट डंडीगल का गोसुकोंडा अंजी रेड्डी ने ड्रग्स का निर्माण किया। उसको पहले ही अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। श्री रेड्डी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर नागराजू ने अपने दो सहयोगियों विनोद और श्रीशैलम के साथ एम्फ़ैटेमिन बेचने की योजना बनाई। वह प्रतिबंधित पदार्थ लेकर शहर आया और बो-वेनपल्ली में पकड़ा गया। अंजी रेड्डी को हिरासत में लेकर इस मामले के संबंध में उससे पूछताछ करेगी।

फर्जी डॉक्टरों के क्लीनिकों के खिलाफ टीजीएसएमसी की छापेमारी जारी

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीज-ीएसएमसी) के वरिष्ठ डॉक्टरों ने तेलंगाना में फर्जी डॉक्टरों के परिसरों की पहचान करने और छापेमारी करने के अपने प्रयास जारी रखे हैं। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, टीज-ीएसएमसी ने हाल ही में फर्जी डॉक्टरों पर छापेमारी की, जिनके पास एमबीबीएस की डिग्री नहीं थी, लेकिन वे शमशाबाद और शादनगर इलाके में क्लीनिकों से एलोपैथी का अभ्यास कर रहे थे। टीजीएसएमसी के अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार और इसके उपाध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास गुंदागानी ने कहा कि पकड़े गए कुछ झोलाछाप डॉक्टरों के पास 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने की योग्यता भी नहीं थी और फिर भी वे किसी दिन पकड़े जाने की चिंता के बिना क्लीनिक चला रहे थे।

डॉ. महेश कुमार ने कहा कि छापेमारी के दौरान उन्हें बड़ी संख्या में एंटीबायोटिक इंजेक्शन (एमिकासिन), और कॉर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन (प्रोजेस्टेरोन, सेट्रोरेलिक्स) मिले, जो आमतौर पर एलोपैथी के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को दिए जाते हैं। फर्जी डॉक्टर मरीजों को अतार्किक तरीके से निर्धारित दवाएं लिख रहे हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। ऐसी दवाओं को अतार्किक तरीके से लिखने से कई अंगों पर विषाक्त प्रभाव पड़ सकता है, जिससे रीढ़ की हड्डी में विकृति, महिलाओं में प्रजनन संबंधी समस्याएं और रोगाणुरोधी प्रतिरोध जैसी जटिलताएं हो सकती हैं।

डॉ. श्रीनिवास ने कहा, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और स्टेरॉयड-प्रेरित प्रतिरक्षा प्रभाव इस समय प्रमुख वैश्विक खतरे हैं। एनएमसी अधिनियम 34 और 54 के अनुसार कोई भी व्यक्ति जो अनुसूचित दवाएं लिखता है या इंजेक्शन देता है या प्राथमिक चिकित्सा के अलावा आधुनिक चिकित्सा का अभ्यास करता है, एक संज्ञेय अपराध है जिसके लिए 1 साल की कैद और 5 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है।

हत्यारोपी अभिनेता दर्शन को जेल में मिल रही थी विशेष सुविधा

सात जेल अधिकारी निलंबित अधीक्षक का तबादला

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

रेणुका स्वामी हत्याकांड मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप की परप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल के अंदर सिगरेट पीते फोटो वायरल होने के बाद तहलका मच गया है। हत्यारोपी अभिनेता को जेल में मिल रही सुविधाएं चर्चा का विषय बनी हुई है। कर्नाटक सरकार के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने मामले में सात जेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही केंद्रीय जेल के अधीक्षक का तबादला किया गया है। इसमें जेलर शरण बसप्पा अमिंगद, प्रभु एस खंडेलवाल, सहायक जेलर एलएस कुप्पूस्वामी, श्रीकांत तलवार, हेड वार्डर वेंकप्पा, संपत कुमार, वार्डर के बासप्पा शामिल हैं।

अभिनेता दर्शन थूगुदीप को केंद्रीय जेल में सुविधाएं मिलने को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उन्होंने पुलिस महानिदेशक को दर्शन और अन्य को तुरंत अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही जेल का दौरा करने और मामले पर पूरी रिपोर्ट देने के लिए कहा।

मृतक रेणुका स्वामी के पिता काशीनाथ एस शिवनागौद्रू ने इसकी जांच करने और इसके पीछे के लोगों को सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा, ऐसी बातों से यह भावना पैदा हो रही है कि सीबीआई जांच होनी चाहिए।

तस्वीर देखकर मुझे आश्चर्य हो रहा है कि वह (दर्शन) अन्य लोगों के साथ हाथ में सिगरेट लिए हुए हैं और कॉफी पी रहे हैं। हमें संदेह हो रहा है कि वह जेल में हैं या नहीं। जेल को जेल ही रहना चाहिए, कुछ और नहीं बनना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि अभिनेता दर्शन थूगुदीप और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और अन्य को 8 जून को चित्रदुर्ग के रेणुका स्वामी नामक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उसका अपहरण कर लिया गया था और उसे प्रताड़ित कर मार दिया गया था। अभिनेता पर आरोप है कि वह रेणुका स्वामी की हत्या में शामिल था। अभिनेत्री पर आरोप है कि उसने दर्शन को रेणुका स्वामी को दंडित करने के लिए उकसाया था।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित भजन संध्या में गाजियाबाद की भावना शर्मा, कोलकाता के सौरभ शर्मा वं हैदराबाद के संदीप अग्रवाल ने भक्ति गीत प्रस्तुत किये। सोमवार को प्रातः 6.00 बजे से देर रात तक श्याम मंदिर में जन्माष्टमी पर पूजा-अर्चना एवं दर्शन हेतु भक्तों का तांता लगा रहा। अवसर पर लड्डू गोपाल की भव्य झांकी, श्याम बाबा का अद्भुत श्रृंगार एवं छप्पन भोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

इस्कॉन अत्तापुर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इस्कॉन अतापुर में सोमवार को जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान के दर्शन करने श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर में दर्शन के लिए दो एंट्री गेट लगाए गए थे। अत्तापुर पुलिस श्रद्धालुओं की व्यवस्था में मुस्तैद रही। इस्कॉन अत्तापुर मैनेजमेंट ने श्रद्धालुओं के लिए हर तरह से पूर्ण व्यवस्था की गई।

अवसर पर भंडारे की व्यवस्था की गई तथा दूसरी तरफ आकर्षक ढंग से सजाए गए भगवान जगन्नाथ राधे कृष्ण एवं मुरली मनोहर की श्रृंगारित झांकी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्था की गई।

सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। मंदिर प्रांगण में विभिन्न तरह के स्टॉल लगाये गए।

इस अवसर पर इस्कॉन अत्तापुर के अध्यक्ष सीताराम दास, मैनेजर चैतन्य अवतार दास, मैनेजर सचिनंदन हरिदास, कमांडर मधुर कन्हाई दास ने अपनी मंदिर टीम के साथ व्यवस्था में मुस्तैद रहे।

भूमि आवंटन के आरोपों को लेकर जांच के दायरे में आए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

कर्नाटक में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) की ओर से एयरोस्पेस उद्यमियों के लिए आरक्षित भूमि में से 5 एकड़ जमीन उनके परिवार को आवंटित किये जाने की जांच के दायरे में आ गये हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने सोशल मीडिया पर जारी पत्र में इस तरह के आवंटन के लिए खड़गे परिवार की योग्यता की वैधता पर सवाल उठाया। श्री सिरोया ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री को टैग करते हुए पूछा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का परिवार केआईएडीबी भूमि के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए एयरोस्पेस उद्यमी कब बन गया? क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव का मामला है? कथित तौर पर नागरिक सुविधाओं के लिए एससी कोटा के तहत आरक्षित भूमि, खड़गे परिवार द्वारा प्रबंधित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को आवंटित की गई है। सिरोया ने आरोप लगाया है कि यह आवंटन अवैध और राजनीतिक पक्षपात का सूचक है।

मार्च 2024 में आवंटन को मंजूरी देने वाले कर्नाटक के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल की भागीदारी ने विवाद को और बढ़ा दिया है।

श्री सिरोया ने इस मामले की गहन जांच की मांग करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह मुद्दा पहले ही एक आरटीआई कार्यकर्ता के माध्यम से राज्यपाल कार्यालय तक पहुंच चुका है। उन्होंने खड़गे परिवार से जमीन छोड़ने का आग्रह किया है।

29 लाख के इनामी छह कट्टर नक्सलियों समेत 19 का आत्मसमर्पण

बीजापुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले से बड़ी खबर सामने आई है जहां 29 लाख रुपए के इनामी छह कट्टर नक्सलियों ने अपने 19 अन्य साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है।

समर्पण करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की दो महिला नक्सली भी शामिल हैं। संगठन में भेद-भाव से परेशान होकर नक्सलियों ने यह कदम उठाया है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव के सामने सोमवार को इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सभी नक्सली गांगलूर इलाके में सक्रिय थे।

शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

ज्योतिष ASTROLOGY

नाकौड़ा भैरव ज्योतिष

(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME

I, No-15148414L HAV Hariharan K presently residing at Vill - Sammandhapuram, PO-Rajapalayam, District-Virudhunagar, PIN-626117, State-Tamil Nadu, have changed my daughter name from MOHANA NACHIYAR to MOHANA NACHIYAR H and date of birth is 04/08/2008 add in my service documents before The X Spl Judicial Magistrate Hyderabad dated 12/08/2024.

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,086.21
+33.02 +0.04% ↑
एनएसई :24,823.15
11.65 (0.05%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,910/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 87,300/- (प्रति किलोग्राम)

महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर श्री श्याम दिवाने, मलकपेट, हैदराबाद द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा व संदीप चांडक। इस अवसर पर मंदिर में दर्शन करने पहुंचे पूर्व विधायक मैनामपल्ली हनुमंत राव एवं कैन्टोनमेंट विधायक गणेश का स्वागत एवं सम्मान किया। श्याम बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया एवं छप्पन भोग चढाया गया। कार्यक्रम में अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, रुपेश सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, ब्रिजेश मोदी, रवि सबलका एवं श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य तथा सैकड़ो की संख्या में कृष्ण भक्त उपस्थित होकर पूजा-अर्चना, दर्शन एवं भजन संध्या का आनंद उठाया। मध्य रात्रि 12.00 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया गया।

तेलंगाना में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करे कांग्रेस सरकार : केटीआर

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने डेंगू से हुई मौतों पर चिंता जताई

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। डेंगू से बढ़ती मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को सुझाव दिया कि राज्य सरकार गंभीर समस्या को स्वीकार करे और तेलंगाना में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करे।

रामा राव ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जबकि राज्य सरकार दावा कर रही है कि राज्य में डेंगू से कोई मौत नहीं हुई है, शनिवार को कम से कम पांच मौतें और सोमवार को तीन मौतें हुईं।

उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों को दवाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है और बढ़ते मामलों के कारण अधिकांश अस्पतालों में तीन-चार मरीजों को एक ही बिस्तर साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। केटीआर ने कहा कि डेटा कौन छिपा रहा है और क्यों? यह स्वीकार करने

का समय आ गया है कि यह एक गंभीर समस्या है और स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए।

एक अन्य पोस्ट में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पिछले दो सीज़न के लिए रायथु भरोसा निवेश समर्थन को लागू नहीं करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रही और किसानों और किरायेदार किसानों को प्रतिवर्ष 15,000 रुपये के साथ-साथ खेत मजदूरों को 12,000 रुपये से वंचित कर दिया। उन्होंने कहा कि फसल ऋण माफी के लाभार्थियों की संख्या उन लोगों की तुलना में बहुत कम है जिन्हें वंचित कर दिया गया था। उन्हें यह बताने वाला कोई नहीं है कि सारी पात्रता होने के बावजूद उन्हें लाभ से क्यों वंचित रखा गया। कांग्रेस ने एक बार फिर किसानों को धोखा देने के लिए खाली हाथ दिखाया है। इस बीच, केटीआर ने भोंगिर के पेद्दावाड़ा सम्मद जंक्शन में एक आंगनवाड़ी केंद्र में वितरित सड़े हुए उबले अंडे को पकड़े हुए एक बच्चे का वीडियो भी साझा किया और राज्य सरकार से सवाल किया। उन्होंने इसे नृशंस बताते हुए जिला कलक्टर से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

सीएम रेवंत अपने मुफ्त एलआरएस के वादे का सम्मान करें : हरीश राव

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से भूमि नियमितीकरण योजना (एलआरएस) को मुफ्त में लागू करने के अपने चुनावी वादे का सम्मान करने के लिए कहा। उन्होंने देरी से फसल ऋण माफी और किसानों को रायथु भरोसा समर्थन, और व्यापक बुखार के कारण बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और अन्य चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में विफलता के लिए राज्य सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अधिकारियों को लक्ष्य तय करने और भारी एलआरएस शुल्क इकट्ठा करने में व्यस्त है, जिससे नागरिकों

पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। ग्राम सचिवों और बिल संग्राहकों सहित फील्ड स्टाफ को आक्रामक तरीके से एलआरएस शुल्क एकत्र करने के लिए परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अधिकारी नागरिकों को धमकी दे रहे हैं कि अगर भुगतान तुरंत नहीं किया गया तो वे संपत्ति लेआउट रद्द कर देंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार एलआरएस शुल्क के माध्यम से 15,000 करोड़ रुपये इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है, जो लोगों पर एक अन्यायपूर्ण बोझ है। उन्होंने कहा, यह लोगों का मांस और खून चूसने से कम नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री को बिना किसी आरोप के एलआरएस को लागू करने के लिए उनके और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और मंत्रियों एन उत्तम कुमार रेड्डी और डी अनसूया उर्फ सीताक्का सहित अन्य कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए चुनावी वादों की याद दिलाई। उन्होंने सरकार के रुख में बदलाव पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि उसने उन्हीं लोगों का शोषण किया है जिनका उसने समर्थन करने की कसम खाई थी।

पूर्व मंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व के दोहरे मानदंडों को उजागर किया और बताया कि मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एलआरएस के खिलाफ तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक याचिका भी दायर की थी। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से मुफ्त एलआरएस के अपने वादे को पूरा करने में सरकार की विफलता के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए एलआरएस शुल्क का भुगतान करने से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेगा कि एलआरएस को नि:शुल्क लागू किया जाए और कांग्रेस सरकार को अपनी प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह बनाया जाए।

नांदेड़ से सांसद वसंत चव्हाण का हैदराबाद में निधन

हैदराबाद/नांदेड़, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हाल ही में नांदेड़ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए वसंतराव चव्हाण का लंबी बीमारी से जूझने के बाद सोमवार सुबह हैदराबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। सूत्रों के मुताबिक, वसंत चव्हाण कई दिनों से बीमार थे और उनका हैदराबाद के किम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था।हालांकि, रविवार को कांग्रेस नेता की हालत बिगड़ गई और सोमवार सुबह 4

बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

जानकारी के अनुसार, श्वसन संबंधी समस्या से पीड़ित चव्हाण को पिछले सप्ताह एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उन्हें हैदराबाद के किम्स अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां आज तड़के उनकी मृत्यु हो गई।नांदेड़ जिले के नायगांव में जन्मे वसंतराव चव्हाण लंबे समय तक ग्राम पंचायत सदस्य रहे और बाद में 1990 और 2002 में जिला परिषद सदस्य बने।

वह 2002 में महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए चुने गए और 2009 में नायगांव विधानसभा सीट (2009 में इसके गठन के बाद) से एक स्वतंत्र विधायक के रूप में चुने गए। वसंतराव चव्हाण 2014 के चुनावों में कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में राज्य के निचले सदन के लिए फिर से चुने गए और 2021 से 2023 तक नांदेड़ जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी रहे। वह सितंबर 2014 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और कांग्रेस पार्टी के सदस्य के रूप में 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के लिए फिर से चुने गए। पारिवारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि चव्हाण का अंतिम संस्कार कल मंगलवार को नांदेड़ जिले के नायगांव में होगा।

सूर्यापेट के मूल निवासी की अमेरिका के अटलांटा स्विमिंग पूल में डूबने से मौत

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्यापेट जिले के आत्मकुर (एस) मंडल के पाथरलाफाड गांव के 41 वर्षीय मूल निवासी की संयुक्त राज्य अमेरिका के अटलांटा में एक सामुदायिक स्विमिंग पूल में दुर्घटनावश गिरने से मृत्यु हो गई।रिपोर्ट्स के मुताबिक, थपसी प्रवीण कुमार, जो पिछले छह साल से अपनी पत्नी शांति के साथ अमेरिका में रह रहे थे, एक शैक्षणिक संस्थान में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। घटना सप्ताहांत में हुई और प्रवीण के परिवार को उनकी पत्नी ने रविवार शाम को इस दुखद दुर्घटना के बारे में सूचित किया। परिजनों ने बताया कि प्रवीण रात करीब 8 बजे स्विमिंग के लिए स्विमिंग पूल में गया था। हालाँकि, उसे पता नहीं था कि पूल गहरा है और वह उसमें कूद गया और जल्द ही डूबने लगा। परिवार के सदस्यों ने कहा कि जब तक मदद पहुंची तब तक वह मर चुका था।प्रवीण ने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमएससी रसायन विज्ञान की पढ़ाई पूरी की और अमेरिका जाने से पहले यहां कई कॉलेजों में काम किया। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने प्रवीण के माता-पिता को सांत्वना दी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क करेंगे और शव को जल्द से जल्द हैदराबाद लाने का प्रयास करेंगे।

भाजपा ने मुख्यमंत्री को अकबरुद्दीन औवेसी के अवैध संस्थानों को ध्वस्त करने की दी चुनौती

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में झीलों, तालाबों और अन्य जल निकायों पर बने अवैध ढांचों को गिराने के चल रहे अभियान के बीच, भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कोएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन औवेसी द्वारा झील की जमीन पर कथित तौर पर बनाए गए शैक्षणिक संस्थानों को गिराने की चुनौती दी।

तेलंगाना विधानसभा में भाजपा के फ्लोर लीडर ए. महेश्वर रेड्डी ने पूछा कि

क्या मुख्यमंत्री में कथित तौर पर सलकम चेरुवु पर अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा निर्मित इमारतों पर बुलडोजर चलाने की हिम्मत है। यह आरोप लगाते हुए कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी और संरक्षण प्राधिकरण (हाइड्रा) के नाम पर आम लोगों पर अपना रोष प्रकट कर रही है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से पुराने शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों से पुराने शहर में झीलों, तालाबों और सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण कर इमारतें बनाई जा रही हैं।

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या सरकार के पास पुराने शहर में बुलडोजर भेजने के लिए पेट्रोल और डीजल है। महेश्वर रेड्डी ने कहा कि अगर सरकार ईमानदार है, तो उसे शहर और उसके आसपास झीलों की संख्या और पानी पर अतिक्रमण की सीमा पर एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। भाजपा नेता ने मांग की कि सरकार अलग की गई भूमि की पहचान करे और अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करे। उन्होंने कहा कि सरकार को उन जमीनों को वापस लेना चाहिए और उन पर बाड़ लगानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हैदराबाद की 30 झीलों में से 85 फीसदी पर अतिक्रमण हो चुका है। वह चाहते हैं कि सरकार 13,000 अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की समय सीमा बताए।

महेश्वर रेड्डी ने मांग की कि सरकार हाइड्रा को शक्तियां और कानूनी समर्थन प्रदान करे। वह यह भी चाहते हैं कि सरकार लोगों को बताए कि वह जनवाड़ा गांव में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. रामाराव के पट्टे पर लिए गए फार्महाउस और बीआरएस नेताओं द्वारा किए गए अन्य अतिक्रमणों को कब ध्वस्त करेगी। उन्होंने सरकार से कथित तौर पर झीलों और टैंकों पर बने कांग्रेस नेताओं के फार्महाउसों को ध्वस्त करने को कहा।

इस बीच, उनके द्वारा बनाए गए फातिमा औवेसी स्कूल को ध्वस्त करने की मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एमआईएम नेता अकबरुद्दीन औवेसी ने कहा कि वह गोलियों का सामना करने के लिए तैयार हैं लेकिन उनके अच्छे काम को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। यह दावा करते हुए कि संस्थान 40,000 छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रहा है, चंद्रायनगुट्टा विधायक ने कहा कि कुछ लोग जो उनके काम से ईर्ष्या करते हैं, वे विध्वंस की मांग कर रहे हैं।

अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा अगर किसी को मुझसे दुश्मनी है तो आओ और तलवारों और बंदूकों से मुझे ख़त्म कर दो। लेकिन मेरे अच्छे काम को नष्ट करने की कोशिश मत करो। पिछले दिनों एक हत्या के प्रयास से बचे अकबरुद्दीन ओवैसी ने स्पष्ट कर दिया कि वह दुश्मनों को अपनी पीठ नहीं दिखाएंगे। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में गठित निकाय हाइड्रा ने अब तक अभिनेता नागार्जुन के एन-कन्वेंशन सेंटर, हेरिटेज झील पर एआईएमआईएम विधायक मोहम्मद मुबीन और एमएलसी मिर्जा रहमत बेग के स्वामित्व वाली इमारतों सहित झीलों पर अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करके 43 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त कर लिया है।

राजस्व विभाग ने रायदुर्गम में अनधिकृत संरचनाओं को ध्वस्त किया

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को रायदुर्गम में सरकारी भूमि पर कथित अनधिकृत संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। स्थानीय पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए भारी सुरक्षा घेरे की मौजूदगी में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा सोमवार सुबह विध्वंस की कार्रवाई की गई।

विध्वंस की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों के प्रतिरोध और विरोध के कारण क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया, जिन्होंने कहा कि उन्हें कोई पूर्व सूचना या नोटिस नहीं दिया गया था। हालांकि रिपोर्टों के अनुसार भारी पुलिस बंदोबस्त के कारण स्थिति सामान्य बनी रही। रायदुर्गम में सरकारी भूमि पर सर्वेक्षण संख्या 2, 3, 4 और 5 में कथित अनधिकृत संरचनाओं को गिराने के लिए विध्वंस अभियान चलाया गया। रिपोर्टों के आधार पर, तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम लिमिटेड (टीएसटीपीसीएल) के प्रस्तावित यूनिटी मॉल के लिए भूमि मुक्त करने के लिए विध्वंस अभियान शुरू किया गया था।

10-15 दिनों में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति होगी : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि सरकार 10 या 15 दिनों में सभी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों (वीसी) की नियुक्ति करेगी।

रेड्डी ने सोमवार को यहां सचिवालय में राजीव गांधी सिविल अभयहस्तम कार्यक्रम के तहत सिविल सेवा के उम्मीदवारों को चेक वितरित करने के बाद कहा, विश्वविद्यालयों में अन्य रिक्तियां भी भरी जाएंगी। सीएम ने कहा कि छात्रावासों में उचित बुनियादी ढांचा नहीं है और यह मुख्य कारण है, सरकार सभी सुविधाओं के साथ एक ही छत के नीचे एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक गुरुकुल स्थापित कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जहां राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कुछ ताकतें छात्रों को भड़का कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले इन ताकतों ने छात्रों को भड़काकर फायदा उठाया और कहा कि सत्ता खोने के बाद इन ताकतों ने छात्रों और बेरोजगारी के मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया। हम छात्रों की

समस्याओं को हल करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, सीएम ने आश्वासन दिया और कहा कि विरोध और धरना समस्याओं का समाधान नहीं है। उन्होंने छात्रों से साजिशों का शिकार न होने की अपील करते हुए कहा, सरकार द्वारा लिए गए फैसलों पर स्वतंत्र रूप से सोचें।

उन्होंने कहा, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता शिक्षा, रोजगार और किसान कल्याण है। आपके बड़े भाई के रूप में, मैं समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी लूंगा। उन्होंने कहा कि कौशल की कमी के कारण बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है और पर्याप्त प्रशिक्षण की कमी के कारण युवा नौकरी के अवसर खो रहे हैं और कहा कि उनकी सरकार ने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी शुरू की और विश्वविद्यालय के प्रबंधन में एक उद्योग दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने प्रमुख विद्वानों से भी सुझाव मांगते हुए कहा कि प्रसिद्ध उद्योगपति आनंद महिंद्रा को विश्वविद्यालय का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, स्किल यूनिवर्सिटी अगले साल से 20,000 लोगों को प्रशिक्षण देगी।

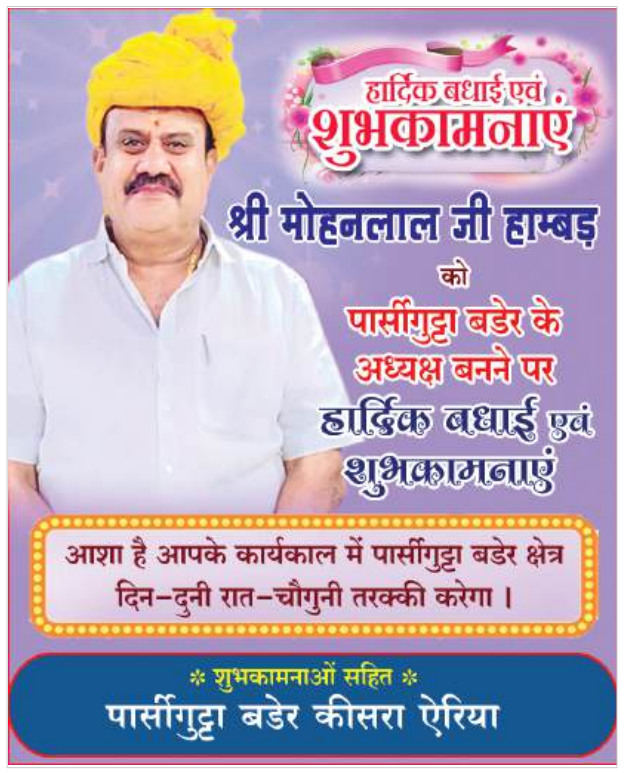

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.